RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 332
नई दिल्ली, सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

उत्तराखंड में भूमि जिहाद, थूक जिहाद नहीं चलेगा : धामी
राष्ट्रीय-9

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद के हालात

अब चल रहीं राजनीतिक गोलियां

टीएन रघुनाथ। मुंबई

बाबा सिद्दीकी की हत्या ने महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य को हिलाकर रख दिया है, जबकि राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारी अपने जोरों पर हैं। जहां सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ विपक्ष एकजुट होकर जवाबदेही की मांग कर रहा है, वहीं देश की वित्तीय राजधानी में हुई इस हत्या के निहितार्थ निश्चित रूप से चुनाव अभियान में गूंजेंगे, जो पहले से ही शुरू हो चुका है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है यह घटना मतदाताओं की भावनाओं को काफी प्रभावित कर सकती है, क्योंकि मुंबई के नागरिकों के लिए उनकी सुरक्षा और संरक्षा सर्वोपरि चिंता का विषय है। उद्धव ठाकरे-शरद पवार और कांग्रेस गठबंधन वाला विपक्ष इस घटना का राजनीतिक फायदा उठा सकता है और इसे राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की कानून-व्यवस्था का पूरी तरह से ध्वस्त होना बता सकता है।

हत्या की निंदा करने वालों में विपक्षी दलों के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) भी शामिल है, जो सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। विपक्षी दल कांग्रेस ने हत्या की निंदा की है क्योंकि कांग्रेस सिद्दीकी की मूल पार्टी रही है जहाँ से उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया था, जबकि अजीत पवार का गुट उनकी वर्तमान पार्टी है। महाराष्ट्र में गृहमंत्री का पद संभाल रहे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी कड़ी आलोचना की गई है और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफलता का हवाला देते हुए उनसे इस्तीफा मांगा गया है। सिद्दीकी हाल ही में कांग्रेस से एनसीपी के अजीत गुट में चले गए थे, और महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों में उनके अच्छे संबंध थे, जिसमें शिवसेना और एनसीपी के दो अलग हुए गुट भी शामिल हैं। मुंबई पुलिस ने शनिवार को तीन बार के विधायक बाबा सिद्दीकी की नृशंस हत्या के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। जबकि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सिद्दीकी की हत्या पर उनके इस्तीफे की मांग करने के लिए एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर निशाना साधा। सिद्दीकी की हत्या में गिरफ्तार किए गए दो लोगों की पहचान हरियाणा के मूल निवासी गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश के धर्मराज कश्यप के रूप में करते हुए पुलिस ने कहा कि तीसरा संदिग्ध शिव कुमार फरार है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हम तीसरे आरोपी की तलाश कर रहे हैं। इस बीच, दोनों आरोपियों की माताओं ने कहा है कि उन्हें नहीं पता था कि उनके बेटे क्या कर रहे थे और वे उनके संपर्क में नहीं थीं। गुरमेल सिंह के परिवार ने कहा कि उन्होंने 11 साल पहले ही उसे त्याग दिया था और उसके कृत्यों के लिए कड़ी सजा की मांग की। इस बीच, सिद्दीकी की हत्या को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना के बीच, फडणवीस 'जिनके पास राज्य गृह विभाग है' ने शरद पवार द्वारा उनके इस्तीफे की मांग करने (**शेष पृष्ठ 9**)

मुंबई में रविवार को बाबा सिद्दीकी (इनसेट) के घर के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी, यहीं पर उनका पार्थिव शरीर रखा गया। पीटीआई

नवरात्र खत्म, दुःस्वप्न शुरू

सौम्या शुक्ला। नोएडा

विजयादशमी की पूर्व संध्या पर, जब राष्ट्रीय राजधानी में दैवीय स्त्रीत्व और बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाया जा रहा था, इस दौरान पायनियर की महिला रिपोर्टर को शनिवार रात उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-75 में शराबियों की गुंडागर्दी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जो इस त्यौहार को शराब पीकर लोगों की जान लेने का मनमर्जी करने का अवसर मानते हैं। इस संबंध में महिला पत्रकार के सामने एक और समस्या यह आई कि जब पहली बार मदद के लिए संपर्क किया गया, तो पुलिस ने सहानुभूति नहीं दिखाई।

सड़कों पर लोग रामलीला और रावण दहन का आनंद ले रहे थे, जो एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान है जब हिंदू लोग सत्य की जीत का जश्न मनाने के लिए रावण के पुतलों को जलाते हैं, उसी समय एक सफेद हुंडई आई-20 स्पोर्ट्स कार (यूपी15 सीडी6004) रात करीब 10 बजे अनियंत्रित तरीके से सड़कों पर दौड़ रही थी। देखने पर पता चला कि ड्राइवर बहुत ज्यादा नशे में थे।

सबसे पहले, वे सड़क के किनारे एक दुकान के अंदर घुस गए और आस-पास खड़े कई लोगों की जान जोखिम में डाल दी, जबकि मैं (महिला पत्रकार) और मेरा एक दोस्त दशहरा मेले से लौटने के बाद एक स्ट्रीट वेंडर से खरीदकर कुछ खा रहे थे।

शर्मनाक आंकड़े

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न की दर चिंताजनक रूप से अधिक है, और अधिकांश मामले दर्ज नहीं किए जाते हैं। सितंबर 2022 से अगस्त 2023 तक फरीदाबाद में 2,666 शिकायतें दर्ज की गईं, गुरुग्राम में दर्ज मामलों में 12 फीसदी की वृद्धि हुई। दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर देश में सबसे अधिक 144.4 प्रति 100,000 दर्ज की गई, नोएडा में ऐसे अपराधों में 21 फीसदी की कमी आई।

जब मैं अपने दोस्त के साथ सड़क पार करने की कोशिश कर रही थी, उस समय मैं सड़क के बाईं ओर थी, तभी कार मेरे पास से तेज़ी से गुज़री, तभी मेरे परिचित ने मुझे कार से कुचले जाने या रेसिंग कार से टकराने से बचाने के लिए किनारे पर खींच लिया। एक सेकंड के लिए, कार रुकी और अचानक से फिर से दौड़ने लगी। जब मेरा दोस्त उन कार वालों पर चिल्लाया, जबकि मैं कांप रही थी, इस चिंता में कि यह एक मौत का अनुभव जैसा था, दो राहगीर, जो सड़क के किनारे शराब पी रहे थे, इन लोगों ने मेरे दोस्त को गाली देना शुरू कर दिया। उन्होंने गाली-गलौज की और उसे ड्राइवरों पर चिल्लाने से मना किया, जैसे कि हम दूसरों के जीवन को खतरे में डालने के लिए जवाब मांगने की गलती कर रहे हों।

इस बात से चिंतित कि यह एक भयंकर लड़ाई और जान को जोखिम में डाल सकती है, मैं अपने दोस्त को दूसरी तरफ ले गई, तब तक ड्राइवर ने लोगों को पुलिस से घटनास्थल पर आने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहते हुए सुना होगा। उन्होंने अपनी कार को घटनास्थल के पास ही एक सोसाइटी की तरफ मोड़ दी। पुलिस को 112 पर कॉल करने पर, अधिकारियों ने संवेदनहीन तरीके से पूछा कि क्या हम इस पर रिपोर्ट दर्ज करेंगे। घटना के लगभग 20 मिनट बाद दो अधिकारियों के साथ एक पुलिस वैन घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि, जब वे आए तो उन्होंने फिर से हमसे पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने को कहा, जबकि हमने उनसे तुरंत कुछ कार्रवाई करने को कहा, ताकि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। हमने कहा, हम लोगों ने उन्हें यहीं सोसाइटी में तेजी से कार को ले जाते हुए देखा है। वे (पुलिसवाले) कम से कम यह पता लगाने की कोशिश करें कि क्या गार्ड को पता है कि कार किसी फ्लैट की है या नहीं। पुलिस अधिकारियों ने आधे-अधूरे मन से गार्ड से कुछ सवाल पूछे, लेकिन हमें फिर से नोएडा के सेक्टर-113 पुलिस थाने में जाने को कहा गया। खराब मानसिक स्थिति के बावजूद हमने थाने जाकर शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया। पुलिस ने आश्वासन (**शेष पृष्ठ 9**)

वक्फ संयुक्त समिति को मिलीं 1.2 करोड़ ईमेल प्रतिक्रियाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर सोमवार को संसदीय पैनल के समक्ष नासिक के एक मंदिर के मुख्य पुजारी, तीन अधिवक्ता और एक मुस्लिम संगठन के प्रतिनिधि अपने विचार साझा करने वालों में शामिल होंगे। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति की बैठक सोमवार और मंगलवार को होनी है, जिसमें जमीयत उलेमा-ए-हिंद, दिल्ली और गोवा स्थित सनातन संस्था के प्रतिनिधियों की बात सुनी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाला पैनल नासिक के श्री कालाराम मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सुधीरदास महाराज की भी बात सुनेगा। इसके अलावा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय, विशु शंकर जैन और अमिता सचदेवा भी पैनल के समक्ष विधेयक पर अपने विचार साझा करेंगी। सचदेवा हिंदू जनजागृति समिति, गोवा का प्रतिनिधित्व करती हैं। कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपदी को भी मसौदा विधेयक पर अपनी राय साझा करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। मसौदा कानून के बारे में अपने-अपने दृष्टिकोण के लिए (**शेष पृष्ठ 9**)

दिवाली के लिए सज रही अयोध्या

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

अयोध्या दिवाली के लिए दीपोत्सव के लिए तैयार है, शहर में बड़े पैमाने पर सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया चल रही है। इस तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रमुख स्थानों पर सौर ऊर्जा से चलने वाली स्मार्ट लाइट लगाना है, जिसका प्रबंधन उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा) द्वारा 300 करोड़ रुपये के बजट से किया जा रहा है। ये सौर लाइट अयोध्या बाईपास और महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़क को रोशन करेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लंबे समय से अयोध्या को 'सौर शहर' में बदलने की कल्पना की है। घरों की छतों पर सौर ऊर्जा के पैनल लगाने सहित विभिन्न सौर ऊर्जा परियोजनाएं पहले से ही प्रगति पर हैं, और अयोध्या में कई पार्क और सड़कें अब सौर लाइटों से जगमगा रही हैं। यूपीनेडा इन स्मार्ट सौर लाइटों की स्थापना में तेजी ला रहा है, जिसमें पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करने के लिए हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में 60 की योजना बनाई गई है। इसके अलावा, पीएनईडीए अयोध्या बाईपास के दोनों किनारों और अन्य रणनीतिक स्थानों पर 58 स्मार्ट सौर लाइटें लगा रहा है। मंडलायुक्त आवास के पास 16, धर्मपथ के पास पार्क में 10 और मुक्ति धाम में छह लाइटें लगाई जा रही हैं। यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी प्रवीण कुमार पांडेय ने पुष्टि की कि परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और दिवाली तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि त्योहारों के लिए प्रमुख स्थल जगमगाएं।

इसके साथ ही अयोध्या में राम मंदिर के ऊपर 161 फुट ऊंचे शिखर का निर्माण तेजी से चल रहा है। शिखर की पहली परत पूरी हो चुकी है और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर प्रगति की तस्वीरें साझा की हैं। मंदिर की नींव से तीसरी मंजिल तक की ऊंचाई 76 फीट है। शिखर इस संरचना से ऊपर उठेगा और मंदिर में काफी भव्यता जोड़ेगा। शिखर की ऊंचाई 85 फीट होगी और इसमें 29 परतें होंगी, जिनमें से प्रत्येक लगभग तीन फीट ऊंची होगी। लगभग 300 कुशल कारीगर इस परियोजना पर काम कर रहे हैं और प्रत्येक परत को लगभग एक सप्ताह में पूरा किया जाएगा। शिखर के निर्माण के बाद, इसके ऊपर 44 फुट का धर्म ध्वज (धार्मिक ध्वजस्तंभ) स्थापित किया जाएगा, जिसके साथ छह फुट का धार्मिक ध्वज भी होगा। इससे शिखर सहित मंदिर की कुल ऊंचाई लगभग 211 फीट हो जाएगी। शिखर का निर्माण फरवरी 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

मां दुर्गा को विदाई

राजधानी नई दिल्ली में रविवार को दुर्गा पूजा उत्सव के समापन के अवसर पर पूजा पंडाल में 'सिंदूर खेला' में एक-दूसरे को सिंदूर लगाती महिलाएं। फोटोः रंजन डिमरी/पायनियर

उपभोक्ता को प्राथमिकता दे ओला : सीसीपीए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म ओला को उपभोक्ता-अनुकूल बदलाव लागू करने का निर्देश दिया है। नियामक ने रविवार को यह निर्देश जारी किया जिसमें रिफंड विकल्प प्रदान करना और ऑटो राइड के लिए रसदी प्रदान करना शामिल है। मुख्य आयुक्त निधि खरे के नेतृत्व में सीसीपीए ने पाया कि ओला धन वापसी के लिए किसी भी प्रश्न का विकल्प नहीं है, कंपनी सिर्फ वाहन के लिए कूपन कोड प्रदान करती है और उपभोक्ताओं को बैंक खाते में धन वापसी का विकल्प भी नहीं प्रदान करती है।

सीसीपीए ने एक बयान में कहा, यह तरीका उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करता है। बिना किसी सवाल के रिफंड नीति का मतलब यह नहीं हो सकता कि कंपनी लोगों को बस दूसरी सवारी लेने के लिए इस सुविधा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है। नियामक ने ओला को अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से बुक की गई सभी ऑटो राइड के लिए बिल या चालान जारी करने का भी आदेश दिया, जिसमें उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत 'अनुचित व्यापार व्यवहार' के रूप में ऐसे दस्तावेज़ों की अनुपस्थिति का हवाला दिया गया। सीसीपीए के हस्तक्षेप के बाद, ओला ने कई बदलाव लागू किए हैं, जिसमें इसकी वेबसाइट पर शिकायत और नोडल अधिकारियों के संपर्क विवरण प्रदर्शित करना, बुकिंग के समय रद्दीकरण नीतियों और शुल्कों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना, सवारी रद्द करने के कारणों के लिए और अधिक विकल्प जोड़ना और किराया घटक टूटने को सार्वजनिक करना शामिल है। लागू किए गए अन्य बदलावों में ड्राइवरों को पिकअप और ड्रॉप दोनों स्थानों का पता दिखाना और त्वरित भुगतान के लिए ड्राइवरों के लिए संशोधित भुगतान चक्र शामिल थे। सीसीपीए ने जनवरी से अक्टूबर 2024 तक ओला के खिलाफ 2,061 शिकायतें दर्ज कीं, जिनमें ओवरचार्जिंग, रिफंड में देरी और ड्राइवर से संबंधित समस्याएं शामिल हैं। सीसीपीए नियामक ने कहा, अपने नियामक हस्तक्षेप के माध्यम से, यह सुनिश्चित करने में दृढ़ रहा है कि ओला उपभोक्ताओं के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए स्थापित कानूनी ढांचे का पालन करे। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब सीसीपीए ने तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स और राइड-हेलिंग क्षेत्रों में उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों की जांच बढ़ा दी है।

लाइलाज ट्रैफिक जाम
पायनियर

पुरानी बसों के खराब होने से ट्रैफिक जाम बना जंजाल

● सड़कों पर लगातार दर्जनों बड़े वाहनों के बिगड़ने से थम जाता है यातायात, होता है डायवर्जन

राजेश कुमार। नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा लोगों से बस खराब होने के कारण लगने वाले जाम के कारण कुछ खास सड़कों से दूर रहने की सोशल मीडिया पर अपील करना आम बात है। ये घटनाएं बसों के रोजाना खराब होने की वास्तविक संख्या का एक छोटा सा हिस्सा हैं। बसों और माल ढोने वाले वाहनों का खराब होना दिल्ली में पीक ऑवर्स के दौरान ट्रैफिक जाम का एक बड़ा मुद्दा बन गया है।

परिवहन विभाग के सूत्रों ने बताया कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर स्कीम की दर्जनों बसें रोजाना सड़कों पर खड़ी रहती हैं। बस खराब होने के कारण भीषण जाम लग जाता है। इससे न केवल सड़क पर फंसे दैनिक यात्रियों को असुविधा होती है, बल्कि वाहनों की गति धीमी होने और खड़े रहने से ट्रैफिक जाम भी होता है। त्योहारी सीजन के चलते भी यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी है। नजफगढ़ डिपो के पास रविवार को एक बस के खराब होने से नजफगढ़-बहादुरगढ़ रोड पर यातायात प्रभावित रहा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, अनाज मंडी, नजफगढ़ के पास हाइवा ट्रक में दुर्घटना और आग लगने के कारण बहादुरगढ़ नजफगढ़ रोड पर यातायात प्रभावित हुआ।

ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को बसों के खराब होने पर दो एडवाइजरी जारी कीं। पहली बार नजफगढ़ रोड पर धोली प्याऊ से द्वारका मोड़ की ओर जाने वाले कैरिजवे में उत्तम नगर चौक पर एक बस के खराब होने के कारण यातायात धीमा हो गया। दूसरी घटना में, रोहतक रोड पर टिकरी बॉर्डर से पीरागढ़ी की ओर जाने वाले कैरिजवे में मेट्रो पिलर नंबर 530 के पास एक बस के खराब होने के कारण यातायात प्रभावित हुआ। ट्रैफिक पुलिस के शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, पीक ऑवर्स में वाहनों के खराब होने की पांच घटनाएं सामने आईं। सरिता विहार फ्लाईओवर के पास क्लस्टर बस के खराब होने के कारण आश्रम से बदरपुर की ओर जाने वाले कैरिजवे में मथुरा रोड (**शेष पृष्ठ 9**)

प्रधानमंत्री का अचानक दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रविवार को भारत मंडपम का अचानक दौरे से राष्ट्रीय राजधानी के बीचों-बीच यातायात थम जाने से भीषण जाम की स्थिति बन गई। मध्य से दक्षिणी दिल्ली जाने की कोशिश कर रहे यात्रियों को असुविधा हुई, क्योंकि वीआईपी मूवमेंट के कारण मुख्य सड़कें जाम रहीं। दोपहर और शाम को भारत मंडपम के आसपास घंटों सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू रहा और यात्रियों को अपने वाहनों में ही घंटों इंतजार करना पड़ा।

महापंचायत पर डासना मंदिर के बाहर बवाल

नरसिंहानंद के समर्थन में जुटे थे लोग- लाठीचार्ज का आरोप, भाजपा विधायक सड़क पर बैठे

● पुलिस ने करीब 50 लोगों को हिरासत में लिया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में डासना देवी मंदिर के बाहर रविवार दोपहर में बवाल हो गया। यहां हजारों की संख्या में लोग यति नरसिंहानंद के समर्थन में होने वाली महापंचायत में शामिल होने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने महापंचायत की अनुमति नहीं दी थी। डासना मंदिर के आसपास रोड बंद करके बैरिकेडिंग करवा दी।

दोपहर में करीब 1000 लोगों की भीड़ बैरिकेडिंग तोड़कर मंदिर की तरफ जाने की कोशिश करने लगी। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। मंदिर की तरफ जा रहे लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

करीब 20 मिनट में भीड़ को वहां से खदेड़ दिया। पुलिस ने करीब 50 लोगों को हिरासत में लिया है। इससे पहले, भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर भी महापंचायत के लिए मंदिर के बाहर पहुंचे तो पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। नाराज होकर वह सैकड़ों समर्थकों संग सड़क पर बैठ गए। नरसिंहानंद ने भी मीडिया को वॉट्सऐप पर बताया कि पुलिस ने उनको नजरबंद कर दिया है। दरअसल, यति ने 29 सितंबर को पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी की थी। इसके खिलाफ प्रदेश के कई जिलों में मुस्लिम समुदाय ने प्रदर्शन किया था। इसके बाद हिंदुओं की 36 बिरादरी ने यति के समर्थन में 13 अक्टूबर को डासना मंदिर में महापंचायत बुलाई थी। गाजियाबाद पुलिस ने एंबुलेंस लेकर डासना देवी मंदिर पर जा रहे डॉक्टर बीपी त्यागी को रोक दिया है। डॉक्टर त्यागी का कहना था कि मुझे मंदिर पर मेडिकल कैंप लगाना था।

मैंने इसके बारे में पहले ही पुलिस के उच्चाधिकारियों को बता दिया था। इसके बावजूद इमरजेंसी सेवाओं को रोका जा रहा है। पुलिस ने जब एंबुलेंस रोकी तो डॉक्टर बीपी त्यागी सिर पर दवाइयों का डिब्बा रखकर मंदिर की तरफ चलने लगे। लेकिन, पुलिस ने उन्हें फिर से रोक दिया है।

सड़क से उठने के बाद विधायक नंदकिशोर गुर्जर फिर से पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा पर हमलावर दिखे। उन्होंने कहा- पूर्व में एक डेलिगेशन डीएम से मिला। शांतिपूर्वक ज्ञापन दिया।

डीएम के आश्वासन पर महापंचायत स्थगित करने का फैसला लिया गया। इसके बावजूद पुलिस कमिश्नर ने ज्ञापन देने जाने वालों पर मुकदमा लिखवा दिया। पुलिस कमिश्नर को गिरफ्तार होना चाहिए।

'गाजियाबाद में मंत्री के बिगड़े बोल- खून सबका लाल डीएनए एक नहीं'

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● कहा- खून एक होता तो राम मंदिर न टूटता, संतानों में हिंदुत्व की भावना जागृत करें

गाजियाबाद में साहिबाबाद विधानसभा से बीजेपी विधायक और प्रदेश सरकार में सूचना एवं इलेक्ट्रॉनिक मंत्री सुनील शर्मा का रामलीला में दिया गया भाषण तेजी से वायरल हो रहा है। सुनील शर्मा ने कहा कि खून तो सबका लाल है। यह हमको बताया गया है लेकिन डीएनए एक नहीं है।

डीएनए की बात उन्होंने आगे कहा कि अगर डीएनए एक होता तो ना अयोध्या में राम मंदिर तोड़ा गया होता और न काशी-मथुरा में मंदिर तोड़े गए होते। संतानों के अंदर हिंदुत्व की भावना जागृत करो, नहीं तो आज जो रामलीला हो रही है, ये भी बंद हो जाएगी। साहिबाबाद से भाजपा विधायक और प्रदेश सरकार में सूचना एवं इलेक्ट्रॉनिक मंत्री सुनील शर्मा का विजयदशमी के अवसर पर दिया गया बयान चर्चा में है। सुनील शर्मा ने सार्वजनिक रूप से माइक में कहा कि हमें बताया गया कि सबका खून लाल है।

लेकिन अगर सबका खून लाल है तो राम मंदिर क्यों तोड़ा गया था। मंदिर तोड़ने वाली बात उठाकर उन्होंने कहा कि सबका खून लाल था, तो मथुरा और काशी में मंदिर क्यों तोड़े गए थे। सबका खून एक जैसा था, तो इस देश में 3000 से ज्यादा मंदिर क्यों तोड़े गए। मस्जिद तो बिना मंदिर तोड़े भी बन सकती थी। आगे उन्होंने कहा कि अगर किसी को मस्जिद बनानी थी तो बहुत जगह थी। देश की तब आबादी 10-12 करोड़ थी। मंदिर तोड़कर मस्जिद क्यों बनाई गई।

इसका मतलब क्या है! ये जो असुर हैं उनका ये नियम है कि वो कभी सीता का हरण करते हैं तो कभी मंदिरों को ध्वस्त करते हैं। हमकों दैवीय शक्तियों को जागृत करना होगा। ऐसे में हमें अपनी संतानों को बताना होगा कि खून सबका लाल है लेकिन डीएनए सबका एक नहीं है। उनके अंदर हिंदुत्व की भावना को जागृत करना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो ये रामलीला जो आज हो रही है ये भी बंद हो जाएगी।

मोटे मुनाफे का लालच दिखाकर ठगी, शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लाखों वसूले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश करने का झांसा देकर सेक्टर-44 में रहने वाले सुनील खांडेकर से 98. 50 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने पांच से 20 प्रतिशत तक के प्रतिदिन लाभ होने की लालच में आकर निवेश किया था। पूरा पैसा नहीं निकलने पर पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया है।

सुनील खांडेकर ने बताया कि उनके पास शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का मैसेज आया था। संपर्क करने पर ठगों ने स्काईरिम केपिटल स्टाक ट्रेडिंग कंपनी और उसके एप के बारे में बताया। उनका प्रीफेंशियल ट्रेडिंग खाता खुलवाया। फिर विकास कुमार नाम के ठग ने बताया कि अपर व लोअर सर्किट में डीमेट खाते के माध्यम से ट्रेड नहीं किया जा सकता है। कुणाल ने ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से खाता खोलने, पैसा जमा करने की जानकारी दी। कुणाल की दी इनसाइडर जानकारी एकदम सटीक निकली। शेयरों में पांच से 20 प्रतिशत का लाभ मिला। शुरुआत में छोटी धनराशि निवेश की और खाते से लाभ समेत पूरी धनराशि वापस भी निकाल ली। इससे पीड़ित को कंपनी पर यकीन हो गया। पीड़ित ने मार्च में धीरे-धीरे करके पांच-पांच लाख रुपये की धनराशि निवेश करनी शुरू कर दी। करीब 94.76 लाख रुपये निवेश कर दिए।

पीड़ित ने फीस के रूप में 1.25 लाख और कर के रूप में 2.50 लाख रुपये और दे दिए लेकिन ठगों ने तकनीकि दिक्कत आने का हवाला देकर बरगलाना शुरू कर दिया। पीड़ित ने इनकम टैक्स के रूप में पांच लाख रुपये की मांग की। इस पर पीड़ित द्वारा पिता की बीमारी की लाचारी बताने पर ठगी नहीं माने। पीड़ित ने उपचार के लिए तत्काल धनराशि होने जैसी लाचारी भी बताई लेकिन ठग अपने सीनियर का हवाला देकर बरगलाते रहे।

खंभे में उतरा करंट, बच्चा चपेट में आया- मौत

गाजियाबाद। लाजपत नगर इलाके में बिजली के लोहे के खंभे में करंट उतर आया। बड़े भाई के साथ पास में खेल रहे 5 साल के बच्चे की भी खंभा छूने से मौत हो गई।

हादसे के बाद जांच करने आए बिजली कर्मचारियों ने जांच के बाद बताया कि खंबे में करंट आ रहा है। राहुल दीवान का 5 साल का पुत्र जय दीवान अपने बड़े भाई के साथ घर के बाहर सड़क पर खेल रहा था। इसी दौरान खेलते हुए वह बिजली के खंभे से टच हो गया। यह बिजली का खंबा लोहे का था। जिसमें करंट आ रहा था। जय नीचे गिर गया, जहां से उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने जय को मृत घोषित कर दिया।

बिजली चोरी रोकने के लिए घरों पर लगेंगे स्मार्ट मीटर

● गाजियाबाद जोन-1 में दो लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ता

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बिजली चोरी को रोकने और बिजली की खपत कम करने व उपभोक्ताओं को बिजली बिल की समस्या से निजात दिलाने को लेकर विद्युत निगम तैयारी कर रहा है। इसके लिए स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, जिससे बिजली चोरी का भी पता चल सकेगा। शुरुआत में विद्युत उपकेंद्रों के फीडर पर स्मार्ट मीटर लगेंगे, जिसके बाद ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

बाद में सरकारी कार्यालय और आवास के बाद उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना है। गाजियाबाद जिले में करीब चार लाख 25 हजार उपभोक्ताओं के लिए 41 विद्युत उपकेंद्र संचालित हैं। यह इनकमिंग व आउटगोइंग मिलकर 231 फीडर हैं। विद्युत निगम की ओर से विद्युत उपकेंद्र के फीडर पर स्मार्ट मीटर लगाए जाने का काम शुरू कर दिया गया है। गाजियाबाद जोन एक में दो लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ता हैं, जिनमें करीब 8500 से अधिक प्रीपेड उपभोक्ता हैं।

जोन एक में व्यवसायिक विद्युत कनेक्शन वाले 30 हजार से अधिक उपभोक्ता हैं, जिनमें 1200 से अधिक प्रीपेड उपभोक्ता हैं। वहीं, लघु व सूक्ष्म उद्योगों के ढाई हजार से अधिक एवं बड़े उद्योगों के 439 कनेक्शन हैं। विद्युत उपकेंद्रों की संख्या 40 हैं। बिजली चोरी को रोकने के लिए विद्युत निगम ने शुरुआत में उपकेंद्रों के फीडर पर स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू किया है, जिसमें तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य अभियंता गाजियाबाद जोन अशोक सुंदरम ने बताया कि इसके लिए स्मार्ट मीटर लगाने में तेजी लाने के लिए संबंधित कंपनी अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। शुरुआत में फीडर पर स्मार्ट मीटर लगेंगे। ट्रांसफार्मर और सरकारी कार्यालय व आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। ताकि उपभोक्ताओं में संदेश जाए। इसके बाद उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी है। तीनों चरण का काम खत्म होने पर घर-घर जाकर बिजली बिल मीटर रीडर का काम खत्म हो जाएगा। गलत बिलिंग से भी छुटकारा मिलेगा। मीटर को बाइपास चलाएंगे तो बिजली बंद हो जाएगी।

एयरपोर्ट के पास सस्ता प्लॉट खरीदने की स्कीम अगले महीने

● मेरठ मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे. ने जमीन के पुनर्ग्रहण को स्वीकृति दी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जमीन पुनर्ग्रहण के फेर में फंसी यमुना प्राधिकरण की आवासीय प्लॉट योजना का रास्ता साफ हो गया है। मेरठ मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे. ने जमीन के पुनर्ग्रहण को स्वीकृति दे दी है।

आवासीय प्लॉट योजना लॉन्च होने से पहले इसका उत्तर प्रदेश भू संपदा विनियामक प्राधिकरण में पंजीकरण कराया जाएगा। अगले माह तक आवासीय प्लॉट योजना लॉन्च होने की उम्मीद है। यमुना प्राधिकरण ने पांच जुलाई को 361 आवासीय प्लॉट की योजना निकाली थी, इस योजना में प्लॉटों की संख्या बढ़ाने के लिए प्राधिकरण ने सेक्टर 24 में प्रस्तावित प्लॉट के लिए पंजीकरण का आवेदन रेरा में किया था। लेकिन रेरा ने प्राधिकरण से यह कहते हुए पंजीकरण करने से इनकार कर दिया था कि जिस जमीन पर प्लॉट योजना प्रस्तावित है, वह जमीन यमुना प्राधिकरण के नाम पर दर्ज नहीं है। इसलिए प्राधिकरण की 23 अगस्त को समाप्त हुई आवासीय योजना में प्लॉटों की संख्या नहीं बढ़ सकी।

रेरा के जवाब के बाद प्राधिकरण ने जमीन के पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव मंडलायुक्त को भेजा था। यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह का कहना है कि मंडलायुक्त ने 110 एकड़ जमीन के पुनर्ग्रहण के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। जिला प्रशासन से इसकी सूचना जारी होने के बाद रेरा में पूर्व में पंजीकरण के लिए दिए गए आवेदन के संबंध में इस जानकारी को शामिल कर दिया जाएगा। रेरा पंजीकरण के बाद अगले माह तक नई आवासीय प्लॉट योजना निकाली जाएगी। ज्ञात हो कि ग्राम समाज की जमीन को प्राधिकरण पुनर्ग्रहण करता है, इसके बाद ही प्राधिकरण यह जमीन अपनी परियोजनाओं में उपयोग करता है, लेकिन पूर्व में शासन ने शासनादेश जारी कर ग्राम समाज की जमीन के प्रबंधन का अधिकारी प्राधिकरणों को सौंप दिया था।

तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, दंपति की मौत

● कार चालक पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप, बच्चे समेत कई घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना फेज-तीन क्षेत्र के सेक्टर-68 गढ़ी गोल चक्कर के पास रिक्शा सवार चालक समेत आठ लोगों को तेज रफ्तार होंडा सिटी कार के चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनकी बेटी, धेवती और रिक्शा चालक की हालत नाजुक बनी हुई है।

कार की रफ्तार 100 किलोमीटर से ज्यादा होने व चालक के नशे में होने के चलते यह हादसा हुआ। पुलिस ने दिल्ली गणेश नगर के आरोपित चालक और कार सवार उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार गढ़ी गांव की रीना अपने पिता कृष्णा पादो व माता तृप्ती पादो समेत रिश्तेदार लिपिका, करन, पायल व पूजा के साथ सेक्टर- 34 में मेला देखकर ई-रिक्शा से लौट रहीं थीं। रिक्शे के गढ़ी चौराहे पर पहुंचने पर सभी उतरने की तैयारी कर रहे थे। तभी एफएनजी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शे को अपनी चपेट में ले लिया।

हादसे में ई रिक्शा सवार सभी आठ लोग बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे की जानकारी होने पर पुलिस ने गंभीर से रूप से घायल चार को जिला अस्पताल पहुंचाया और चार घायलों को नजदीक के जीवन अस्पताल में भर्ती कराया।

एसीपी प्रथम सेंट्रल नोएडा राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि हादसे में कृष्णा पादो व तृप्ती पादो की मौत हो गई जबकि रीना का अस्पताल में उपचार चल रहा है। गंभीर हालत होने पर ई-रिक्शा चालक को दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल रेफर कर किया गया है । दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया गया। कार सवार दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गाजियाबाद में चली डबल बैरन गन... पार्षद को लगे छर्रे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

रजापुर गांव में दशहरा पूजन के बाद एक हादसा हो गया, जिसमें वार्ड नंबर 18 की पार्षद शशि सिंह घायल हो गईं। घटना के अनुसार, दशहरा पूजन के लिए निकाली गई डबल बैरल गन गलती से चल गई, जिससे निकले छर्रे शशि सिंह के हाथ में लगे और उनके हाथ में गंभीर चोट आई है।

हादसे के बाद शशि सिंह को तत्काल यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। शशि सिंह की उम्र 43 साल है और वह अपने पति डॉक्टर पवन गौतम के साथ दशहरा मनाने अपने ससुर के घर रजापुर गांव आई थीं। पवन गौतम ने बताया कि दशहरा पूजन के लिए उनके पिता की डबल बैरल गन निकाली गई थी।

पूजा समाप्त होने के बाद जब गन को वापस रखा जा रहा था, तभी अचानक से गन चल गई और शशि सिंह को चोट लगी। पवन ने स्पष्ट किया कि गन उनके पिता की है और वे इसे अपनी सुरक्षा के लिए रखते हैं। एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर मुआयना किया।

561 लोकेशन पर लगाए जाएंगे 2100 कैमरे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● 212 करोड़ होंगे खर्च, अलग बनेगा कंट्रोल रूम

नोएडा में सेफ सिटी प्रोजेक्ट के लिए अगले सप्ताह आरएफपी जारी की जाएगी। सीईओ लोकेश एम ने बताया कि सेफ सिटी से संबंधित सभी कागजी दस्तावेज का काम पूरा किया जा चुका है। कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। कंपनी को निर्धारित समय में काम पूरा करना होगा। सेफ सिटी के तहत नोएडा में 2100 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक शहर में सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत 561 लोकेशन पर अतिरिक्त 2100 सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। यह कैमरे नाइट विजन व फेस डिडक्शन कैमरे होंगे, जो इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइएसटीएमएस) के कैमरों से बिलकुल अलग होंगे। मॉनिटरिंग के लिए अलग से कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा। इनका वाहनों के चालान से कोई संबंध नहीं होगा, लेकिन सुरक्षा के तहत वाहनों की नंबर प्लेट व उसमें बैठे लोग भी साफ तौर पर कैमरे की नजर से देखा जा सकेगा। बदमाशों का डाटा पुलिस के पास पहले से है। ऐसे में कोई भी बदमाश यदि इन कैमरों के पास गुजरता है तो उसकी लाइव लोकेशन और पूरा डाटा कंट्रोल रूम में दिखाई देगा। सेफ सिटी के कंट्रोल रूम सीधे पुलिस मुख्यालय में बने कंट्रोल रूम से जुड़े होंगे।

कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन, पुलिस चौकी, पीआरवी, डायल-112 को जानकारी दी जा सकेगी। इस योजना के तहत पुलिस कंट्रोल रूम की तर्ज पर थाने चौकी में भी मॉनिटरिंग स्क्रीन लगाई जाएगी। इन स्क्रीन को कंट्रोल रूम से एक्सेस भी दिया जाएगा, जो वहां पर दो ही घटनाओं पर अलग-अलग कलर में ब्लिंक करेगा।

ई-टिकट की कालाबाजारी करने वाला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर निजी आईडी से बना रहा था ई-टिकट

एजेंट आईडी की जगह निजी आईडी से तत्काल और सामान्य टिकट बनाकर कालाबाजारी करने वाले आरोपी को आरपीएफ दादरी की टीम ने दबोच लिया।

आरोपी के पास से 55 हजार रुपए की कीमत के 37 ई-टिकट मिले हैं। गिरफ्त में आए आरोपी के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी मिली है। आरपीएफ दादरी के प्रभारी निरीक्षक एसके वर्मा ने बताया कि निजी आईडी से रेलवे टिकट बनाकर उसे तय मूल्य से अधिक में बेचने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बीते दिनों इनपुट मिला कि नोएडा के अलग-अलग हिस्से में रेलवे के ई-टिकटों की कालाबाजारी की जा रही है। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई। टीम ने शनिवार को नगला चरण दास निवासी मुकेश शाह को गिरफ्तार कर लिया। वह कुनाल कम्युनिकेशन का संचालक है और एजेंट आईडी की जगह निजी आईडी से रेलवे का ई-टिकट बना रहा था। इसके लिए ग्राहकों से आरोपी 200 से 300 रुपए अधिक लेता था। आरोपी के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है। 12 निजी आईडी से आरोपी टिकट बना रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी द्वारा एप्पी, कुनालकोमू, दुंडन,रसमुनि,मंगो,शांति और रवि समेत अन्य की निजी आईडी से टिकट बनाए गए। मुकेश बीते तीन साल से ऐसा कर रहा था और उसने करीब तीन लाख रुपए का मुनाफा अभी तक गलत तरीके से कमाया है।

इसी सप्ताह ही सेक्टर-18 से भी एक आरोपी को रेलवे के ई-टिकटों की कालाबाजारी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर निजी आईडी से ई-टिकट बना रहा था। बीते एक साल में अलग-अलग हिस्से से 21 ऐसे आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

गाजियाबाद में दो महिलाओं से लूट

गाजियाबाद। मोदीनगर में दो महिलाओं से लूट की गई। घटना निवाड़ी कुसैड़ी मार्ग पर सुबह आठ बजे की है। बाइक सवार बदमाश ने पिस्टल व चाकू के बल पर पांच महिलाओं को बंधक बना लिया। बदमाश दो महिलाओं के कान से सोने के कुंड़ल लूटकर फरार हो गए। कान पटने से एक महिला घायल हो गई। पीड़ित महिलाओं ने निवाड़ी थाने में तहरीर दी है। पुलिस बदमाश की तलाश कर रही है।

कस्बा निवाड़ी के वार्ड दस निवासी महिला सविता देवी, उर्मिला, मोनिका, दया व मूर्ति खेतों में मजदूरी करने का काम करती हैं। महिलाएं निवाड़ी कुसैड़ी मार्ग पर कस्बा निवाड़ी निवासी अधिवक्ता जितेन्द्र त्यागी के खेत में धान की कटाई कर रही थी इसी बीच एक बाइक खेत के पास आकर रुकी। बाइक से काले कपडे पहने एक युवक उतरा और महिलाओं से पता पूछने लगा। महिलाओं ने काम करने की बात कहकर पता बताने से मना कर दिया। इसके बाद वह महिलाओं से बीच मिनट तक बात करता रहा। युवक ने पिस्टल व चाकू निकाल लिया और सभी को एक कोने में बैठने के लिए कहा। इसके बाद बदमाश ने सविता व उर्मिला के कान से सोने के कुंड़ल लूट लिए। मोनिका, दया व मूर्ति ने कुंडल या अन्य जेवरात नहीं पहन रखा था। लूट का विरोध करने पर महिलाओं को मारपीट कर घायल भी कर दिया। कुंड़ल खीचने से सविता देवी का कान का पर्दा फट गया। बदमाश वारदात को देकर आराम से फरार हो गया। महिलाओं द्वारा चिल्लाने पर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर आए और बदमाश का काफी दूर तक पीछा भी किया।

मामा ने लिया भांजे की मौत का बदला, गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना वेव सिटी इलाके में तालाब में मिले शव का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने ईट और डंडे से पीट और फिर से गले पर वार कर हत्या की थी और उसके उसके बाद शव को तालाब डाल दिया था। थाना अध्यक्ष वेव सिटी अंकित चौहान ने बताया की थाना क्षेत्र में तालाब में शादाब जिसकी उम्र 33 वर्ष थी उसका शव मिला था। पोस्टमार्टम में यह पता चला था कि उसकी हत्या की गई है। इस हत्या के खुलासे के लिए कई टीम लगाई गई थी। जिसमें पुलिस ने मोहम्मद साजिद निवासी पुरानी पैठ डासना को गिरफ्तार किया है। साजिद की निशानदेही पर मृतक का मोबाइल, डंडा, ईंट और चाकू पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि साजिद ने 2017 में शादाब के 6 वर्षीय भांजे शोएब को गोली मार दी थी।

जीटी रोड पर दौलतपुरा से हापुड़ तिराहा तक बनेगी एलिवेटेड रोड

● हजारों वाहन चालकों को मिलेगी जाम से राहत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जीटी रोड पर जाम की समस्या के समाधान के लिए दौलतपुरा आरओबी से हापुड़ तिराहा तक एलिवेटेड रोड बनवाई जाएगी।

इसके लिए लोक निर्माण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों से वार्ता की गई है, जल्द ही केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी से मुलाकात कर इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया जाएगा। गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने बताया कि जीटी रोड शहर की सबसे पुरानी रोड है। जब वह विधायक थे, तब भी इस रोड पर जाम की समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत थे। उस वक्त यह कार्य नहीं हो सका, लेकिन अब बतौर सांसद जीटी रोड पर जाम की समस्या का समाधान कराने के लिए तेजी से प्रयास करेंगे। जीटी रोड पर सबसे ज्यादा समस्या दौलतपुरा आरओबी से लेकर हापुड़ तिराहा के बीच होती है, यहां पर कटों की संख्या भी अधिक है। एलिवेटेड रोड बनने से मोहन नगर और दिल्ली की ओर से लालकुआं की ओर आवागमन करने वाले वाहन चालकों को जाम की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा, इससे जीटी रोड पर वाहनों का दबाव कम होगा और जाम की समस्या से राहत मिलेगी। यह कार्य एनएचएआई द्वारा ही कराया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और महापौर सुनीता दयाल ने शनिवार को एयरफोर्स स्टेशन के सामने सीएम ग्रिड रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट स्कीम के तहत विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

इस परियोजना के पहले चरण में एयरपोर्ट स्टेशन से मोहन नगर चौक और करहेड़ा नाग द्वार रोड से एलिवेटेड रोड गोल चक्कर तक सड़कों को मॉडल रोड बनाया जाएगा। इसमें ड्रेनेज, बिजली के केबल और अन्य सुविधाओं को अंडरग्राउंड किया जाएगा। सड़कों के साथ डिवाइडर व फुटपाथ बनाए जाएंगे। इसमें ग्रीनरी की जाएगी। बुजुर्गों व दिव्यांगजनों के लिए बैठने के लिए बेंच और फूड स्टॉल भी होंगे। सड़कों की ऊंचाई बढ़ाई जाएगी ताकि गाड़ियों की गति धीमी हो सके।

इस परियोजना की लागत लगभग 40.14 करोड़ होगी। दूसरे चरण में इंदिरापुरम की सड़कों पर सुंदरीकरण किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि यह परियोजना शहर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे शहर साफ, सुंदर व हरा-भरा दिखाई देगा। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि यह परियोजना शहर के नाम को उत्तर प्रदेश व देश में आगे बढ़ाएगी। नगर आयुक्त ने बताया कि पहले चरण में सड़कें बनेंगी। दूसरे चरण में इंदिरापुरम योजना की सड़कों पर कार्य किया जाएगा।

वीआईपी रूट लगने से लगा जाम, बढ़ी परेशानी

● भारत मंडपम में पीएम के दौरे के चलते आईटीओ के पास लगी वाहनों की लंबी लाइन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मध्य दिल्ली के लोगों को वीआईपी रूट लगने के कारण रविवार शाम को भीषण जाम और परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अचानक दौरे के कारण यातायात थम गया, जिसके कारण मध्य दिल्ली से लेकर दक्षिणी दिल्ली जाने वाले यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा, वहीं वीआईपी मूवमेंट के कारण कई मुख्य सड़कों पर जाम की स्थिति रही।

भारत मंडपम के आसपास की सड़कों पर दोपहर और शाम के समय सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू होने के कारण अपने गंतव्य के लिए जा रहे यात्रियों को सड़क पर अपने वाहनों में बैठकर रास्ता साफ होने का इंतजार करते हुए लंबे जाम का अनुभव किया।

इस परेशानी का अनुभव कई यात्रियों ने साझा किया। एक महिला ने कहा, यातायात में बेतरतीब बदलाव होने के कारण हम मध्य दिल्ली से दक्षिणी दिल्ली का सफर कई घंटों में पूरा करना पड़ा। यात्रा जाम में फंसने के कारण बेहद तकलीफ देह साबित हुई। एक अन्य ने कहा कि इंडिया गेट के आसपास की मुख्य सड़कें जाम रहीं। उसने कहा, यह दुखद है कि हम आम लोग अचानक वीआईपी दौरे के कारण सामान्य रूप से यात्रा नहीं कर पा रहे हैं। अगर उनकी सुरक्षा और समय महत्वपूर्ण है, तो क्या हमारी भी नहीं है। पीएम मोदी ने पहल के शुभारंभ की तीसरी वर्षगांठ पर भारत मंडपम में स्थापित पीएम गति शक्ति का दौरा किया। इस साइट पर उनके अचानक दौरे के कारण प्रोटोकॉल के अनुसार शहर की सड़कों पर व्यापक सुरक्षा योजनाएं बनाई गई थीं।

एक कामकाजी पेशेवर समय पर अपने कार्यालय नहीं पहुंच पाई क्योंकि वह भारत मंडपम के सामने वाली सड़क पर फंस गई और उसने शिकायत की कि एक सामान्य नागरिक के समय का कोई मूल्य नहीं है। उसने कहा, मैं एक काम पूरा करने के बाद भारत मंडपम से आईटीओ अपने कार्यालय आ रही थी।

हालांकि, मेरी कार भारत मंडपम के पास लाल बत्ती पर लगभग 20 मिनट तक फंसी रही, जबकि उसी समय ट्रैफिक पुलिस ने आईटीओ से भारत मंडपम तक यातायात का प्रवाह रोक दिया गया था। यह पूछने पर कि क्या उसका समय उतना मूल्यवान नहीं है। मुझे यह पसंद नहीं है कि नागरिकों के रूप में हम मूल्यवान नहीं हैं और जिन राजनेताओं को हमने काम करने के लिए वोट दिया है, उन्हें इस तरह का अनुचित लाभ मिलता है। उसने शिकायती लहजे में कहा, एक यात्री जो अक्सर बसों से यात्रा करता है, ट्रैफिक पुलिस ने बस स्टॉप पर अराजकता के हालात पैदा कर दिए थे, उन्होंने हमें बस में चढ़ने के लिए मुश्किल से एक मिनट दिया और बसों को उस क्षेत्र के पास एक बस स्टॉप पर जल्दी से आगे बढ़ने के लिए कहा, जहां प्रधानमंत्री का दौरा था। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब पूर्वी दिल्ली के यातायात को कम करने के लिए पुनर्विकसित प्रगति मैदान क्षेत्र में यात्रियों को ऐसी असुविधाएं हुई हों।

जी-20 जैसे बड़े आयोजनों की मेज़बानी के लिए बनाए गए भारत मंडपम में आने वाले वीआईपी लोगों के लिए अक्सर सुरक्षा उपाय किए जाते हैं, लेकिन ये उपाय यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं, क्योंकि वे घंटों तक अपने वाहनों में ही फंसे रहते हैं, जिससे उनकी आवाजाही बाधित होती है।

दशहरा बाद भी स्वच्छ हवा में सांस ले रहे लोग : गोपाल राय

● पर्यावरण मंत्री ने कहा, दिल्ली में एक्यूआई पहले से बेहतर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में दशहरा उत्सव के बावजूद लोग स्वच्छ हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे , संतोषजनक और मध्यम वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या बढ़ रही है, जो कहीं न कहीं प्रदूषण प्रबंधन में सुधार का संकेत है।

राय ने यह भी कहा कि दशहरा के बाद दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी से बाहर रहा, हालांकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शहर की वायु गुणवत्ता दोपहर 12 बजे 225 अंक के साथ खराब श्रेणी में रही थी। राय ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि हर साल दशहरा के बाद हवा की गुणवत्ता आमतौर पर खराब श्रेणी में दर्ज की जाती थी लेकिन इस साल दिल्ली में हवा साफ रही। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्ष में दिल्ली में जनवरी से 12 अक्टूबर के बीच 200 दिन अच्छी , संतोषजनक या मध्यम वायु गुणवत्ता दर्ज की गई है, जबकि 2016 में सिर्फ 109 दिन ऐसा हुआ था। राय ने कहा कि यह प्रदूषण प्रबंधन में प्रगति का एक संकेत है। उन्होंने इस सुधार का श्रेय दिल्ली सरकार के प्रयासों और जनता के समर्थन को दिया। राय ने कहा कि बिना लॉकडाउन के यह हासिल करना शहर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

दिल्ली में शनिवार को दशहरे के दिन एक्यूआई 155 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। मंत्री ने दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बिगड़ने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दावे की भी आलोचना की और कहा कि पार्टी को डेटा की समीक्षा करनी चाहिए।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का कहना है कि सोमवार से दिल्ली के अंदर धूल प्रदूषण पैदा करने वालों पर किसी भी तरह की ढील नहीं बरती जाएगी। अगर कोई भी डस्ट पॉल्यूशन फैलाता हुआ पाया जाएगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर से दिल्ली सरकार द्वारा एंटी डस्ट कैंपेन शुरू किया गया है। इसके तहत मैंने खुद कई निर्माण साइटों का निरीक्षण किया और वहां नियमों का उल्लघंन होता पाया। इसके बाद मैंने दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर काम कर रहीं 120 निर्माण एजेंसियों के साथ दिल्ली सचिवालय में बैठक कर उन्हें नियमों की विस्तृत जानकारी दी है। मेरा सभी से निवेदन है कि वायु प्रदूषण के खिलाफ इस ल?ाई में सभी लोग दिल्ली सरकार का सहयोग करें और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की मुहिम में सहभागी बनें।

गोपाल राय ने कहा कि मैंने 30 अगस्त को सबसे पहले केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को चिट्ठी लिखी थी कि एनसीआर राज्यों की एक संयुक्त मीटिंग बुलाई जाए। बैठक में आईआईटी कानपुर समेत अन्य एक्सपर्ट्स, संबंधित विभागों को भी बुलाया जाए, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया है और भाजपा भी चुप है। इसके बाद मैंने 10 अक्टूबर को दोबारा केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को चिट्ठी लिखी है। उसका भी जवाब नहीं आया है। मेरा उनसे निवेदन है कि आपकी व्यवस्तता बहुत ज्यादा है, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री होने के नाते दिल्ली के लोगों को प्रदूषण की लड़ाई में सहयोग करना आपकी भी जिम्मेदारी है। इसलिए हम निवेदन कर रहे हैं कि अगर बारिश की वजह से प्रदूषण का स्तर सुधर रहा है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए बनाया कृत्रिम घाट

नई दिल्ली। आप सरकार के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग ने मां दुर्गा की मूर्तियों के पर्यावरण अनुकूल विसर्जन के लिए नेहरू प्लेस और गुलाबी बाग में विस्तृत व्यवस्था की।

दिल्ली सरकार ने आस्था कुंज में मां दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन हेतु कृत्रिम घाट के निर्माण के साथ-साथ श्रद्धालुओं के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं रोशनी के लिए लाइटों की व्यवस्थाएं तथा पानी की व्यवस्था का पर्याप्त इंतजाम किया। मां दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन हेतु दो जेसीबी मशीनों की व्यवस्था भी दिल्ली सरकार की ओर से की गई, ताकि सभी श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के मां दुर्गा की बड़ी-बड़ी मूर्तियों का विसर्जन भी आसानी से और पूरी श्रद्धा के साथ कर सकें।

गुलाबी बाग में कृत्रिम तालाब में मां दुर्गा की मूर्तियों का पर्यावरण अनुकूल विसर्जन किया गया। फोटो: रंजन डिमरी

महिला से यौन शोषण मामला

आप-उपराज्यपाल के बीच बढ़ी तकरार

उपराज्यपाल आवास की तरफ जाती विधायक राखी बिडलान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आप की महिला प्रतिनिधिमंडल से नहीं मिले एलजी

महिला डॉक्टर के साथ यौन शोषण के आरोप पर मेडिकल सुपरिटेंडेंट (एमएस) पर एफआईआर और उसकी गिरफ्तारी की मांग लेकर दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्ष राखी बिड़लान के नेतृत्व में आप का महिला प्रतिनिधिमंडल रविवार को एलजी से मिलने पहुंचा, लेकिन उन्होंने मुलाकात नहीं की।

राखी बिड़लान ने कहा कि एलजी पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया। राखी ने कहा कि एलजी निवास के बाहर घंटों खड़े रहे, लेकिन हमसे मिलने कोई नहीं आया। महिला डॉक्टर का बीते एक साल से शोषण हो रहा है। उसकी गुहार सुनने के बजाय उसका तबादला कर दिया गया। इस दौरान विधायक धनवती चंदेला, प्रीति तोमर, वंदना कुमारी, भावना गौड़ के साथ आम आदमी पार्टी की महिला पार्षद मौजूद रहीं। उपाध्यक्ष राखी बिड़लान ने कहा कि यह बहुत शर्म और हैरानी की बात है कि आज दिल्ली की चुनी हुई महिला प्रतिनिधि एलजी साहब को पहले से सूचना देकर उनके आवास पर मिलने पहुंची। उन्होंने कहा कि आज जब हम पीड़ित महिला डॉक्टर की आवाज बुलंद करने, हिम्मत बढ़ाने और दुर्व्यवहार करने वाले की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पहुंचे तो हमें रोकने के लिए सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

वांगचुक समेत 21 हिरासत में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● लद्दाख भवन के बाहर पुलिस बल तैनात

दिल्ली पुलिस ने रविवार को यहां लद्दाख भवन के बाहर प्रदर्शन करने को लेकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और 20 अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।

अधिकारियों ने बताया कि वांगचुक और उनके साथ अनशन कर रहे करीब 20 से 25 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है एवं उन्हें मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया। मौके पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दलील दी कि वे प्रदर्शन नहीं कर रहे थे बल्कि शांतिपूर्वक बैठे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के पास लद्दाख भवन के बाहर बैठने की अनुमति नहीं है। उन्होंने जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए अर्जी दी है। उस विचार किया जा रहा है। हमने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है । वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर अपने समर्थकों के साथ लेह से दिल्ली आए हैं। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर को सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया था।

12 वित्त पोषित कॉलेजों की तीसरी किस्त को मंजूरी

● तीसरी तिमाही में लगभग सौ करोड़ रुपये जारी किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आप सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के अपने वित्तपोषित कॉलेजों के लिए तीसरी तिमाही में भी लगभग 100 करोड़ रुपये जारी किए हैं। मुख्यमंत्री आतिशी ने इन 12 वित्तपोषित कॉलेजों की तीसरी तिमाही की किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी है।

बता दें कि आप सरकार की ओर से दावा किया गया है कि इन वित्तपोषित कॉलेजों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 400 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। आप सरकार के आने के बाद से इन कॉलेजों को दिए जाने वाले

बजट में 3 गुणा से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि जबसे दिल्ली में केजरीवाल के नेतृत्व की सरकार आई है। हर साल बजट में शिक्षा को सबसे बड़ा हिस्सा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि स्कूलों के साथ-साथ आप सरकार ने उच्च शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया और तीन नई यूनिवर्सिटी खोली और मौजूदा यूनिवर्सिटीज का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की उच्च शिक्षा में दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णत: वित्तपोषित 12 दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2014-15 में इन कॉलेजों को 132 करोड़ रुपये आवंटित किये गए थे। आप सरकार का आरोप है कि इन कॉलेजों में पिछले कुछ सालों से वित्तीय कुप्रबंधन के कई मुद्दे सामने आए। लेकिन, आप सरकार ने ये निर्णय लिया है कि मैनेजमेंट के कारण, एडमिनिस्ट्रेशन की गलतियों की वजह से उन कॉलेजों के शिक्षकों और विद्यार्थियों का नुकसान नहीं होना चाहिए।

बता दें कि दिल्ली सरकार द्वारा फंड जारी करने से उनके रुके हुए वेतन, मेडिकल बेनिफिट, पेंशन बेनिफिट के जो बिलों का भुगतान रुका हुआ था वह अब हो सकेगा।

मूर्ति विसर्जित करते समय डूबने से किशोर की मौत

नई दिल्ली। न्यू अशोक नगर इलाके में मूर्ति विसर्जित करते समय नहर में डूबने से किशोर की मौत हो गयी, शव को नहर से निकाल लिया गया था। रविवार को खिचड़ी पुर, निकट विशाल मेगा मार्ट निवासी सोनू (17) पुत्र रविंद्र भी कोंडली नहर पर काली माता की मूर्ति विसर्जित करने पहुंचा था, मूर्ति विसर्जित करते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया ओर डूब गया जिस वजह से उसकी मौत हो गई। गौरतलब है सोनू अपनी दो बहनो का इकलौता भाई था । घटना की जानकारी पुलिस को दी गई थी, जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंचकर जांच में जुटी। बोट क्लब इंचार्ज हरीश कुमार ने बताया सोनू के डूबने की कॉल आई थी।

मेला देखने जा रहे दो भाइयों पर चाकू से हमला

● एक की मौत, दूसरा घायल, हमलावर फरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हर्ष विहार इलाके में दो भाइयों को बाइक सवार तीन युवकों को नसीयत देना महंगा पड़ा। मामले में एक भाई को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा जबकि दूसरा भाई घायल हुआ है।

हमले के दौरान लोग तमाशबीन बनी रहे, किसी ने उनको बचाने का प्रयास नहीं किया। शनिवार को हिमांशु ओर अंकुर दो भाई दशहरा मेला देखने जा रहे थे तभी बाइक पर आ रहे तीन युवक भीड़ में तेजी से बाइक चला रहे थे। दोनों भाई बाइक

मृतक का फाइल फोटो

से बाल-बाल बचे और उन्होंने बाइक सवारों को सही से चलने की नसीहत दी। आरोपियों ने दोनों भाई अंकुर और हिमांशु पर चाकू से ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। अंकुर के छाती, पेट और जांघ पर चाकू लगे घायल हिमांशु अपने भाई को ई-रिक्शा में लेकर अस्पताल पहुंचा जहां डॉक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया जबकि हिमांशु को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक मूलरूप से डिंडू खेड़ा शामली का रहने वाला अंकुर अपने परिवार के साथ बी ब्लॉक प्रताप नगर में रहता था। उसके परिवार में पिता कृष्ण पाल मां सुनीता एक बहन और भाई हिमांशु है।

अंकुर गाजियाबाद फिटर से आईटीआई कर रहा है। हाल में ही उसकी नोएडा में एक कंपनी में जॉब लगी थी। पुलिस आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

'समाज के लिए 40 वर्षों से समर्पित है ब्रह्मकुमारी'

नई दिल्ली। ब्रह्माकुमारी एक विश्वव्यापी आध्यात्मिक आंदोलन है जो पिछले 88 वर्षों से व्यक्तिगत सुधार और विश्व नवीनीकरण के प्रति समर्पित है। आरके पुरम स्थित ब्रह्माकुमारी केंद्र की प्रभारी बीके बहन अनीता 40 वर्षों से समाज की भलाई के लिए समर्पित हैं। इस केंद्र में सभी धर्मों के 100-150 लोग नियमित रूप से ध्यान का अभ्यास करते हैं। इस अवसर पर माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारी मुख्यालय के मुख्य वक्ता बीके सूरज भाई, बीके गीता और बीके रूपेश मौजूद थे। कार्यक्रमों में योग भट्टी (ध्यान शिविर) और एक सार्वजनिक कार्यक्रम योग समस्या का समाधान के माध्यम से समस्याओं को हल करने के लिए एक परिचर्चा शामिल थी। इस कार्यक्रम से शहर के हज़ार से अधिक लोग लाभांवित हुए।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में यूनानी चिकित्सा शिविर

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की ओर से प्रेस क्लब ऑफ इंडिया नई दिल्ली में यूनानी उपचार जनता के द्वार मिशन 2025 के तहत 96 वां नि:शुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया किया गया। इसका उद्घाटन डाक्टर सैयद फारूक ने किया। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा को बढ़ावा देने में तिब्बिया कॉलेजों की भूमिका को नज़र अंदाज़ नहीं किया जा सकता। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के महासचिव डॉ. सैयद अहमद खान ने कहा कि नि:शुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर के माध्यम से यूनानी को घर घर और हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर में जिन डॉक्टरों ने मरीजों का चह्मकअप किया और अपनी सेवाएं दी। शिविर में डॉ. एहसान अहमद सिद्दीकी, डॉ. मिर्जा आसिफ बेग, डॉ. मुहम्मद अरशद , डॉ अदुस्सलाम, हकीम आफताब आलम, डॉ. शकील, डॉ. कमरुद्दीन, औसाफ मुहम्मद खान शामिल हुए।

बवाना की फैक्ट्री में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को एक फैक्ट्री में आग लग गई दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया, हमें सुबह नौ बजकर 20 मिनट पर बवाना औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-3 में एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। आग बुझाने के लिए कुल 16 दमकल गाड़ियों को भेजा गया।

नियमों को ताक पर रखकर कराये अवैध निर्माण : विजेंद्र

● नेता प्रतिपक्ष ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित अपने आवास पर नियमों की धज्जियां उड़ाकर अवैध निर्माण करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) को पत्र लिखकर इसकी जांच की मांग करेगी।

आप सुप्रीमो पर मुख्यमंत्री आवास पर अवैध निर्माण का आरोप लगाते हुए गुप्ता ने दावा किया, केजरीवाल ने अपने आवास में शामिल करने के लिए आसपास के बंगलों और फ्लैटों को ध्वस्त कर दिया, जो पूरी तरह से अवैध है। उन्होंने कहा कि लेआउट प्लान की मंजूरी के बिना सरकारी संपत्ति पर अवैध निर्माण करना किसी भी रूप में अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, न तो अधिकतम ग्राउंड कवरेज और न ही बिल्डिंग नियमों के तहत अधिकतम एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) सीमा का पालन किया गया है। गुप्ता के अनुसार, उपराज्यपाल कार्यालय ने पुष्टि की है कि 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले में किए गए संशोधनों के लिए कोई मंजूरी नहीं ली गई थी। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि आवास से सटे 45 और 47 राजपुर रोड स्थित आठ टाइप-वी फ्लैटों को ध्वस्त करके और 8-ए और 8-बी फ्लैग स्टाफ रोड स्थित दो बंगलों को मिलाकर कुल मिलाकर लगभग 25,000 वर्ग गज- मुख्यमंत्री के लिए लगभग 40,000 वर्ग गज (आठ एकड़) क्षेत्र में आलीशान शीश महल बनाया गया है। उन्होंने कहा, इन सात सरकारी संपत्तियों को मिलाने के लिए किसी सक्षम अधिकारी से अनुमति नहीं ली गई और इसलिए, ये संपत्तियां अभी भी सरकारी रिकॉर्ड में बंगला नंबर 45, 47 राजपुर रोड और 8-ए और 8-बी, फ्लैग स्टाफ रोड के रूप में दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि 6, फ्लैग स्टाफ रोड के साथ विलय होने के बावजूद, वे आधिकारिक तौर पर अलग-अलग संपत्तियों के रूप में मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आवास पर कुछ अवैध निर्माण अभी भी अधूरा है, लेकिन उजागर होने पर केजरीवाल ने आनन-फानन में काम रुकवा दिया।

केजरीवाल पर अविश्वास जताते हुए विपक्ष के नेता ने कहा, अपने बंगले का नक्शा पास न करवा पाने के बाद वे खुद को ईमानदार कैसे कह सकते हैं। केजरीवाल, जो खुद को 'पूरी तरह ईमानदार' बताते हैं और 100 करोड़ रुपये की जमीन पर 53 करोड़ रुपये खर्च करके लगभग 153 करोड़ रुपये के बंगले में रहते हैं, उन्होंने सभी नियमों और कानूनों का यथासंभव उल्लंघन किया है।

'रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करती है घुटने की गठिया'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

घुटने के उपचार में देरी और घुटने के गठिया के लक्षणों को नजरअंदाज करने के चलते रीढ़ की हड्डी भी प्रभावित होने के साथ ही सामान्य कामकाज भी प्रभावित हो सकता है।

यह बात विश्व गठिया दिवस पर मैक्स हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के प्रधान निदेशक और प्रमुख डॉ. एल तोमर का। डॉ. तोमर के अनुसार, 70 फीसदी से अधिक मामलों में ऑस्टियोआर्थराइटिस घुटने के गठिया का सबसे आम कारण है। इसमें घुटने की दोनों हड्डियों के बीच का अंतर कम हो जाता है। सामान्य तौर पर घुटने के गठिया के मरीजों में अक्सर रीढ़ की हड्डी में विकृति देखी जाती है क्योंकि जब मरीज झुके हुए पैर की विकृति के साथ चलना जारी रखते हैं तो इससे रीढ़ की हड्डी पर अधिक दबाव पड़ता है।

डॉ. एल तोमर ने गठिया की पहचान करने और शुरुआती जांच व इलाज से दीर्घकालिक परेशानियों से बचा जा सकता है। 60 फीसदी से अधिक मरीज अपने घुटने के इलाज में अंतिम चरण तक देरी करते हैं जिससे उनके घुटनों को अधिकतम सीमा तक नुकसान पहुंचता है। हम नियमित रूप से घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी की सलाह देते हैं यदि रोगी को चलने या दैनिक जीवन की गतिविधियों में कमी महसूस होती है और एक्स-रे में औसत दर्जे आर्टिकुलर स्पेस का पूर्ण या लगभग पूर्ण नुकसान दिखाई देता है।

दबंगों ने पीट-पीटकर ले ली युवक की जान

छोटा-मोटा काम कर अपना परिवार पाल रहा था सलाउद्दीन, पीटने के बाद आरोपियों ने उसे घर के बाहर ही फेंका

● दोनों आरोपियों ने पहले पीड़ित को पैसे उधार दिए, फिर उनकी शराब पी, अब मांग रहे थे वापस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद।

शनिवार देर रात फरीदाबाद के चांदपुर गांव में मात्र 500 रुपए के लिए एक सूदखोर ने गरीब व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि रुपए न चुकाने पर आरोपियों ने उस व्यक्ति पर जमकर लात-घूंसे बरसाए और फिर अधमरी हालत में उसके ही घर के बाहर फेंक दिया। इसके बाद परिजन उसे बादशाह खान सिविल अस्पताल ले गए, जहां जांच करने के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, इस मामले को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस मामले को लेकर मृतक के भाई मुस्ताक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहता है। उसका छोटा भाई सलाउद्दीन अपने परिवार को लेकर फरीदाबाद के चांदपुर गांव में लगभग 8 सालों से रह रहा था। सलाउद्दीन किसी तरह से छोटा-मोटा काम कर अपना और अपने बच्चों का पालन पोषण करता था। मृतक के भाई ने बताया कि उनके पास शनिवार रात लगभग 9 बजे फोन आया। फोन पर उन्हें बताया गया कि किसी ने उनके छोटे भाई सलाउद्दीन को मारपीट कर उसी के घर के आगे फेंक दिया है। सूचना मिलते ही वह तुरंत फरीदाबाद पहुंचे।

भाई के मुताबिक, सलाउद्दीन के बच्चों ने उन्हें बताया कि गांव के ही रहने वाले पवन नाम के युवक और उसके एक साथी ने मिलकर उसके पिता को केवल 500 रुपये के लिए पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। पवन ने सलाउद्दीन को 500 रुपए उधार दिए थे, लेकिन उन्हीं पैसों की पवन और उसके दोस्त ने शराब पी ली और सलाउद्दीन से वह पैसे वापस मांग रहे थे।

जालिमों ने छीन लिया मासूमों के सिर से पिता साया

जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम को पवन ने सलाउद्दीन को उनके घर से बुलाया और अपने साथ ले गया। इस दौरान उनके साथ एक अन्य युवक भी था। इसके बाद दोनों ने मिलकर सलाउद्दीन को बुरी तरह पीटा और अधमरी हालत में उसी के घर के आगे फेंक आए। इसके बाद दोनों आरोपी वहां से फरार हो गए। मुस्ताक ने बताया कि सलाउद्दीन की 4 बेटियां और 2 बेटे हैं और घर में कमाने वाला एकमात्र सलाउद्दीन ही था। वहीं, पुलिस ने परिजनों के शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करते ही शनिवार रात को दबिश देकर आरोपी पवन को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल उसका साथी अभी फरार चल रहा है। पुलिस का कहना है जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लोगों को आकर्षित कर रहा सरस मेला

● देश के 25 राज्यों से आए हैं सैकड़ों हस्तशिल्प कलाकार

सेक्टर-29 में सरस मेले में पहुंचे अलग-अलग राज्यों के सदस्य।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के लेजर वैली मैदान में रविवार को सरस आजीविका मेला-2024 का आगाज हुआ। शहर में 29 अक्टूबर तक जारी रहने वाले इस मेले में देश भर से विभिन्न राज्यों के स्वयं सहायता समूहों के द्वारा तैयार किए गए बेहतरीन उत्पादों की खरीदारी की जा सकती है।

केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय और पंचायत एवं विकास विभाग के सहयोग से आयोजित किए गए सरस मेले की व्यवस्था उपायुक्त निशांत कुमार यादव तथा पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा की देखरेख में की गई है। मेले में बनाए गए फूड कोर्ट में गुजरात, हिमाचल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों के व्यंजनों का स्वाद चखा जा सकता है। इस फूड कोर्ट में लखपति दीदियों ने करीब 25 राज्यों के व्यंजनों का स्वाद लोगों को चखाया। फूड कोर्ट में 50 लाइव खाने की दुकान लगाई गई हैं। जिसमें राजस्थनी गट्टे की सब्जी, कैर सांगरी, बंगाल की फिश करी, तेलंगाना का चिकन, बिहार का लिट्टी चोखा, पंजाब का सरसों का साग व मक्के की रोटी सहित पूरे भारत के स्वादिष्ट पकवान बनाए जा रहे हैं।

सरस आजीविका मेला गुरुग्राम सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के हजारों की संख्या में लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

दर्शकों की कैश की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाइल एटीएम रखा गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आगजनी से सुरक्षा के लिए 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और अग्निशमन विभाग की मोटरसाइकिलें तैनात की गई हैं। आगजनी से कोई नुकसान ना हो, इसके लिए अग्निशमन की टीम द्वारा दिन में दो बार मॉक ड्रिल की जाएगी।

कोई जानकार मैसेज या कॉल करके पैसे मांगे तो उसे पलटकर फोन जरूर करें: उपायुक्त

● साइबर ठग एआई के माध्यम से जानकार बनकर भी कर रहे हैं ठगी

● ठगी होते ही तुरंत 1930 नंबर डायल करके दें सूचना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोशल मीडिया के दौर में ठगों ने भी ठगी का तरीका बदल लिया है। अब ऑनलाइन मैसेज भेजकर या फिर आपको कॉल करके साइबर ठग ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। डीसी निशांत कुमार यादव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे ऐसे मामलों की तत्काल सूचना देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क सकते हैं। हेल्पलाइन 1930 आपकी ढाल बनकर काम करेगा।

एआई तकनीक के माध्यम से ठग आपके जानकार की तस्वीर वाट्सएप अकाउंट की डीपी पर लगाकर आपसे पैसे की मांग कर सकते हैं। इसमें नंबर भी आपके जानकार का दिखेगा और फोटो भी। ऐसे में उसे पैसे देने की बजाय पहले अपने नंबर से अपने जानकार को कॉल जरूर करें। तभी साइबर ठगी होने से आप बच जाएंगे। डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि पिछले कुछ सालों से लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते क्रेज के कारण अक्सर लोग सोशल मीडिया पर बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या फिर इनामी विज्ञापनों के झांसे में आ जाते हैं। ऐसे में पहले यह सुनिश्चित कर लें कि इस्तेमाल की जा रही वेबसाइट सुरक्षित है या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर संभव है तो कोशिश करें कि ऑनलाइन साइट्स से सामान मंगवाते समय कैश ऑन डिलीवरी का ऑप्शन चुनें, ताकि आपकी बैंक और कार्ड डिटेल साइबर अपराधियों के हाथ न लग सके। डीसी ने कहा कि यदि फिर भी किन्ही कारणों से आपके साथ किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो आप सबसे पहले हेल्पनाइन नंबर 1930 डायल करें। अपनी शिकायत को साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज करें। डीसी ने युवाओं से अपील की है कि वे साइबर अपराधों से सावधान रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि पहले साइबर फ्रॉड की सूचना के लिए 155260 हेल्पलाइन की सुविधा प्रदान की गई थी लेकिन अब केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उपरोक्त नंबर की जगह 1930 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

14 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

गुरुग्राम। अदालत में लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 14 दिसंबर को जिला गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। वादकारी उपरोक्त अदालत में सुलह समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते हैं। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सचिव रमेश चंद्र ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 14 दिसंबर को जिला गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का कोई प्रकरण न्यायालय में लंबित है तो वह लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करा सकता है।

चुनावी परीक्षा में भी सफल रहे कमल का बढ़ा कद

● चारों विधानसभाओं में कमल खिलाकर यादव ने दिया शानदार संगठनात्मक कौशल का परिचय

● बोले, गुरुग्राम- मानेसर नगर निगम में कमल खिलाना मेरा अगला टारगेट

भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिले की चारों सीटें भाजपा की झोली में डालकर जिला अध्यक्ष कमल यादव ने अपने शानदार संगठनात्मक कौशल का परिचय दिया है। कमल यादव का अब अगला टारगेट नगर निगम चुनाव में कमल खिलाकर शहर की छोटी सरकार बनाना है। प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के नेतृत्व में हरियाणा में भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगा दी है।

गुरुग्राम में जिला अध्यक्ष कमल यादव ने भी अपनी दूसरी चुनावी परीक्षा में सफलता का परचम लहराया और चारों विधानसभाओं को कमलमय कर दिया। कमल यादव के संगठनात्मक कौशल और कुशल नेतृत्व के कारण गुरुग्राम में भाजपा का ग्राफ भी काफी बढ़ा है। अब जिला अध्यक्ष की नजर गुरुग्राम और मानेसर नगर निगम के सभी वार्डों में कमल खिलाने पर टिकी है। जनवरी में जिला अध्यक्ष का पद संभालने के तुरंत बाद ही बिना रूके और बिना थके कमल यादव ने भाजपा को और अधिक मजबूत करने पर फोकस किया। भाजपा का ग्राफ लगातार बढ़ा। लोकसभा चुनाव के रूप में कमल यादव ने पहली चुनावी परीक्षा बड़ी सफलता से पास की। भाजपा प्रत्याशी रहे राव इंद्रजीत सिंह को विजयी होने में गुरुग्राम ने अहम भूमिका निभाई। कमल यादव का नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है कि राव इंद्रजीत सिंह विजयी होकर मोदी सरकार में तीसरी बार मंत्री बने। विधानसभा चुनाव का शंखनाद होते ही कमल यादव ने कुशल संगठनात्मक नेतृत्व के चलते चारों विधानसभाओं में कमल खिलाकर झंडे गाड़ दिए हैं। कमल यादव के सामने अब तीसरी चुनौती नगर निगम चुनाव है। उनका कहना है कि मजबूत संगठन के दम पर हम लोकसभा और विधानसभा चुनाव में सफल हुए हैं। गुरुग्राम नगर निगम और मानेसर नगर निगम में भी कमल खिलाएंगे। कमल यादव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर हम लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं।

छह दिवसीय दुर्गा पूजा के बाद हुआ मूर्ति विसर्जन

● सेक्टर-36 एवीएल सोसाइटी समेत अनेक स्थानों पर सजाए गए पंडाल

एवीएल सोसायटी में सजाई गई मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बंगाल के प्रसिद्ध उत्सव दुर्गा पूजा को गुरुग्राम में भी धूमधाम से मनाया जाता है। बंगाल के लोगों के साथ मिलकर स्थानीय लोग भी दुर्गा पूजा में भाग लेते हैं। चाहे कोई कालोनी हो या सोसायटी, हर जगह पर मां दुर्गा का भव्य पंडाल सजाया जाता है। मां दुर्गा की विशाल प्रतिमा स्थापित करके पूजा-अर्चना की जाती है।

सेक्टर-36 स्थित एवीएल सोसायटी में दुर्गा पूजा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर पार्क में भव्य पंडाल में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई थी। श्रद्धालुओं ने नियमित रूप से मां दुर्गा का पूजन किया। सिंदूर खेला समेत तमाम रस्मों की पंडाल में अदायगी की गई। मां दुर्गा का पूजन करने को महिलाएं, बच्चे, पुरुष सभी सज-धजकर पंडाल में पहुंचे। धार्मिक गीतों पर नृत्य करके मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई। इसी तरह से उत्सव सामाजिक-सांस्कृतिक ट्रस्ट द्वारा भी 6 दिवसीय दुर्गा पूजा कार्यक्रम सेक्टर-45 स्थित सामुदायिक केंद्र में आयोजित हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष अशेष दास गुप्ता व महासचिव नीलाद्री तालुकदार ने बताया कि गुरुग्राम में बंगाल मूल के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं।

दुर्गा पूजा के बाद हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्राओं ने बांधा समां

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-21 ए के सामुदायिक भवन में सर्वोजनी दुर्गा एण्ड काली पूजा समिति की ओर से गुरुवार को सप्तमी पर मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इस दौरान देर शाम आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सेक्टर-21 सी के तानसेन संगीत महाविद्यालय के छात्राओं ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का शुभारम्भ समिति के कमल सरकार और महासचिव रिपुन दास ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना के साथ ही किया।

इस अवसर पर विभिन्न म्युजिकल ग्रुपों की ओर से भी प्रस्तुतियां दी गई। कायक्रम में तानसेन संगीत महाविद्यालय के डॉयरेक्टर रवि वर्मा ने बताया कि उनकी ओर से जयपुर राजघराने के कथक गुरु रतन लाल, सहयोगी प्रीति,प्रबंधक ज्योति व रूबी ने बच्चों का मार्ग दर्शन किया। इस दौरान गायन में सरस्वती वंदना, दुर्गा राग और नृत्य में उमिका जैन और श्रेया भट्ट ने राधा रानी की मनमोहक प्रस्तुति दी। ग्रुप डांस में मितवा, गरबा और कथक ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। समिति के प्रधान कमल सरकार ने बताया कि 12 अक्तूबर को सुबह सवा दस बजे महादसवीं का पूजन होगा।

संक्षिप्त समाचार

मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि सादगी से मनाई

फरीदाबाद। फरीदाबाद में समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व रक्षामंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि सादगी के साथ मगर उत्साहपूर्वक मनाई गयी और सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके दिखाए संघर्ष के मार्ग पर चलकर समाजवादी आंदोलन को म ?बूत करने व उनके मूल्यों व सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया ढ इस अवसर पर सपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी, समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर सभा के राष्ट्रीय सचिव विक्की सलूजा, इनेलो नेत्री जगजीत पन्नू, जिलाध्यक्ष अरुण यादव, समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष सतपाल यादव, मुलायम यूथ ब्रिगेड राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शिवम यादव, वरिष्ठ नेता अनिल यादव, मुकेश यादव, समय सिंह पांचाल, बंटी कश्यप आदि उपस्थित थे ढ सभी ने दिवंगत नेता जी को मंत्रोच्चारण के साथ पुष्प अर्पित किये और उन्हें भाव भीनी श्रद्धांजलि दी ढ

रक्तदान शिविर सम्पन्न, 41 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

पलवल। श्री वैश्य अग्रवाल सभा की युवा इकाई द्वारा रविवार को दोपहर दो बजे तक ओमेक्स सिटी फेस 1 स्थित महाराजा अग्रसेन सेवा सदन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 41 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में पंचवटी के महंत श्री ऋषिदास मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव बिजेन्दर सोरोत तथा अपना ब्लड बैंक के निदेशक डॉ प्रशांत गुप्ता रहे। कार्यक्रम श्री वैश्य अग्रवाल सभा की युवा इकाई के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने की जबकि संचालन दिनेश अग्रवाल ने किया। जिला केमिस्ट एसोसिएसन द्वारा सहयोगी संस्था के रूप में सहयोग किया। कार्यक्रम संयोजक रवि गुप्ता तथा सहयोगी विनोद जिंदल ने बताया की की शिविर बेहद सफल रहा और अंत तक रक्तदाता आते रहे। कार्यक्रम में सभा के महामंत्री शैलेंदर सिंगला, देवेन्द्र गुप्ता,धनश्याम सिंगला, यशपाल मंगला,महेन्द्र शास्त्री,जय श्री जिंदल,कविता मंगला, पूनम बंसल,संजय गुप्ता, चन्दीराम गुप्ता,डॉ अशोक सिंगला,के एल गुप्ता,जितेंदर गुप्ता,अनुभव मंगला, गुलशन गोयल,अनिल बंसल अमरु वाले, जितेंदर चावला,शिवराम,विरेनद्र पाल सिंह, कुलदीप शर्मा, बन्शीधर मखिजा आदि हस्तियों ने सहयोग प्रदान किया। सभा के सचिव शैलेंदर सिंगला ने बताया गुरुवार को स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता 10 बजे प्रात: एवं मेहँदी रचे हाथ प्रतियोगिता 11 बजे प्रात: महाराजा अग्रसेन सेवा सदन,ओमेक्स सिटी फेस -1,में कराई जायेगी।

श्रीराम लीला समिति ने मनाया दशहरा पर्व

● केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रहे उपस्थित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रीनफील्ड कॉलोनी स्थित श्री रामलीला दशहरा समिति ने रामलीला व दशहरा पर्व का आयोजन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। गुर्जर का दशहरा समिति के अध्यक्ष अजय गोयल, संयोजक अशोक गोयल, महामंत्री बिट्टु बिंदल, कोषाध्यक्ष अरविंद यादव, योगेश बिंदल, प्रतीक आहूजा, नीरज कंसल, सुरेंद्र अग्रवाल, अनीता शर्मा, आकाश गुप्ता, शुभम अग्रवाल, हरीश गुप्ता व अन्य व्यक्तियों ने स्वागत किया।

समिति के सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। गुर्जर ने पर्व के आयोजकों की प्रशंसा की तथा जनसमूह को श्री राम जी के आचरण पर चल कर अपना जीवन सफल बनाने की प्रेरणा दी। श्री गुर्जर ने कॉलोनी वासियों विजय दशमी की बधाई एवं दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

दशहरा समिति के अध्यक्ष अजय गोयल ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन पहले से भी बड़ा और भव्य था। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं है, बल्कि युवा पीढ़ी को हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना है। दशहरा में स्थानीय निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान भारी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की सफलता को और भी यादगार बना दिया।

राम-भरत मिलाप देख भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

● श्री सिद्धपीठ हनुमान मंदिर ने निकाली शोभायात्रा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर 1 एवं पंजाबी सभा द्वारा 74वें दशहरा पर्व के धूमधाम से सम्पन्न होने के उपरांत जहां भव्य शोभायात्रा निकाली गई वहीं राम-भरत मिलाप का मनमोहन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंदिर के प्रधान राजेश भाटिया व पंजाबी सभा के प्रधान राज कुमार वोहरा ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में पूर्व विधायक चंद्र भाटिया मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा विधायक धनेश अदलक्खा ने की। पूर्व विधायक चंद्र भाटिया व विधायक धनेश अदलक्खा ने शोभायात्रा में शामिल होकर कलाकारों की हौंसला अफजाई की और इस मनमोहन दृश्य को देख भाव विभोर हो गए। इस दौरान आशीष अरोड़ा राम, मनोज शर्मा लक्ष्मण, जतिन गांधी भरत, राजा भाटिया शत्रुघ्न, दीया गुलाटी सीता माता, गौरव गुलाटी हनुमान तथा कुलदीप सिंह गणेश भगवान की वेशभूषा में वास्तविक रुप में लग रहे थे।

आरडब्ल्यूए साऊथ ईस्ट ब्लॉक ने भी धूमधाम से मनाया पर्व

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रैजीडेंस वेलफेयर एसोसिएशन साऊथ ईस्ट ब्लॉक सेक्टर-9 ने दशहरा शानदार तरीके से मनाया। इस मौके पर प्रधान जितेन्द्र अधाना, महासचिव अरूण चंदीला, उपप्रधान हरेन्द्र चंदीला और रविन्द्र राठौर, कोषाध्यक्ष विकास यादव, पुरूषोत्तम सैनी रैडक्रास असिसटैंट सैकेटरी, वरिष्ठ भाजपा नेता बलजीज चौधरी, बीसी उपरेती, जेडी देवगन, सचिन आहूजा, रवि चतुवैदी, संतोष डागर, अशोक वधवा,कृष्ण विमल, एमएम अरोड़ा, पीडी खटटर व एनके शर्मा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर जितेन्द्र अधाना और उनकी टीम ने जैसे रावण के आर्कषक पुतलों का आग लगाई चारो और जय श्री राम,जय श्री राम के जोरदार नारे लगने लगे और बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। रावण दहन के सफल आयोजन के लिए जितेन्द्र अधाना ने अपनी टीम और खासकर लोगों का तहे दिल से धन्यवाद किया।

बाइक रैली निकालकर पुलिस ने किया जागरुक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

साईबर ठग लोगों से ठगी करने की वारदात को अंजाम देने में इसलिए कामयाब हो जाते है, क्योंकि लोगों में जागरुकता की कमी है। यह साईबर ठगी का मुख्य कारण भी है। लोगों को डिजिटल सेवाओं का प्रयोग अच्छी तरह से करना नहीं आता, जिनका फायदा उठाकर साईबर ठग लोगों को अपना शिकार बनाते है।

पुलिस द्वारा आए दिन नए-नए प्रकार के साईबर अपराधों को मद्देनजर रखते हुए नियमित रूप से लोगों को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया करती है। इसी कड़ी में रविवार को प्रियांशु दीवान सहायक पुलिस आयुक्त साईबर अपराध ने पुलिस थाना साईबर अपराध पूर्व, गुरुग्राम व बीएचपी मोटरबाईक्स ग्रुप, गिव-बैक-टू गुरुग्राम, ब्लू बेल्स स्कूल, लेबरनम स्कूल, पेटीएम और सीएसओ के सहयोग से साईबर हब में साईबर अपराध जागरुकता सत्र का आयोजन किया गया। सबसे पहले साईबर पुलिस थाना पूर्व से साईबर हब तक 200 मोटरबाईक्स से बाईक रैली निकाली गई, जो लोगों के आकर्षक का केन्द्र बनी।

बाइक रैली के दौरान पुलिस अधिकारी।

सैनी ने शपथ से पहले ही शुरू किया जनता दरबार

शपथ ग्रहण के तुरंत बाद अफसरशाही में होगा फेरबदल, संत कबीर कुटीर पर लग रहा बधाई देने वालों का तांता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही सक्रिय हो गए हैं। चुनाव परिणाम के बाद कई दिनों तक दिल्ली दरबार में बैठक करने के बाद शनिवार को देर रात चंडीगढ़ लौटे नायब सैनी ने रविवार से जनता दरबार शुरू कर दिया।

चुनाव परिणाम के बाद रविवार को पहली बार चंडीगढ़ में थे। रविवार को सुबह संत कबीर कुटीर मुख्यमंत्री आवास पर न केवल मुख्यमंत्री को बधाई देने वालों का तांता लग रहा है, बल्कि मुख्यमंत्री ने जनसमस्याएं सुननी भी शुरू कर दी हैं। नायब सैनी भी सीएम आवास पर पहुंचने वाले आगंतुकों का दिल खोल अभिवादन किया।

नायब सैनी की खासियत मिलनसार व्यक्तित्व की है, उसे साधते हुए नायब सैनी सीएम आवास पर पहुंचने वाले लोगों ने खुलकर संवाद कर रहे हैं और सीएम आवास पर

चंडीगढ़ में जनता दरबार में लोगों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

पहुंचे आगंतुक भी खुश होकर लौट रहे हैं। पहले कार्यकाल में नायब सैनी 56 दिन मुख्यमंत्री रहे। 56 दिन के कार्यकाल में नायब सैनी ने 126 घोषणाएं की है। अब इन घोषणाओं को मुख्यमंत्री नायब सैनी मूर्तरूप देंगे। यही नहीं डबल इंजन की सरकार में विकास कार्य भी रफ्तार पकड़ेंगे। नई सरकार के गठन के साथ ही राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े स्तर पर बदलाव की संभावना है। सबसे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में अधिकारियों का फेरबदल होगा। इसके साथ ही जिला उपायुक्तों और महत्वपूर्ण विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव व निदेशक स्तर के अधिकारियों को भी बदले जाने की संभावना है। सीएमओ में अब तक पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद के अधिकारियों को रखा गया था, लेकिन अब मुख्यमंत्री नायब सैनी अपनी पसंद के अधिकारियों को अहम पदों पर नियुक्ति देंगे।

यही नहीं, प्रशासनिक सचिवों के साथ विभागों के प्रमुख और जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अधिकारियों में फेरबदल होगा।

सीएम को बधाई देने वाले गोहाना की जलेबी लेकर पहुंच रहे

हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्ष की ओर से गोहाना की जलेबी की चाशनी में राजनीति को चमकाने की कोशिश की गई। खुद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गोहाना की जलेबी के बड़े कारखाने लगाने का दावा किया था, लेकिन भाजपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है। ऐसे में गोहाना की जलेबी खूब ट्रोल हो रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाकायदा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जलेबी भिजवाई है। यही नहीं सीएम आवास पर मुख्यमंत्री को बधाई देने के लिए पहुंचने वाले आगंतुक गोहाना की जलेबी लेकर पहुंच रहे हैं। बता दें कि सोनीपत जिले में गोहाना की जलेबी देशभर में मशहूर है।

रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई कॉनफ्लुएंस 24 के दूसरे दिन की शुरुआत

कुरुक्षेत्र। कॉन्फ्ल्यूएंस के दूसरे दिन एनआईटी कुरुक्षेत्र के छात्रों और दर्शकों ने प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद उठाया। दिन भर चले आयोजनों में जोश और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। दूसरे दिन की शुरुआत रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई। जुबली हॉल में डुएट डांस, मोनो एक्ट, सोलो डांस, और एकांकी (नाट्य प्रतियोगिता) जैसी प्रतियोगिताओं ने समा बांधा, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी संवाद अदायगी और अभिनय क्षमता से सभी को प्रभावित किया। दूसरी ओर, आपकी संसद और अधिकारिक जैसी प्रतियोगिताएँ भी जारी रहीं, जहाँ छात्रों ने अपने वाक्चातुर्य और तर्क क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। खेलकूद पसंद करने वालों के लिए गली क्रिकेट, लीग ऑफ फन, और ट्रेजर हंट जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत रैप बैटल से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनूठे अंदाज में मंच पर अपना हुनर दिखाया।

स्टॉक मार्केट में निवेश कराने के नाम पर ठगी, एक दबोचा

- आरोपी के कब्जे से बैंक खातों की 25 पासबुक व 40 सिमकार्ड बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्टॉक मार्केट में निवेश कराने के नाम पर ठगी करने का एक आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सितंबर 2022 में यह शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायत के एक साल बाद तक थाना साईबर अपराध पुलिस ने जांच करके केस दर्ज किया था।

जानकारी के अनुसार 13 सितंबर 2022 को पुलिस थाना साईबर अपराध पूर्व, गुरुग्राम में एक व्यक्ति ने शिकायत देकर कहा था कि स्टॉक मार्केट में निवेश कराने के नाम पर उसके साथ ठगी हुई है। उसकी शिकायत की जांच के एक साल बाद 24 सितंबर 2023 को थाना साईबर अपराध पूर्व, गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया।

सहायक पुलिस आयुक्त साईबर अपराध, गुरुग्राम प्रियांशु दीवान के निर्देशानुसार कार्य करते हुए निरीक्षक नवीन कुमार, प्रबंधक थाना पूर्व, गुरुग्राम की पुलिस टीम ने पुलिस तकनीक की सहायता से जांच-पड़ताल की। आरोपी को सिरसा से काबू करने में सफलता हासिल की है।

आरोपी की पहचान शेर सिंह निवासी पटेल बस्ती बेगू रोड, जिला सिरसा के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला है कि यह अपने साथी के साथ बैंक में खाता खुलवाने का काम कर रखा है और इसके साथी ने ऑफिस किया हुआ है। यह बैंक खाता खुलवाकर अपने साथी को उपलब्ध करवाता था। इसका साथी उन बैंक खातों को आगे साईबर ठगों को उपलब्ध करवाता है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जा से 25 बैंक खातों की पास बुक व 40 सिम कार्ड बरामद किए गए है।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उससे और भी खुलासे हो सकते हैं।

भाजपा विधायक दल की बैठक 16 को

- पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नायब सैनी चुने जाएंगे नेता
- भाजपा अध्यक्ष ने सभी विधायकों को दो दिन के लिए चंडीगढ़ बुलाया

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में नई सरकार के गठन की तैयारी हो चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सैनी व मंत्रियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम तय होने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ने 16 अक्टूबर को चंडीगढ़ में विधायक दल की बैठक बुला ली है। इस बैठक में पार्टी द्वारा भेजे जाने वाले पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

तीसरी बार सरकार बनने के बाद 17 अक्टूबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की सफलता को लेकर भाजपा द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। रविवार को दिन भर पंचकूला में पार्टी के आला नेताओं की बैठक चलती रही। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले नेताओं को लगातार निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। दूसरे राज्यों के जिन मुख्यमंत्रियों की स्वीकृति आ चुकी है उनके अनुसार यहां पर प्रबंध किए जा रहे हैं। भाजपा सूत्रों के अनुसार अभी तक असम, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के मुख्यमंत्रियों की स्वीकृति आ चुकी है। केंद्रीय मंत्रियों का कार्यक्रम मंगलवार तक पहुंचेगा। समारोह स्थल पर प्रोटोकॉल के अनुसार बैठने की व्यवस्था की जाएगी। इसे लेकर आज दिनभर पुलिस के आला अधिकारियों ने जहां समारोह स्थल का दौरा किया वहीं भाजपा नेताओं के साथ भी बैठकें की। इस बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने 16 अक्टूबर को चंडीगढ़ में भाजपा विधायक दल की बैठक बुला ली है। इस बैठक में सभी 48 विधायकों को शामिल होने के लिए कहा गया है। भाजपा मुख्यालय द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सभी विधायक दो दिन के लिए चंडीगढ़ में प्रवास करेंगे। जिसकी व्यवस्था वह करके आएं। 16 अक्टूबर को विधायक दल की बैठक की जाएगी। जिसमें पार्टी द्वारा भेजे जाने वाले वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में नायब सैनी को भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद नायब राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

सिद्दीकी की हत्या में गिरफ्तार आरोपी का रहा है आपराधिक अतीत: पुलिस

चंडीगढ़। राकांपा के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपियों में से एक हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह का आपराधिक अतीत रहा है, जिसमें उसके खिलाफ हत्या का एक मामला भी शामिल है। पुलिस के अनुसार सिंह (23) के परिवार ने कहा कि उन्होंने 11 साल पहले उससे नाता तोड़ लिया था। परिवार ने उसके कृत्य के लिए कड़ी सजा की मांग की है। मुंबई पुलिस ने दो कथित हमलावरों हरियाणा निवासी सिंह और उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीसरा आरोपी शिव कुमार फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि तीनों के खिलाफ हत्या समेत कई धाराओं के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नायब सैनी के साथ दस मंत्री ले सकते हैं शपथ

- तीन से चार पदों को रखा जाएगा खाली
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में तैयार हुआ सौ दिन का रोडमैप
- नई सरकार में नंबर दो की हैसियत से रहेंगे विज

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में नई सरकार के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम अधिकारिक रूप से जारी होने के साथ ही मंत्रिमंडल के गठन को लेकर भी सक्रियता तेज हो गई है। शुक्रवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों को छोड़कर दिल्ली पहुंचे कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी की देररात केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा हरियाणा के चुनाव प्रभारी रहे केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ मुलाकात हुई।

इस मुलाकात के बाद मनोहर लाल तथा नायब सैनी गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। यह बैठक देररात तक चलती रही। सूत्रों की मानें तो इस बैठक में गृहमंत्री अमित शाह के साथ नायब सरकार के सौ दिन के रोड मैप तथा मंत्रिमंडल के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई है। हरियाणा विधानसभा में विधायकों की संख्या के अनुसार मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

इसे लेकर देररात तक चली बैठक में जातिगत तथा क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखकर मंथन किया गया है। मौजूदा विधायकों में से कौन-कौन मंत्री बन सकता है इसके बारे में अभी अटकलें ही हैं। अंबाला लोकसभा हलके से भाजपा को केवल कालका व अंबाला छावनी सीटों पर जीत हासिल हुई है। ऐसे में वरिष्ठता के आधार पर अनिल विज को मंत्री बनाने तथा प्रोटोकॉल के अनुसार उन्हें सीएम के बाद नंबर दो का स्थान दिए जाने की चर्चा है लेकिन नायब सरकार के पिछले कार्यकाल को देखते हुए इसके संभावनाएं कम हैं। सूत्रों की मानें तो अनिल विज को मंत्री बनाए जाने पर चर्चा तो हुई है लेकिन अभी तक ठोस फैसला नहीं हुआ है।

माना जा रहा है कि नायब सैनी अपने पुराने मंत्रिमंडल के साथी महीपाल ढांडा व मूलचंद शर्मा को पहले ही शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री बना सकते हैं। नई सरकार में जींद जिले से कृष्ण मिड्ढा को मंत्री बनाकर पंजाबी समुदाय को प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में मंत्री रहे कृष्ण बेदी की फिर से लॉटरी लग सकती है। इसके अलावा गोहाना से अरविंद शर्मा, गुरुग्राम जिले की बादशाहपुर सीट से जीते राव नरबीर, फरीदाबाद जिले से विपुल गोयल, लक्ष्मण यादव, श्रुति चौधरी व कृष्णा गहलोत में से किसी एक को मंत्री बनाए जाने को लेकर मंथन चल रहा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार बीती रात हुई बैठक में मंत्रियों के नाम पर चर्चा की गई है। इस बारे में अंतिम फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बैठक के बाद ही लिया जाएगा।

सैटेलाइट से फसल अवशेषों पर रखी जा रही नजर: डीसी

- पराली जलाने की सूचना मिलते ही तुरंत खेतों में जाकर कार्रवाई कर रहे अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। कुरूक्षेत्र

उपायुक्त राजेश जोगपाल ने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन पर सैटेलाईट के माध्यम से आगजनी की घटनाओं पर पैनी नजर रखी जा रही है। यदि कोई किसान अपने खेतों में पराली में आग लगाता है तो तुरंत इसकी सूचना सैटेलाईट के माध्यम से अधिकारियों के पास पंहुच जाती है, जिस पर अधिकारी तुरंत खेतों में पंहुचकर कार्यवाही कर रहे हैं।

उपायुक्त ने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन पर नियुक्त किए गए अधिकारियों को आगजनी के मामलों पर कार्यवाही करने के सख्त दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि किसानों की भूमि की उपजाउ शक्ति नष्ट न हो, मित्र कीटों को नुकसान न पंहुचे, राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके तथा भविष्य में बच्चों व आमजन के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव न पंहुचे इसके लिए एनजीटी के दिशा-निर्देश जारी कर पराली में आग न लगाने बारे आदेश जारी कर दिए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि किसानों को जागरूक करने एवं आगजनी की घटनाओं की मॉनिटरिंग हेतु सम्बंधि उपमंडल अधिकारी नागरिक की अध्यक्षता में उपमंडल वाईज टीम गठित की गई हैं, जिसमें तहसीलदार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, उपमंडल अधिकारी पंचायती राज, सम्बंधित थाना प्रभारी एवं कृषि विभाग के अधिकारी शामिल हैं।

सभी 417 गांवों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए गए हैं। सभी खंड स्तरों पर 4 सदस्यीय अधिकारियों की टीमों का गठन कर दिया गया है, जिसमें कृषि विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी शामिल किए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि यदि कोई किसान अपने खेतों में पराली में आग लगाता है तो उसकी सूचना सीधे राजस्व विभाग के माध्यम से पटवारियों को भेजकर उनके फार्म रिकार्ड में रैड एंट्री दर्ज करने के बारे आदेश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक जिला कुरूक्षेत्र में 40 किसानों पर एक लाख रूपए तक का जुर्माना लगाया जा चुका है तथा 11 किसानों के फार्म रिकार्ड में रैड एंट्री दर्ज की जा चुकी है।

'विकास कार्यों को जल्द पूरा करें अधिकारी'

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

- पीडब्ल्यूडी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ बैठक में सख्त हुए तिगांव विधायक राजेश नागर

भाजपा विधायक राजेश नागर ने दोबारा निर्वाचित होने के बाद एक्शन तेज कर दिया है। उन्होंने आजसैक्टर 16 स्थित रेस्ट हाउस में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को चल रहे विकास कार्यों को तेज गति देने के निर्देश दिए वहीं ठेकेदार की भी जमकर क्लास ली।

विधायक राजेश नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं विधानसभा स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में किसी के भी खिलाफ शिकायत पर सख्त कार्रवाई तय है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से विकास कार्यों को करने में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं है तो आप लोगों के स्तर पर होने वाली किसी भी कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नागर ने कहा कि भतोला से तिगांव तक बनाई जा रही फोरलेन रोड का काम अगले दो हफ्ते में पूरा करके दिया जाए जिससे कि लोगों को विकास कार्य का लाभ मिल सके। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी के सभी कार्य को जल्द से जल्द पूरा करें जिससे कि नए कार्यों को टेंडर में लगवाया जा सके। नागर ने कहा कि हमारी सरकार विकास को पसंद करने वाली सरकार है, जनता को उनके अधिकार देने वाली सरकार है। ऐसे में किसी प्रकार की रुकावट को किसी भी प्रकार से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मंझावली पर बन रहे पुल के काम की भी समीक्षा की और जल्द मौके पर मुआयना करने की बात कही। इसके अलावा तिगांव बल्लभगढ़ कंक्रीट रोड के निर्माण कार्य को फाइनल रूप देने के निर्देश दिए। नागर ने स्पष्ट कहा कि लोगों को विकास कार्य होते नहीं देखना है, उसकी सुविधा का लाभ लेना है और वह तब मिलेगी जब आप लोग उसे समय पर बना देंगे। उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों के ठेकेदारों को भी आड़े हाथ लिया। नागर ने कहा कि ऐसा काम हाथ में क्यों लेते हो, जब आप पर पूरा नहीं होता है। आप जल्द से जल्द अपने काम पूरे करवाइए अन्यथा आपके खिलाफ ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। अधिकारियों ने विधायक राजेश नागर को आश्वासन दिया कि वह सभी कार्यों को तेजी से पूरा करवा रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियों को मेडिकल सर्टिफिकेट देने में 3 माह की छूट

- सरकार का फैसला, जारी होंगे प्रोविजनल नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप- ए, बी, सी व डी के विभिन्न सरकारी पदों पर नव चयनित उम्मीदवारों को उनके चरित्र सत्यापन और मेडिकल सर्टिफिकेट में छूट देकर उन्हें प्रोविजनल आधार पर नियुक्ति पत्र जारी करने का निर्णय लिया है। उम्मीदवारों के चरित्र और पूर्ववृत्त का सत्यापन प्रोविजनल नियुक्ति की तिथि से 3 महीने के अंदर-अंदर करना होगा।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से एक पत्र सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को लिखा गया है। प्रवक्ता ने बताया कि सरकार के निर्देशों में निहित प्रावधान नव चयनित उम्मीदवारों को उनके चरित्र और पूर्व जीवन के सत्यापन के बिना सरकारी नौकरियों में शामिल होने की अनुमति नहीं देते हैं। उम्मीदवारों के चरित्र और पूर्व जीवन के बारे में सत्यापन के कार्य में बहुत समय लगता है। इसलिए सरकार ने नियुक्तियों में चरित्र सत्यापन और मेडिकल सर्टिफिकेट में छूट देने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार, उम्मीदवारों को प्रोविजनल नियुक्ति की तिथि से दो महीने के अंदर-अंदर मेडिकल सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा, एचपीएससी/ एचएसएससी द्वारा भेजे गए उम्मीदवारों के बायोमेट्रिक/ फेशियल सत्यापन के मिलान का कार्य प्रोविजनल नियुक्ति की तिथि से दो सप्ताह के भीतर किया जाएगा।

नियुक्ति पत्र में यह उल्लेखित होगा कि यदि सत्यापन के बाद उम्मीदवार के खिलाफ कुछ भी प्रतिकूल रिपोर्ट दर्ज की जाती है तो उस स्थिति में नव नियुक्त कर्मचारी की सेवाएं बिना किसी नोटिस दिए समाप्त कर दी जाएंगी।

राव इंद्रजीत ने बगावत की खबरों को किया खारिज

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भाजपा के खिलाफ उनके बगावत करने की खबरों को रविवार को खारिज किया और कहा कि वह अपनी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, कुछ चैनल पर निराधार खबरें चलाई जा रही हैं, जिनमें मुझे नौ विधायकों के साथ बगावती दिखाया जा रहा है। यह सब तथ्यहीन, निराधार खबर है। मैं और मेरे सभी साथी विधायक भाजपा के साथ मजबूती से खड़े हैं।

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री सोनू वर्मा पुत्र श्री राम गोपाल वर्मा के खिलाफ थाना गांधी नगर, दिल्ली में जो FIR No. 452/2015 दर्ज है, आप (श्री ललित कुमार) भी उसमे अभियुक्त हैं, लेकिन पिछले 6 वर्षों से मेरे मुवक्किल को पता नहीं लग पा रहा कि आप कहाँ है, उक्त FIR के संबंध में कड़कड़डूमा न्यायालय में मेरे उपरोक्त मुवक्किल ने शिकायतकर्ता के साथ मामले का समझौता करके विवादित मशीनों को शिकायतकर्ता से वापिस लेकर समझौता की हुई रकम देनी तय कि है, जिसमे कि आधी देनदारी आप (श्री ललित कुमार) की भी है, लेकिन आपका पता नहीं लग पाने के कारणवश आपको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि आज से 07 दिनों के भीतर आप (श्री ललित कुमार) अपने हिस्से की रकम उपरोक्त FIR के शिकायतकर्ता को अदा कर दें अन्यथा मेरे मुवक्किल को उक्त मशीनें कबाड़ी को बेचकर समझौते की रकम उपरोक्त शिकायतकर्ता को अदा करनी पड़ेगी, उसके बाद उपरोक्त मशीनों के संबंध में आपकी हर प्रकार की दावेदारी शून्य रहेगी।

Ankur Verma (Advocate) Ch. no. D-206, Karkardooma Courts Complex, Delhi-110032, Mob: 9015137081

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the public at large that Sh. Pranjal Johri & Smt. Anshika Saxena are the Owners of the Flat No. 376, 3rd floor, Tower-Ferrera, Mahagun-Moderne, Plot No. GH-02, Sector 78, Noida, U.P.. It is hereby declared that the owners are now availing a loan facility against the mortgage of the aforementioned Property with State Bank of India, RACPC Karkardooma, Delhi by mortgaging All Original documents. In the entire chain of documents, the Original Allotment Letter dated 04.09.2010 and Original Offer of Possession dated 10.10.2015 both issued by Mahagun Real Estate Pvt. Ltd. are missing hence not traceable. Therefore, any person having any type of claim right/title/interest over the said property or Flat may inform in writing or contact at the address mentioned below about his/her objections within 15 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc. or any claim. **Navneet Tripathi, Advocate SC-53, Jaipuriya Suncrise Plaza, Indirapuram, Ghaziabad, Mob No. 9689066717**

हरियाणा में चुने गए 96 प्रतिशत विधायक करोड़पति

- एडीआर के विश्लेषण में सामने आई जानकारी, 13 प्रतिशत के खिलाफ दर्ज हैं आपराधिक मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नवनिर्वाचित 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में 86 विधायक (96 प्रतिशत) करोड़पति हैं जबकि 12 (13 प्रतिशत) अपने खिलाफ आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। चुनाव संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) एंड हरियाणा इलेक्शन वॉच ने सभी 90 विजई उम्मीदवारों के हलफनामे का विश्लेषण करने के बाद ए आंकड़े जारी किए जो बताते हैं कि करोड़पति विधायकों का आंकड़ा 2019 के 93 प्रतिशत से बढ़कर इस बार 96 प्रतिशत हो गया है। आंकड़े दर्शाते हैं कि 90 विधायकों में से 44 प्रतिशत के पास 10 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है जबकि सिर्फ 2.2 प्रतिशत के पास 20 लाख रुपए से कम की संपत्ति है। प्रत्येक विजई उम्मीदवार की औसत संपत्ति 24.97 करोड़ रुपए है, जो 2019 के 18.29 करोड़ रुपए से काफी अधिक है। पार्टीवार देखें तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 96 प्रतिशत विधायकों, कांग्रेस के 95 प्रतिशत विधायकों तथा इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) एवं निर्दलीय दोनों के 100 प्रतिशत विजेताओं ने एक करोड़ रुपए से

अधिक की संपत्ति घोषित की है।

हिसार से निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल इस सूची में शीर्ष पर हैं जिनकी कुल संपत्ति 270 करोड़ रुपए से अधिक है। इसके बाद भाजपा की शक्ति रानी शर्मा और श्रुति चौधरी के पास क्रमश: 145 करोड़ रुपए और 134 करोड़ रुपए की संपत्ति है। वर्ष 2024 में कुल 30 विधायक दोबारा चुनकर विधानसभा पहुंचे हैं जिनकी औसत संपत्ति में 2019 से 59 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 9.08 करोड़ रुपए से बढ़कर 14.46 करोड़ रुपए हो गई है जो पिछले पांच वर्ष में विधायकों को हुए उल्लेखनीय वित्तीय लाभ को दर्शाता है। आंकड़े बताते हैं कि जीतने वाले उम्मीदवारों में से जिन 12 ने आपराधिक मामलों का खुलासा किया है उनमें छह गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं और एक विधायक हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी है। वर्ष 2019 में सात उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले थे। पार्टीवार देखें तो 19 प्रतिशत कांग्रेस विधायकों, छह प्रतिशत भाजपा विधायकों और 67 प्रतिशत निर्दलीय विजेताओं ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। विश्लेषण से यह भी पता चला कि 28 विजई उम्मीदवारों ने एक करोड़ रुपए या उससे अधिक की देनदारी घोषित की है, जिनमें लोहारू से कांग्रेस के राजबीर फरटिया 44 करोड़ रुपए की देनदारी के साथ शीर्ष पर हैं।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ उत्सव संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में पांच दिवसीय उत्सव फेस्टिवल ऑफ इंडिया का रंगारंग कार्यक्रमों और धार्मिक आयोजनों के साथ समापन हो गया।

इस समारोह में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया और मेले का आनंद लिया। उत्सव में प्रतिभाशाली बैंड्स, कलाकारों, आदि के साथ डांडिया एवं गरबा नाइट, मनमोहक लोक प्रस्तुतियों पर लोग झूम उठे। इस कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक विशिष्ट अतिथि के तौर पर यहां पहुंचे थे।

मेले के अंतिम दिन पारंपरिक पूजा, सांस्कृतिक प्रदर्शन, सिंदूर खेला मुख्य आकर्षण रहे।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public that Mrs. Shweta Mishra is willing to purchase Residential Plot No. BB-35, (New No.B-1130), admeasuring around 528.9 Square Meters (632 Square Yards), in Block-B, comprised in Khasra No. 80/6, of the residential colony, known as "Greenfields", situated in the revenue estate of Village Sarai Khawaja, Tehsil Ballabhgarh and District Faridabad, Haryana. (Hereinafter referred to as the said property).

Initially, the Sale Deed dated 12.06.1990, was executed by Urban Improvement Corporation Private Limited in favour of Mr. Mohinder Singh Dhillon and Mr. Adarshpal Singh in respect of the said property, bearing Document No. 552 on 18.06.1990.

Thereafter, the said Mr. Mohinder Singh Dhillon executed a Will in favour of Ms. Roopkia Dhillon in respect of his moveable and immovable properties including his half share in the said property, dated 18.07.2011, bearing Document No. 158.

Thereafter, the said Mr. Mohinder Singh Dhillon, died on 27.10.2011, the death certificate was issued by the Health and Family Welfare Department.

Thereafter, a Letter of change of ownership dated 24.05.2012 was issued by Urban Improvement Company Private Limited to change the ownership from Mr. Mohinder Singh Dhillon to Mrs. Roopika Dhillon in respect of the undivided half share in the said property.

Subsequently, a General Power of Attorney was executed by Ms. Roopkia Dhillon in favour of Mr. Adarshpal Singh in respect of her ½ share in the said property, and the same is registered with the office of the Sub-Registrar, Nabha as Document No. 2022-23/77/4/251 on 29.03.2023.

Any person who has any objection regarding the mortgage or the ownership of the above-said property may submit his/her objection within 07 days from the date of publication of this notice in writing. The objection may kindly be sent to the undersigned by way of the Registered Post at the address given below and by E-mail.

Lavanya Sharma (Advocate)
Trinity Legal Partners
C-401, Fourth Floor, Nirvana Courtyard, Nirvana Country, Sector-50, Gurugram-122018
E: lavanya@trinitylegalpartners.com

मोदी की लाओस यात्रा

भारत-आसियान सम्मेलन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लाओस यात्रा 21वें भारत-आसियान सम्मेलन में भाग लेने के लिए थी। मोदी ने कहा कि यह यात्रा दक्षिणपूर्व एशियाई देशों-'आसियान' से राजनयिक संबंध मजबूत करने को लक्षित थी। कनेक्टिविटी बढ़ाने तथा संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा में समग्र 10 सूत्री कार्ययोजना की घोषणा की जिसका उद्देश्य भारत-आसियान साझेदारी और मजबूत करना था। यह पहल न केवल वैश्विक अनिश्चितता के समय में क्षेत्रीय सहयोग मजबूत करने का महत्व रेखांकित करती है, बल्कि इसमें 21वीं शताब्दी का परिदृश्य विकसित करने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि इक्कीसवीं शताब्दी 'भारत-आसियान की होगी।' प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि भारत और आसियान देशों के बीच संबंध और सहयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। ये संबंध खासकर विभिन्न क्षेत्रों में जारी टकराव तथा विश्व स्तर पर बढ़ रहे तनाव को देखते हुए जरूरी हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारत-आसियान मैत्री, समन्वय संवाद तथा सहयोग ऐसे समय जरूरी है जब दुनिया के अनेक हिस्से टकरावों और तनावों का सामना कर रहे हैं। यह शिखर सम्मेलन भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के एक दशक पूरे होने पर उसकी समीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। इस नीति ने पिछले दस साल में भारत-आसियान व्यापार को दूना कर 130 बिलियन डालर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनेक प्रमुख क्षेत्रों में आसियान देशों से व्यापक संबंधों का दृष्टिकोण पेश किया है। पहलों में से एक कनेक्टिविटी बढ़ाना है जिसके लिए सात आसियान देशों तथा भारत के बीच सीधी उड़ानें शुरू की जा रही हैं। इस कदम से यात्रा और व्यापार आसान होगा जिससे इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के साथ जुड़ाव और मजबूत होगा। तकनीक के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर के साथ 'फिनटेक कनेक्टिविटी' शुरू करने की घोषणा की जो आसियान देशों के साथ व्यापक सहयोग का एक उदाहरण पेश करती है। इस पहल से तकनीकी प्रगति को गति मिलेगी तथा वित्तीय समावेशन बढ़ेगा जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। सांस्कृतिक संबंधों पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार और इंडोनेशिया के साथ साझा विरासत को मजबूत किया जा रहा है। यह क्षेत्रीय इतिहास तथा पहचान मजबूत करने व उसके संरक्षण की भारतीय प्रतिबद्धता के अनुरूप है। प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते-ऐटिगा को पूरा करने की समीक्षा की जिससे दोनों पक्षों के बीच ज्यादा आर्थिक संभावनायें पैदा होंगी। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में आदान-प्रदान पर भी जोर दिया। आसियान देशों के 300 से अधिक छात्रों को नालन्दा विश्वविद्यालय में स्कालरशिप से लाभ मिला है जिससे शिक्षा क्षेत्र में संबंध और मजबूत होंगे। दक्षिण चीन सागर में समुद्री विवादों के बढ़ने तथा म्यांमार में जारी संकट से खास चिन्ता पैदा हो गई है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने 'इंडो-पैसिफिक ओसेन्स इनीशियेटिव' पर जोर दिया है जिसमें क्षेत्रीय स्थायित्व व सुरक्षा सुनिश्चित करने को रेखांकित किया गया है। मानवीय सहयोग के साथ यह दृष्टिकोण प्राकृतिक विभीषिकाओं के समय आसियान देशों की सहायता के लिए भारत की प्रतिबद्धता प्रकट करता है। भारत का दृष्टिकोण जन-केन्द्रित है तथा टिकाऊ विकास के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करता है जो दोनों क्षेत्रों में नागरिकों की आवश्यकताओं व आकांक्षाओं के अनुरूप है। भारत और आसियान देशों के बीच शताब्दियों पुरानी विरासत और मूल्यों का साझा है जिनको पुनर्जीवित करने का समय आ गया है।

सूचना अधिकार में व्यावहारिक सुधार

सूचना अधिकार कानून-आरटीआई अपनी स्थापना के 19 साल पूरे कर रहा है। इसके नियमों में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाना तथा सुनिश्चित करना जरूरी है कि यह अपना उद्देश्य प्रभावी रूप से पूरा करे।

सुभाष चंद्र अग्रवाल
(लेखक, आरटीआई एक्टिविस्ट हैं)

सूचना अधिकार कानून-आरटीआई अपनी स्थापना के 19 साल पूरे कर रहा है। समय आ गया है कि इसके नियमों में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाना तथा सुनिश्चित करना जरूरी है कि यह अपना उद्देश्य प्रभावी रूप से पूरा करे। सूचना अधिकार कानून-आरटीआई एक्ट को 12 अक्टूबर, 2005 को लागू किया गया था। यह भारत में सरकार की पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अत्यन्त महत्वपूर्ण कदम था। पिछले वर्षों में इस कानून ने अनेक भ्रष्टाचार मामलों तथा अनेक घोटालों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने नागरिकों को सार्वजनिक अधिकारियों से सूचनायें मांगने के लिए सशक्त बनाया है। लेकिन जहां कानून ने असंदिग्ध रूप से महत्वपूर्ण सुधार लाने में सहायता की है, वहीं स्वयं कानून के बजाय आरटीआई नियमों में कुछ संशोधन और सुधार जरूरी हो गए हैं।

इनसे कानून के दुरुपयोग को रोकने, प्रक्रियाओं को सहज और गतिशील बनाने तथा अदालतों पर बोझ घटाने में सहायता मिलेगी। कानून का दुरुपयोग रोकने तथा अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचने के लिए ये सुधार जरूरी हैं। आज आरटीआई ढांचे के समक्ष एक प्रमुख चुनौती व्यक्तियों और समूहों द्वारा व्यवस्था का दुरुपयोग है।

इसके कारण अनावश्यक अपीलें होती हैं तथा अदालतों में इसे चुनौतियां दी जाती हैं। केन्द्रीय सूचना आयोग-सीआईसी को आरटीआई अपीलों से निपटने का काम दिया गया है, लेकिन यह अक्सर फर्जी मामलों से दबा रहता है जिसके कारण व्यवस्था बाधित होती है तथा असली शिकायतों के समाधान में विलंब होता है। खासकर सार्वजनिक-निजी साझीदारी-पीपीपी, खेल संस्थानों तथा सहकारिताओं के मामले में आरटीआई नियमों में संशोधन से यह दबाव काफी सीमा तक घट सकता है।

पीपीपी, खेल संस्थानों तथा सहकारिताओं को आरटीआई कानून के अंतर्गत सार्वजनिक अधिकारी घोषित करने से काफी समय और संसाधन बचाए जा सकते हैं। ये उद्यम अक्सर भारी मात्रा में सार्वजनिक धन प्रयोग करते हैं और उनको आरटीआई के दायरे से बाहर रखने के कारण पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। उनको कानून में शामिल करने से न केवल जवाबदेही बढ़ेगी, बल्कि ऐसे मामलों की संख्या में भी कमी आएगी जो सूचना आयुक्तों व अदालतों में पहुंचते हैं। इससे पूरी आरटीआई प्रक्रिया सहज बनेगी। सरकार को आरटीआई में खास क्षेत्र आबंटित किए जाने चाहिए। सरकारी जमीनों के आबंटन तथा आवास आबंटनों के मुद्दे पर ध्यान देना जरूरी है। अनेक सरकारी-स्वामित्व वाली संपत्तियों को सस्ती दरों पर आबंटित किया जाता है जिससे पक्षपात या भ्रष्टाचार संबंधी चिन्ता पैदा होती है।

इसे संबोधित करने के लिए ऐसे सभी आबंटनों को आरटीआई कानून के अंतर्गत समीक्षा के क्षेत्र में लाया जाना चाहिए। इसके अलावा भावी आबंटनों के साथ यह शर्त लगा देनी चाहिए कि लाभार्थी प्रक्रिया के प्रति पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे तथा जनता के प्रति जवाबदेह होंगे। इससे सूचना आयुक्तों पर दबाव घटेगा क्योंकि इससे शर्तों का पालन न करने वाले आबंटी हतोत्साहित होंगे तथा जनता की नजर से बच नहीं सकेंगे। इससे नागरिकों को सवाल पूछने और निगरानी का अवसर मिलेगा कि सार्वजनिक संसाधनों का आबंटन कैसे किया जाता है। इससे पारदर्शी प्रशासन को बढ़ावा मिलेगा। उच्च पदों संबंधी आरटीआई प्रार्थनाओं को सहज बनाया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्रियों को अक्सर ऐसी आरटीआई प्रार्थनापत्र मिलते हैं जिनका संबंध सीधे उनके कामकाज से होना जरूरी न हो। क्षमता में सुधार के लिए कार्यालयों को केवल ऐसी आरटीआई प्रार्थनाओं पर गौर करना चाहिए जिनका संबंध सीधे उनकी भूमिका से हो। दूसरे प्रकार के आरटीआई प्रार्थनापत्रों को प्रार्थियों को इस सलाह के साथ वापस कर देना चाहिए कि वे किस विभाग या अधिकारी से संपर्क करें। इस उपाय से उच्च पदों पर बोझ कम होगा तथा यह भी सुनिश्चित होगा कि नागरिकों को सही स्रोत से सूचनायें मिल सकें।

निजी क्षेत्र के बैंकों को आरटीआई के अंतर्गत लाया जाना चाहिए। लंबे समय से वित्तीय क्षेत्र में ज्यादा पारदर्शिता की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यह खासकर हालिया घोटालों तथा वित्तीय प्रबंधन के कारण जरूरी हो गया है। जहां सार्वजनिक क्षेत्र बैंक आरटीआई के दायरे में आते हैं, वहीं निजी क्षेत्र कानून के दायरे से बाहर है। सार्वजनिक धन का निजी बैंकों के माध्यम से बढ़ता उपायेग तथा अर्थव्यवस्था में उनकी बढ़ती सहभागिता के कारण यह चिन्ता का विषय है। इस कमी को दूर करने के लिए निजी क्षेत्र बैंकों को आरटीआई कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। इससे नागरिकों को उनके वित्तीय व्यवहारों के बारे में सूचना प्राप्त करने का अधिकार मिलेगा तथा इस क्षेत्र में जवाबदेही बढ़ेगी। आरटीआई फीस को मानक बनाने तथा उसका दुरुपयोग रोकना जरूरी है। वर्तमान आरटीआई ढांचे के सामने राज्यों में प्रार्थना फीस में असंगति एक बड़ी समस्या है। आरटीआई फीस को पूरे देश में 50 रुपये किया जाना चाहिए जिसमें 20 फोटोकापी पेजों की लागत शामिल हो।

इसके साथ ही अपीलों के लिए फीस समाप्त की जानी चाहिए। इन परिवर्तनों से नागरिकों के लिए प्रक्रिया सरल बनेगी तथा विभिन्न राज्यों में विभिन्न स्तरों पर व्याप्त भ्रम दूर होगा। लेकिन कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा आरटीआई प्रार्थनाओं के दुरुपयोग पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए, अनेक ठेकेदार गरीबी रेखा के नीचे वाले-बीपीएल कामगारों का प्रयोग कर उनके माध्यम से आरटीआई प्रार्थनायें करते हैं ताकि फीस से बचा जा सके। इसे रोकने के लिए बीपीएल प्रार्थियों के लिए मुफ्त प्राविधान 20 पेजों तक सीमित किया जाना चाहिए। अतिरिक्त पेज होने पर एक मामूली धनराशि ली जानी चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि व्यवस्था का दुरुपयोग न हो तथा वास्तव में वंचित लोगों को सूचना प्राप्त करने के लिए ज्यादा फीस न देनी पड़े। सूचना अधिकार कानून तक वास्तविक प्रार्थियों की पहुंच बढ़ाने के लिए पूरी प्रक्रिया का अधिकाधिक डिजिटलीकरण किया जाना चाहिए। आरटीआई प्रक्रिया को सहज और सुगम बनाने के लिए पूरे देश के पोस्टआफिसों को आरटीआई प्रार्थनाओं को मुफ्त भेजने की व्यवस्था करनी चाहिए।

इससे नागरिकों, खासकर ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को बिना डाक खर्च की चिन्ता किए अपने आरटीआई प्रार्थनापत्र भेजने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही आरटीआई सूचना मांगने के लिए आईडी प्रूफ को अनिवार्य किया जाना चाहिए। पंजाब और हरियाणा जैसे कुछ राज्यों ने ऐसी व्यवस्था लागू की है। इसे अनिवार्य रूप से पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। इससे आरटीआई व्यवस्था का दुरुपयोग काफी सीमा तक थमेगा तथा यह सुनिश्चित होगा कि वास्तव में जरूरतमंद लोग ही आरटीआई कानून के माध्यम से आवश्यक सूचनायें मांगें। 'आनलाइन आरटीआई पोर्टलों' को शुरू करना आरटीआई को जनता के निकट ले जाने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होगा। देश के सभी राज्यों को नेशनल इन्फार्मेटिक्स सेंटर-एनआईसी द्वारा डिजाइन की गई आरटीआई वेबसाइटें जारी करनी चाहिए।

इससे पूरी आरटीआई व्यवस्था का मानकीकरण होगा तथा इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आरटीआई सूचनायें मांगने वालों को सुविधा मिलेगी। इन पोर्टलों पर 'आटो ईमेल प्रतिक्रिया' तथा 'एलर्ट' की सुविधा दी जानी चाहिए। इससे आरटीआई सूचनायें मांगने वालों को अपनी प्रार्थनाओं पर कार्रवाई की स्थिति बहुत आसानी से पता चल जाएगी। इसके साथ ही पुराने पड़ चुके आरटीआई नियमों को समाप्त करने की जरूरत है। इनमें कुछ राज्यों द्वारा लागू किए नियम हैं। दिल्ली आरटीआई एक्ट जैसे राज्य कानूनों को समाप्त कर पूरे देश में राष्ट्रीय आरटीआई कानून लागू किया जाना चाहिए।

चिंता से मुक्ति पाने की आवश्यकता

चिंता से निपटने के लिए माइंडफुलनेस, मानसिक लचीलापन और तनाव से राहत देने वाली गतिविधियां ज़रूरी हैं।

रवि वलूरी
(लेखक, रेलवे से संबंधित हैं)

समीर के पास एक प्रतिष्ठित संस्थान से प्रबंधन की डिग्री थी। मार्केटिंग मैनेजमेंट के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद, वह मार्केटिंग के 4पी में पारंगत था। अपने जीवन के इस मोड़ पर, युवा प्रशिक्षु ने कंपनी में शामिल होने, अत्यधिक वेतन पाने और कुछ समय में शहर के एक अप-मार्केट इलाके में एक आलीशान संपत्ति हासिल करने के बारे में कल्पना की। लेकिन अंतिम बाधा - साक्षात्कार को सफलतापूर्वक पार करने के बारे में उसके मन में झिझक का एक तत्व था।

चूंकि मन वर्तमान क्षण में नहीं था और इसके बजाय भविष्य पर केंद्रित था, इसलिए वह चिंतित और लगातार उत्तेजित रहता था। इस प्रकार, वह संतुलन, संतुलन या समभाव की स्थिति में नहीं था। इस बीच, सिद्धार्थ, उनके स्कूल के साथी ने वास्तुकला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और शहर की एक प्रसिद्ध वास्तुशिल्प फर्म में प्रशिक्षुता प्राप्त की। हालांकि, सिद्धार्थ इमारतों को डिज़ाइन करने से संतुष्ट नहीं था। उनके पास एक ज्वरग्रस्त मन था जो मनोरंजन डिजाइन नामक एक नए क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए तड़प रहा था। इस युवा ने खुद को सिखाया और अत्याधुनिक और नए कौशल सेट हासिल किए।

नए अर्जित ज्ञान से मजबूत होकर उन्होंने दूरदर्शी और सरल ग्राफिक्स, रेखाचित्र और पेंटिंग से युक्त एक पोर्टफोलियो तैयार किया। फिर भी, मानसिक रूप से वह चिंतित, तनावग्रस्त और तनावग्रस्त थे कि भविष्य में क्या होने वाला है। चिंताजनक परिस्थितियों से पहले आशंकित होना एक सामान्य मानवीय प्रवृत्ति है क्योंकि यह वर्तमान क्षण में नहीं है।

कई व्यक्ति प्लीहा और ततैया जैसे

हो जाते हैं। हमेशा पेट के क्षेत्र में मंथन होता है और मन चिंता से ग्रस्त हो जाता है। घातक शस्त्रागार रखने वाले अर्जुन कौरवों की विशाल सेना को देखकर स्तब्ध हो गए। यह तब भी, जब भगवान कृष्ण उनके सारथी थे! कुरुक्षेत्र में टकराव से पहले शून्य घंटे में, उन्होंने अपने हथियार रख दिए। पूर्ण योद्धा धर्म और द्वेष के बीच अंतर नहीं कर सका। भगवान कृष्ण के विश्वरूप दर्शन और दिव्य गीत - भगवद गीता के माध्यम से उनके मन में मौजूद राक्षस अंतत: दूर हो गए। मनोवैज्ञानिकों ने ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए दो-आयामी रणनीति विकसित की है, पहला, स्थिति की बारीकी से निगरानी करके और तुरंत और प्रभावी कार्रवाई करके और दूसरा, स्थिति से बचकर और उसे कुंद करके। निगरानी में कई सक्रिय कदम उठाना शामिल है जो मन की तैयारी में मदद करते हैं। किसी महत्वपूर्ण घटना से पहले पहले से और अच्छी तरह से अभ्यास की गई तैयारी; यह तपस्या है और कोई भी इस आधार पर आराम नहीं कर सकता।

मन को दृढ़ और मजबूत होना चाहिए, प्रसिद्ध धनुर्धर अर्जुन की तरह निरंतर अभ्यास करना चाहिए। इस प्रक्रिया में, व्यक्ति मन को अव्यवस्थित करता है और चिंता और भय के बोझ से छुटकारा पाता है। टीकाकरण तकनीक एक और प्रभावी रणनीति है। एक व्यक्ति लगातार अभ्यास और भूमिका निभाने के माध्यम से तनाव के खतरों से खुद को बचाता है। इससे उम्मीदवार मानसिक रूप से मजबूत हो जाता है और वह पूरे आत्मविश्वास और विश्वसनीयता के साथ जांच और मूल्यांकन के लिए तैयार हो जाता है। इसके अलावा, सकारात्मक व्यवहार अपनाना अमूल्य है। इसके अलावा, कुछ ऐसी तरकीबें और रणनीतियां हैं जो उपरोक्त को बढ़ाने में मदद करती हैं। शारीरिक गतिविधि में डूब जाना समझदारी और चतुराई है। इसमें लंबी सैर करना, तैराकी करना, जिम जाना, कोई खेल खेलना या मन को तनावमुक्त करने के लिए योगिक तकनीक सीखना शामिल हो सकता है। ये गतिविधियां एंडोर्फिन रिलीज़ करती हैं जो मन को शांत करती हैं। साथ ही, व्यक्ति तराशा हुआ और स्मार्ट दिखाई देगा। खुश रहने के और भी तरीके हैं। उदाहरण के लिए, आर्ट ऑफ़ लिविंग के हैप्पीनेस प्रोग्राम में शामिल होकर सुदर्शन क्रिया की अनूठी लयबद्ध सांस लेने की तकनीक सीखें जो शरीर और मन को शांत करती है। वर्तमान क्षण में बने रहने के लिए प्राणायाम और ध्यान की विभिन्न तकनीकें सीखें। केवल जब कोई इंसान वर्तमान क्षण में होता है, तो वह चिंता से बचा रहता है और अनुचित और कठिन परिस्थितियों का प्रबंधन कर पाता है?

आप की बात

सराहनीय निर्णय

मध्य प्रदेश में सरकार द्वारा स्कूलों में किताबी शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक और तकनीकी शिक्षा दिए जाने का निर्णय सराहनीय है। जिस प्रकार साइंस में पढ़ाई के साथ-साथ प्रेक्टिकल द्वारा हर चीज को अच्छी तरह समझाया जाता है, वैसे ही अन्य विषय के छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ जीवनोपयोगी शिक्षा दी जानी चाहिए। इसी प्रकार विभिन्न व्यवसायों संबंधी जानकारियां भी छात्रों को दी जानी चाहिए। उनको बताया जाना चाहिए कि किस व्यवसाय या विनिर्माण के लिए कहां से कच्चा माल आता है। उसे बनाने में उपयोग में आने वाली मशीनरी और बेचने का पूरा ज्ञान यदि छात्र जीवन में ही मिल जाए तो ऐसे छात्र भविष्य में कभी भी बेरोजगार नहीं रह सकते। इनमें से अधिकांश छात्र समुचित समर्थन के बाद नौकरी मांगने के बजाय अपना स्वतंत्र व्यवसाय कर सकते हैं। वे नौकरी मांगने के बजाय नौकरियां देने वाले भी बन सकते हैं। अर्थशास्त्र, समाजविज्ञान व राजनीतिविज्ञान पढ़ने वाले छात्रों को स्थानीय स्तर पर इन विषयों के व्यावहारिक प्रयोग की जानकारी देने के लिए उनको खास उद्योगों, बाजारों तथा सामाजिक अवसरों पर भ्रमण कराया जा सकता है। विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट लोगों को स्कूल-कालेजों में आमंत्रित कर उनके व्याख्यानों से भी छात्रों में उत्साह पैदा होगा।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

हरियाणा की राजनीति

हरियाणा की राजनीति में विकास और जवाबदेही के आधार पर एक नई दृष्टि का उदय हो रहा है। इस नए दौर में पारंपरिक राजनीति के उपाय और नीतियाँ अब प्रभावी साबित नहीं हो रही हैं। हरियाणा की राजनीति में जो मौजूदा बदलाव देखने को मिल रहा है, वह केवल एक चुनावी लहर नहीं बल्कि जनता की बदलती सोच का सटीक प्रतिबिंब है। अब वह दौर बीत चुका है जब जातिगत समीकरण और भावनात्मक नारे मतदाताओं को प्रभावित कर जाते थे। हरियाणा के मतदाता, खासकर युवा पीढ़ी अब विकास की सटीक दिशा की मांग कर रहे हैं। वे इसका आंकलन सिर्फवादों से नहीं, बल्कि ठोस नतीजों से कर रहे हैं। नेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि अब पारंपरिक राजनीति की चालें काम नहीं करेंगी। आज जनता डिजिटल युग में है जहां हर छोटी-बड़ी बातों पर नजर रखी जाती है। लेकिन क्या यह बदलाव राजनीति के तात्कालिक समीकरणों को बदल देगा या फिर अगले चुनाव तक सब कुछ पुराने ढर्रे पर लौट जाएगा? यह सवाल हरियाणा के राजनीतिक नेतृत्व के सामने है। जनता अब सड़कों और पुलों से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में सुधार चाहती है। स्पष्ट है कि हरियाणा के मतदाता अब नतीजे देखने लगे हैं।

- अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

सुरक्षित रेल यात्रा

भारत का विशाल रेल नेटवर्क है, लेकिन आये दिन होने वाली रेल दुर्घटनाओ से आमजन चिंतित है। ट्रेनों को बेपटरी करने की कोशिशें लगातार जारी है। लेकिन सजग रेल ड्राइवरों ने अनेक दुर्घटनायें रोकने में सफलता पाई है। इन घटनाओं की जाँच रेलवे के सुरक्षा आयुक्तों, पुलिस और एनआईए को करनी चाहिए। रेल मंत्रालय को कम वेतनमान पर रेलवे ट्रैक की निगरानी के लिये खलासियों की नियुक्तियां करनी चाहिए। लोगों की सुरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन को स्टेशन से रवाना करने से पहले उसकी तकनीकी जांच इंजीनियरों या तकनीक में अच्छी तरह प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। रेल मंत्रालय ने हर ट्रेन में सुरक्षा कवच लगाने की बात कही है। इस परियोजना को यथासंभव तेजी से पूरा किया जाना चाहिए। अनुशासनहीन व नशे के शिकार रेल कर्मचारियों को तत्काल न केवल सेवा से हटाना चाहिए, बल्कि उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी होनी चाहिए। इसके साथ ही रेलवे में सभी पदों पर शीघ्रातिशीघ्र भर्ती सुनिश्चित कर परिचालन कर्मियों पर ज्यादा बोझ से बचाने के प्रयास होने चाहिए। तकनीक प्रयोग के साथ बेहतर मानव-संसाधन सुरक्षित रेल यात्रा की गारंटी हैं।

कुलदीप मोहन त्रिवेदी, उन्नाव

मोहन भागवत का आह्वान

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आह्वान किया है कि हिंदुओं में एकजुटता जरूरी है। उन्होंने बांग्लादेश का उदाहरण दिया कि जब हिंदू इकट्ठा हुआ तो बचाव हुआ। आरएसएस प्रमुख चाहते हैं कि भारत में रहने वाले सभी हिंदुओं को मिलकर साथ रहना चाहिए। उनका यह आह्वान स्वागत योग्य है। लेकिन हिंदू समाज की सामाजिक संरचना के कारण यह बेहद जटिल मुद्दा भी है। हिंदू समाज जाति, संप्रदाय और गोत्र में बंटा हुआ है और इनके बीच भेदभाव साफ दिखाई देता है। बहुत सी जातियों को सदियों तक दबाकर रखा गया है और आज भी उन पर अत्याचार होते हैं। आरएसएस को हिंदू धर्म में फैली सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में अपने प्रयास तेज करने चाहिए। हालांकि, आरएसएस अपनी स्थापना के समय से ही इन प्रयासों में लगा है, पर इतिहास की विकृत सोच तथा निहित स्वार्थी तत्वों की वर्चस्व की इच्छा के कारण यह काम आसान नहीं है। इस दिशा में संघर्षरत आरएसएस अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है।

- वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

संगठित रहकर ही कर पाएंगे खुद की और देश की भी सुरक्षा: योगी

● संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे: मुख्यमंत्री

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। छुआछूत, अश्पृश्यता को दूर कर एकजुट रहेंगे खुद की और राष्ट्र की भी सुरक्षा कर सकेंगे। हमें उन पाखंडों से दूरी बनाकर रहना है जिससे चलते गुलामी का दंश झेलना पड़ा और आक्रांताओं को हमारे धर्म स्थलों को खंडित करने तथा सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का मौका मिला। सीएम योगी शनिवार शाम मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री श्री रामलीला समिति, आर्यनगर की तरफ से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह को संबोधित कर रहे थे। सभी लोगों को विजयादशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठित न रहने के कारण ही गुलामी के अलग अलग कालखंड में कभी काशी में विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में राम मंदिर और मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर को अपवित्र करने दुस्साहस आक्रांताओं ने किया। हम परतंत्र होंगे तो फिर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता सिर्फ राजनीतिक ही नहीं होती। बल्कि वह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता की वाहक भी होती है। इसलिए हमें संगठित होकर स्वतंत्रता दिलाने वाले अनेकानेक बलिदानियों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठित रहने के लिए, संगठन की ताकत दिखाने के लिए आवश्यक है कि हम जाति, मत, संप्रदाय, भाषा, छुआछूत जैसे भेदभाव से दूर रहें। इसी संदेश से लोगों को जोड़ने के लिए अयोध्या में जहां 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना है तो वहीं श्रीराम की कथा को देने वाले महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या के एयरपोर्ट का नामकरण किया गया है। अयोध्या में रसोईगृह माता शबरी के नाम पर बनी है तो यात्री विश्रामालय भगवान राम के अभिन्न सखा निषादराज के नाम पर। यह सामाजिक एकता भारत की विरासत का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज की गले मिलती प्रतिमा का निर्माण सरकार करवा चुकी है। वर्ष 2025 में प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुम्भ का आयोजन भी विरासत के प्रति निष्ठा का प्रदर्शन होगा।

श्रीनाथ जी का विशिष्ट पूजन कर गोरक्षपीठाधीश्वर ने की लोक कल्याण की प्रार्थना

● मंदिर के शक्तिपीठ में मां जगत जननी की पूजा करने के बाद शुरू हुआ विजयादशमी का अनुष्ठान

लखनऊ/गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी पर्व के अनुष्ठान का शुभारंभ शनिवार प्रात:काल श्रीनाथ जी (शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ) के विशिष्ट पूजन अनुष्ठान से हुआ। नाथपंथ की परंपरा का अनुसरण करते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर के विशेष परिधान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीनाथ जी की विधि विधान से पूजा-आराधना की। तदुपरांत गोरखनाथ मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का विशिष्ट पूजन किया। विजयादशमी के दिन प्रात: काल गोरक्षपीठाधीश्वर ने मंदिर के शक्तिपीठ में मां जगतजननी की पूजा की और इसके बाद गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में जाकर महायोगी गोरखनाथ जी के समक्ष हाजिरी लगाई। मंदिर के गर्भगृह में उन्होंने विशिष्ट पूजन किया और गुरु गोरखनाथ जी की आरती उतारी। उन्होंने मंदिर में प्रतिष्ठित सभी देव विग्रहों का भी विशिष्ट पूजन किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने करबद्ध होकर श्रीनाथ जी और सभी देव विग्रहों की परिक्रमा भी की और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। नाथपंथ के परंपरागत विशेष वाद्य यंत्र नागफनी, शंख, ढोल, घंट, डमरू की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्ति भाव में उल्लसित रहा।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में कहीं अन्य जगह जब सभ्यता का नामोनिशान नहीं था तब भारत में सभ्य सनातन समाज अस्तित्व में था। सनातन समाज कभी विपन्न नहीं रहा। बुद्धि और वैभव में सदैव अग्रणी रहा। साजिश के तहत क्षेत्र, जाति, भाषा, मत आदि के नाम पर मध्यकाल में उसे विभाजित किया गया जिसके विषाणु आज भी यत्र-तत्र बिखरे पड़े हैं। इन विषाणुओं को हमें कतई पनपने नहीं देना है। सीएम ने कहा कि हमें संगठित होकर सकारात्मक दिशा में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से जुड़ना है। व्यक्तिगत स्वार्थ कभी भी राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। हमारा हर काम देश के नाम होना चाहिए। अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए हुआ आंदोलन भी इसी की प्रेरणा देता है।

राम मंदिर निर्माण के लिए हुए आंदोलन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को याद कर भावुक हो गए। उनके पूज्य गुरुदेव का आखिरी सपना मंदिर निर्माण को साकार होते देखना था। उनके जीवन के अंतिम क्षणों में जब विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक सिंघल जी उनसे मिलने आए तब उन्होंने उनसे यही कहा था, अशोक जी राम मंदिर निर्माण कब तक हो पाएगा। एक बार मंदिर निर्माण देख लेते तो जन्म धन्य हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब राम मंदिर बन गया है तो उनके गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज समेत अनगिनत संतो को तसल्ली हो रही होगी। सीएम ने कहा कि विरासत के संरक्षण और विकास की यात्रा मोदी के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ी है। देश और दुनिया में रहने वाले सनातनियों, भारतीयों को इस पर गर्व होता है। पांच साल पहले कौन मानता था कि अयोध्या में जन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो पाएगा।

भाजपा राज में बिगड़ती कानून व्यवस्था चिन्ताजनक: प्रमोद तिवारी

लखनऊ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा राज में बिगडती कानून व्यवस्था को चिन्ताजनक करार दिया है। उन्होने महाराष्ट्र के मुम्बई में पूर्व मंत्री बाबा सिददीकी की शूटर्स द्वारा निर्मम हत्या को निंदनीय करार दिया है, और कहा कि बीजेपी के शासनकाल में विधायक तक सुरक्षित नही रह गये हैं। वहीं उन्होनें देश की लगातार खस्ताहाल हो रही अर्थव्यवस्था को लेकर भी मोदी सरकार पर तगड़ा प्रहार किया, और सरकार की विफलताओं पर तंज कसा। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सरकार के कुप्रबन्धन के कारण बिजली उत्पादन तथा आपूर्ति में सर्वाधिक खराब प्रदर्शन हो रहा है। उन्होनें कहा कि इसके चलते देश के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट हो रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने आईआईपी के हवाले से जारी ताजा रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि औद्योगिक उत्पादन 0.1 प्रतिशत घट गया। वहीं उन्होनें कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के बेपटरी पर होने के कारण डॉलर के मुकाबले रूपया सबसे निचले स्तर पर आ पहुंचा है। उन्होनें कहा कि सरकार की कमजोर घरेलू अर्थव्यवस्था के प्रबंधन की खामी के चलते रूपया पहली बार ग्यारह पैसे की गिरावट में आ खड़ा हुआ है। उन्होनें कहा कि सरकार के गैरजिम्मेदाराना रूख के चलते वैश्विक बाजार में भी देश की अर्थव्यवस्था की साख पर आंच आ रही है। वहीं उन्होनें भाजपा पर राजनैतिक प्रतिशोध की भाषा में नियंत्रण रखने की भी कड़ी नसीहत दी। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि आतंकवाद पर कुछ बोलने से पहले भाजपा को अपने अतीत में झांकना चाहिए। उन्होनें कहा कि अगर बीजेपी ने आजादी में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान बंद नही किया तो कांग्रेस भी शालीनता के साथ आतंकवाद को लेकर भाजपा को सड़कों पर बेनकाब करेगी।

भाजपा की नीतियां विनाशकारी हैं:अखिलेश

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डॉ. राममनोहर लोहिया की 57वीं पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए कहा है कि हम उनके सपनों का समाजवादी भारत बनाने का सपना पूरा करने का संकल्प लेते है। डॉ0 राममनोहर लोहिन ने देश में हर तरह से भेदभाव के खात्में, और जाति तोड़ने का आव्हन किया था। हर स्तर पर हो रहे भेदभाव का विरोध किया था। समाजवादी व्यवस्था से ही गरीबी मिटेगी। पढ़ाई में भेदभाव मिटेगा। डॉ. राममनोहर लोहिया की दाम बांधो नीति से ही महंगाई, गरीबी दूर होगी। लोहिया ने सप्तक्रांति के माध्यम से समाज में खुशहाली का रास्ता दिखाया था। अखिलेश यादव गोमती नगर स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया पार्क में पहुंचकर समाजवादी चिंतक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात् एकत्र हजारों कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। डॉ. लोहिया की पुण्यतिथि पर राजधानी लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम लोहिया पार्क में हुआ। लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमती नगर में विधायक रविदास मेहरोत्रा ने डॉ. लोहिया की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों और अन्य प्रदेशों में भी समाजवादी पार्टी के कार्यालयों में डॉ. राममनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि दी गई। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की नीतियां विनाशकारी हैं। संविधान से बनी हर चीज को यह उलटना चाहते हैं। यह वह लोग है जो नफरत की राजनीति करते हैं। वे भेदभाव करते हैं। यह वे लोग हैं जो धर्म जातियों को लड़ाकर राजनीति करना चाहते हैं।

श्री यादव ने कहा कि किसी देश की मुद्रा का पतन, अर्थव्यवस्था के पतन का प्रतीक होता है। भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था की बदहाली के झूठे आंकड़ों की कितनी भी मोटी परत बिछा दें लेकिन दुनिया के सामने सच खुल ही जाता है। उन्होंने कहा कि जब सरकार यह कह रही है कि 5 ट्रिलियन डालर की एकोनामी है, अगर हमारी अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है तो आखिरकार हंगर इन्डेक्स पर हम कहां खड़े हैं। 105वां स्थान पर श्री यादव ने कहा रेलवे में सुधार की बड़ी-बड़ी बाते की गई थी। परिणाम क्या निकला? कोई रिकार्ड तोड़ रही है तो पेपर लीक के बाद ट्रेन एक्सीटेंट। यादव ने कहा कि कल जेपीएनआईसी में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की मूर्ति पर माल्यार्पण से रोकना ठीक नहीं था। सरकार की बहाने बाजी उनकी नाकामी है। सुरक्षा की बात है तो जहां पेड़ पौधे हैं वहां जीवजंतु होंगे आज भी जेपीएनआईसी बिल्डिंग में समाजवादी सरकार का जो काम दिखाई देता है वह भाजपा के हर विकास को फीका कर रहा है।

दीपावली पर अमावस्या मेले के दौरान अनुपम आभा बिखेरेगा चित्रकूट धाम

● 40 फीट ऊंचे व 30 फीट चौड़े भक्ति थीम आधारित अस्थायी पिक्सल रनिंग एलईडी गेट्स का होगा निर्माण

लखनऊ। उप्र में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ाने और तीर्थ क्षेत्रों के विकास के लिए योगी सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। अयोध्या दीपोत्सव और वाराणसी की देव दीपावली इस बात के उदाहरण हैं। इसी क्रम में अब चित्रकूट धाम में भी दीपावली के अवसर पर आयोजित होने वाले अमावस्या मेले को नव्य-दिव्य व भव्य स्वरूप देने का प्रयास योगी सरकार द्वारा किया जा रहा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद ने 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक पांच दिवसीय कार्यक्रम के मद्देनजर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। प्रक्रिया के अंतर्गत यहां विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं पर कार्य जारी हैं, मगर इन सबके बीच समूचे चित्रकूट धाम को आकर्षक साज-सज्जा से सजाने पर सबसे ज्यादा फोकस किया जा रहा है। सीएम योगी के विजन अनुसार, दीपावली व अमावस्या मेले के अवसर पर चित्रकूट धाम का कोना-कोना आकर्षक रोशनी व पुष्प सज्जा से खिल उठेगा। इंटेलिजेंट एलईडी लाइटिंग गेट्स की स्थापना होगी और रामायण मेला स्थल, रामघाट, रेलवे स्टेशन समेत तीर्थ क्षेत्र के 13 हॉटस्पॉट एरिया में व्यापक सजावट प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद की कार्ययोजना के अनुसार, दीपावली के अवसर पर आयोजित होने वाले अमावस्या मेले के लिए पूरे तीर्थक्षेत्र की व्यापक साज-सज्जा की जाएगी। इसमें दासा क्लॉथ व फूलों की लड़ियों समेत आकर्षक रंग-बिरंगी एलईडी लाइट्स को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, चित्रकूट धाम में मेला स्थल समेत 13 हॉटस्पॉट स्थलों पर इंटेलिजेंट एलईडी लाइटिंग गेट्स की स्थापना होगी, जो सहज ही यहां आने वाले लोगों की आकर्षण का केंद्र बनेंगे। यह गेट्स 40 फीट ऊंचे और 30 फीट चौड़े होंगे। यह अस्थायी पिक्सल रनिंग एलईडी गेट्स के तौर पर बनाए जाएंगे जिनका निर्माण भक्ति थीम पर आधारित होगा।

महाकुंभ के लिए योगी सरकार ने की व्यापक तैयारियां

● सात मार्गों को केंद्र में रखकर सरकार ने यातायात के लिए तैयार की अलग-अलग योजनाएं

लखनऊ/प्रयागराज। प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 के भव्य आयोजन के लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। योगी सरकार की कोशिश है कि श्रद्धालुओं को न सिर्फ महाकुंभ का आध्यात्मिक आनंद मिले, बल्कि उनकी यात्रा भी आसान और सुविधाजनक हो। इस दिशा में राज्य सरकार ने विशेष रूप से सड़क मार्ग से प्रयागराज तक की पहुंच को सरल बनाने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। सड़क मार्गों के विकास से लेकर पार्किंग, डिजिटल साइन बोर्ड, शटल बसें, ई-रिक्शा, और आपातकालीन योजनाओं तक, हर पहलू पर ध्यान दिया गया है। ये सभी कदम महाकुंभ 2025 को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित, और यादगार आयोजन बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

महाकुंभ 2025 के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के देशभर से प्रयागराज पहुंचने की उम्मीद है और इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने 7 प्रमुख मार्ग चिह्नित किए हैं। इन मार्गों पर यातायात के सुगम प्रवाह के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं, ताकि श्रद्धालु बिना किसी अवरोध के कुंभ नगरी तक पहुंच सकें। जिन 7 प्रमुख मार्गों को चिन्हित किया गया है उसमें जौनपुर मार्ग से 21व, वाराणसी मार्ग से 16व, मिर्जापुर मार्ग से 12व, रीवां मार्ग से 18व, कानपुर मार्ग से 14व, लखनऊ मार्ग से 10व और अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग से 9व श्रद्धालुओं के आवागमन की संभावना है। इन सात मार्गों को केंद्र में रखकर सरकार ने यातायात के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं। सामान्य दिनों और प्रमुख पर्वों के लिए यातायात की व्यवस्थाएं अलग होंगी। इन मार्गों पर एकल मार्ग (वन-वे) की व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे जाम की समस्या नहीं होगी और वाहनों का प्रवाह निर्बाध रहेगा।

महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए पार्किंग के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने 101 पार्किंग स्थलों का निर्माण सुनिश्चित किया है, जिनमें 5 लाख वाहनों के खड़ा होने की क्षमता होगी। इसमें 30 पार्किंग स्थल भारी वाहनों के लिए और 71 पार्किंग स्थल हल्के वाहनों के लिए चिह्नित किए गए हैं। इसके साथ ही, 20 पार्किंग स्थलों को सैटेलाइट टाउन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां श्रद्धालुओं को सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इस कदम से वाहनों की भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा जा सकेगा। इसके अलावा, 67 जनपदीय पार्किंग स्थल और 34 मेला पार्किंग स्थल भी बनाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को पार्किंग के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

महाकुंभ मेले का विशाल क्षेत्र और वहां पर लाखों श्रद्धालुओं का आवागमन एक बड़ी चुनौती होती है। इसे ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र को 10 जोन में विभाजित किया जाएगा और इन सभी जोन को 30 पान्टून पुलों के माध्यम से जोड़ा जाएगा। यह व्यवस्था इस तरह बनाई जा रही है कि श्रद्धालुओं को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही, मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन के लिए शटल बसें और ई-रिक्शा सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी। कुल 550 शटल बसें और 20,000 ई-रिक्शा मेले के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धालुओं को ले जाने के लिए उपलब्ध होंगे, जिससे लोगों को पैदल चलने में कठिनाई न हो और उनकी यात्रा आसान हो सके। महाकुंभ 2025 की एक और खास बात यह है कि इस बार सरकार ने डिजिटल तकनीक का व्यापक इस्तेमाल करने की योजना बनाई है। पूरे मेला क्षेत्र में 100 डिजिटल साइनेज और 80 विजुअल मैनेज डिस्प्ले (क्यूआर) लगाए जाएंगे। इन डिजिटल साइनेज और डिस्प्ले बोर्ड्स के माध्यम से श्रद्धालुओं को यातायात मार्ग, मेला क्षेत्र की जानकारी, पार्किंग की स्थिति और अन्य आवश्यक सूचनाएं आसानी से प्राप्त होंगी।

नाविकों व सफाई कर्मियों की बेटियों को को मिलेगा योजनाओं को लाभ

● 15 हजार सफाई कर्मियों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ने का किया जा रहा है प्रयास

लखनऊ/प्रयागराज। योगी सरकार प्रयागराज में होने वाले महाआयोजन महाकुंभ 2025 को यादगार बनाने के साथ ही इस आयोजन में मुख्य भूमिका निभा रहे सफाई कर्मियों और नाविकों के जीवन स्तर को भी ऊपर उठाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से जोड़ने के साथ ही प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना से जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। वहीं, सफाई कर्मियों और नाविकों की बेटियों को प्रदेश सरकार की कन्या सुमंगला योजना और शिक्षा प्रोत्साहन योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों और नाविकों और उनके परिजनों को इसका लाभ मिल रहा है।

कुंभ 2019 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुंभ मेला क्षेत्र के भ्रमण के दौरान मेला में कार्य करने वाले सफाई कर्मियों एवं नाविकों को स्वच्छ सेवा सम्मान (स्वच्छ कुंभ, स्वच्छ आधार) प्रदान किया था। इसी उद्देश्य से यहां स्वच्छ कुंभ कोष की स्थापना की गई है। वर्तमान में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से इस कोष में 30 करोड़ से ज्यादा की धनराशि से यहां काम करने वाले सफाई कर्मियों और नाविकों के हितों का ध्यान रखा जा रहा है। उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में अब तक 7798 को एलआईसी की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जोड़ा गया है, जिस पर करीब 2 करोड़ रुपए प्रीमियम अदा किया जा चुका है। इसी तरह, 12901 व्यक्तियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से आच्छादित किया गया है, जिस पर 30 लाख रुपए प्रीमियम अदा किया जा चुका है।

मेला एवं परेड क्षेत्र की वर्ष पर्यंत साफ सफाई व्यवस्था के लिए 144 सफाई कर्मियों तथा 1140 नाविक एवं माघ मेला 2024 में तैनात किए गए 2500 सफाईकर्मी समेत महाकुंभ में तैनात किए जाने वाले लगभग 15 हजार सफाई कर्मियों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान से आच्छादित करने के लिए विशेष आग्रह किया गया है, जिस पर कार्यवाही की जा रही है। इसी तरह, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत पंजीकृत और गैर पंजीकृत 18-40 वर्ष के श्रमिकों द्वारा ई पोर्टल पर आवेदन करने के लिए भी कार्यवाही श्रम विभाग के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही है। यूपी भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (यूपीबीओसीडब्ल्यू) में भी आच्छादन की कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त सफाई कर्मियों एवं नाविकों की बालिकाओं को इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित किए जाने का भी प्रयास किया जा रहा है तो उन्हें शिक्षा प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित किए जाने के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग से अनुमोदन का प्रयास किया जा रहा है। योगी सरकार द्वारा किए जा रहे ये सारे प्रयास महाकुंभ को स्वच्छ और यादगार बनाने की दिशा में यहां कार्य कर रहे तमाम सफाई कर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए हैं, ताकि वो पूरी प्रतिबद्धता से अपने कार्य को अंजाम दे सकें।

कुंभ क्षेत्र को दिव्य-भव्य और नव्य स्वरूप प्रदान कर रही है योगी सरकार

● कुंभ मेला क्षेत्र में 30 अस्थायी थिमैटिक गेट्स की होगी स्थापना

लखनऊ/प्रयागराज। प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ को योगी सरकार भव्य और दिव्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियों में जुटी है। कुंभ क्षेत्र में नदियों की बाढ़ की वजह से अभी तक कुंभ मेला प्रशासन का फोकस मेला की स्थाई तैयारियों की तरफ था लेकिन जैसे-जैसे नदियों का बाढ़ का पानी तेजी से घट रहा है अब कुंभ क्षेत्र में अस्थाई कार्यों ने भी रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया है। इन अस्थाई कार्यों में कुंभ क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी शामिल है। इसी क्रम में मेला क्षेत्र में थिमेटिक गेट्स का निर्माण किया जा रहा है। महाकुंभ में सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता के साथ-साथ महाकुंभ की सुंदरता को लेकर भी योगी सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है। महाकुंभ से पहले ही प्रयागराज को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि महाकुंभ के आयोजन के दौरान जब श्रद्धालु संगम नगरी पहुंचेंगे तो यहां की आभा देखकर न सिर्फ दंग रह जाएंगे, बल्कि पूरी तरह धार्मिक आस्था के रंग में सराबोर हो जाएं। शहरी इलाके में सौंदर्यीकरण की योजना पर कार्य गति पकड़ चुका है। लेकिन अब कुंभ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण की योजना पर कार्य शुरू हो गया है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि कुंभ क्षेत्र में सौंदर्यीकरण की योजना के अंतर्गत 30 अस्थाई थिमेटिक गेट्स के निर्माण की योजना है । बाढ़ की वजह से यह कार्य रुका हुआ था लेकिन अब बाढ़ का पानी कम होते ही अस्थायी थिमैटिक गेट्स की स्थापना के लिए ईओआई (एक्सप्रेशन ऑफ इन्ट्रेस्ट) आमंत्रित किए गए हैं। अभी तक 10 फर्मों से अभिरूचि के सापेक्ष 600 गेटों की डिजाईन प्राप्त हुई हैं । इन 600 डिजाईन में से चयनित डिजाईनों के अनुसार वित्तीय निविदा प्रक्रियाधीन है ।

इन सभी गेट्स के निर्माण के लिए कुंभ की पौराणिक कथा के प्रसंग में समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों का चयन किया गया है। पौराणिक मूर्ति विज्ञान को आधार में रखकर इन गेट्स का निर्माण किया जायेगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी का कहना है कि कुंभ क्षेत्र में चारो दिशाओं में इनका इनका निर्माण होगा लेकिन मेला क्षेत्र के जिन सेक्टर्स में पर्यटकों और श्रद्धालुओं का आवागमन अधिक रहता है उनमें इन गेट्स के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी।

बाढ़ से प्रभावित अन्नदाताओं के लिए मसीहा बनी योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार अन्नदाता किसानों की आय में वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है तो वहीं, उन्हें होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भी तत्पर रहती है। प्रदेश में बाढ़ की वजह से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए इस मानसून में अब तक 163.151 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया है। सरकार ने प्रदेश के बाढ़ से प्रभावित रहे 34 जिलों के 3,12,866 किसानों को मुआवजा जारी किया है। सर्वाधिक मुआवजा लखीमपुर खीरी के किसानों को दिया गया है। यहां के 1.10 लाख से अधिक किसानों को 70 करोड़ से अधिक रुपये का मुआवजा दिया गया है। राहत आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश के बाढ़ ग्रस्त इलाकों में क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे कराया गया अन्नदाताओं को समय से मुआवजा का भुगतान किया जा सके। नेपाल और पहाड़ी क्षेत्रों से छोड़े गये पानी से प्रदेश के 34 जिलों की 110989.26 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई थी।

मेला क्षेत्र में होगी 'नेत्र कुम्भ' की स्थापना

लखनऊ/प्रयागराज। योगी सरकार प्रयागराज में होने जा रहे ऐतिहासिक महाकुंभ 2025 को भव्य, दिव्य, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए दिन रात काम कर रही है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसी क्रम में मेला प्रशासन द्वारा महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों के लिए नेत्र कुंभ की स्थापना भी की जा रही है। 9 करोड़ से अधिक धनराशि से स्थापित होने वाला यह नेत्र कुंभ (नेत्र शिविर) श्रद्धालुओं को एक अस्थाई नेत्र देखभाल सुविधा प्रदान करेगा, जहां मेले के दौरान श्रद्धालुओं की दृष्टि सुधार, मोतियाबिंद सर्जरी और चश्मे का वितरण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। नेत्र कुंभ के लिए एक बड़ी केंद्रीय इकाई मुख्य मेला क्षेत्र में स्थापित की जाएगी जो प्राथमिक नेत्र देखभाल केंद्र के रूप में कार्य करेगी।

महाकुंभ 2025 में रिकॉर्ड संख्या में पूरे देश और दुनिया से श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। योगी सरकार और मेला प्रशासन इन श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अपनी ओर से शत प्रतिशत प्रयास कर रहा है। नेत्र कुंभ की स्थापना उसी दिशा में उठाया गया कदम है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9.15 करोड़ रुपए से अधिक का बजट प्रस्तावित किया गया है। इसके माध्यम से महाकुंभ के दौरान स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की नेत्र देखभाल सुरक्षित की जा सकेगी। यदि किसी श्रद्धालु को मोतियाबिंद सर्जरी की आवश्यकता होगी तो उसका भी प्रबंध किया जाएगा। वहीं नेत्र चेकअप के साथ ही चश्मे का वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। हजारों श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिल सकेगा।

नेत्र स्वास्थ्य और नियमित जांच के प्रति किया जाएगा शिक्षित

यह नेत्र कुंभ पूरी तरह श्रद्धालुओं की पहुंच में होंगे। तीर्थयात्रियों की आसान पहुंच के लिए इसे रणनीतिक रूप से कुंभ मेला परिसर के अंदर ही स्थापित किया जाएगा। इस नेत्र कुंभ में तीर्थयात्रियों और संतों की व्यापक स्तर पर आंखों की जांच सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए शिविर में नेत्र परीक्षण के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरणों को लगाया जाएगा। जांच के दौरान दृष्टि दोष वाले व्यक्तियों को चश्मा वितरित किया जाएगा, जबकि जिन मामलों में अधिक गंभीर समस्या पाई जाएगी वहां भागीदार अस्पतालों में मोतियाबिंद सर्जरी और अन्य आवश्यक उपचार की व्यवस्था की जाएगी। नेत्र देखभाल सेवाओं के साथ-साथ पहल का उद्देश्य लोगों को नेत्र स्वास्थ्य और नियमित जांच के महत्व को समझाना और उन्हें शिक्षित करना है।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों की जांच के माध्यम से एकत्र किए गए नेत्र स्वास्थ्य डाटा को डिजिटली सेव किया जाएगा। इससे रोगियों की स्थिति पर नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर इसका फॉलोअप किया जा सकेगा और आवश्यक देखभाल प्रदान करने में मदद मिलेगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। यहां पर्याप्त संख्या में नेत्र विशेषज्ञों को भी नियुक्त किया जाएगा और आवश्यक उपकरणों के साथ ही पर्याप्त मात्रा में दवाइयों की भी उपलब्धता रहेगी।

विजयदशमी पर कुंभकर्ण व मेघनाद के साथ रावण के पुतले का हुआ दहन

संवाददाता। फतेहपुर

विजयदशमी पर्व पर रावण दहन किया गया। विशालकाय अहंकारी रावण के साथ मेघनाथ व कुम्भकर्ण का भी पुतला फूंककर विजयदशमी पर्व मनाया गया। दशानन का पुतला फुंकते ही लंका पर जीत और प्रभु श्रीराम की विजय का ऐलान करते ही जय श्रीराम के उद्घोष गूँज उठे। इसी के साथ ही विजयदशमी का पर्व मनाया गया। मसवानी मोहल्ला स्थित अयोध्या कुटी में रावण दहन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक विक्रम अपनी पत्नी माला सिंह के साथ उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल रहे। रावण दहन से पूर्व ज़ोरदार आतिशबाजी के बीच मेघनाथ का पुतला दहन हुआ जिसके पश्चात कुंभकरण व अंत में अहंकारी रावण का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी, अन्नू श्रीवास्तव, धंनजय द्विवेदी, वीरेंद्र पांडेय, बच्चा तिवारी, ज्योति प्रवीण, सुनिधि तिवारी, अपर्णा गौतम, अर्चना त्रिपाठी, पूनम श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, रितिक पाल, विनय तिवारी, चंदन सिंह चौहान आदि रहे।

सजा राम दरबार: रावण वध शुरू होने के पूर्व मंच पर राम दरबार सजाया गया था। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विक्रम सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल समेत कमेटी के सदस्यों द्वारा राम दरबार में राम लक्ष्मण आदि की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

भगवान राम के धनुष तानते ही जल उठा रावण: मंच पर विराजमान भगवान राम के धनुष पर बाढ़ लगाते ही अहंकारी रावण के पुतले को दहन का संकेत मिलते ही दहन किया गया। इस दौरान रावण के पुतले में लगाई गई। आतिशबाज़ी ने लोगों ने मन मोह लिया और अहंकारी रावण का पुतला दहन होते ही तालियों की गडगडाहट के बीच जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा मैदान गूंज उठा।

राज्यमंत्री, पूर्व विप सभापति व एसपी की उपस्थिति में हुआ रावण दहन

कानपुर देहात। शनिवार की रात्रि को जनपद के सभी प्रमुख कस्बों में दशहरा के अवसर पर रावण वध के साथ अन्याय व दुराचार के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया। रूरा कस्बे में आयोजित रावण, अहिरावण वध की लीलाओं में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व विधानपरिषद सभापति सुखराम यादव, पूर्व सॉसद अनिल शुक्ला वारसी के साथ एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति ने परिवार के साथ लीला का आनन्द लिया। रूरा कस्बे में आयोजित लीला को सम्बोधित करते हुये पूर्व विधानपरिषद सभापति सुखराम यादव ने बताया कि भगवान मर्यादा पुरूषोत्तम राम सबके आर्दश व पूजनीय है और अनन्तकाल तक रहेंगे, उन्होंने कहा कि राजनैतिक मतभेद व अपने-अपने मातृदलों में निष्ठा के चलते आपस में वैचारिक मतभिन्नता हो सकती है परन्तु व्यक्तिगत रूप से हमारे सम्बन्ध सभी राजनैतिक विरोधियों से भी मित्रवत है। कार्यक्रम को राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सॉसद अनिल शुक्ला वारसी ने भी सम्बोधित किया। रूरा की 64 वर्ष पुरानी रामलीला में एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति भी परिवार के साथ सम्मिलित हुए।

सिरफिरे आशिक ने की थी प्रेमिका की हत्या, पुलिस ने किया खुलासा

- कोतवाली, एसओजी व सर्विलांस टीम ने सुलझाई अज्ञात शव की गुत्थी

संवाददाता। फतेहपुर

प्यार में ठुकराए जाने से आहत सिरफिरे प्रेमी ने ही अपनी प्रेमिका की हत्या करके शव को नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने अज्ञात महिला के शव को बरामद कर घटना का खुलासा करते हुए सिरफिरे आशिक को गिरफ्तार कर लिया।

पत्रकारों से बातचीत में पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि 4 अक्टूबर को सदर कोतवाली क्षेत्र के चौफेरवा नाले के पास एक अज्ञात महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव की पहचान अंशु देवी पत्नी करन यादव निवासी चौफेरवा थाना कोतवाली के रूप में की थी। पिता की तहरीर पर सदर कोतवाली में मु.अ.सं. 427/2024 धारा 103 (1) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। घटना के खुलासे के लिए सदर कोतवाली पुलिस के अलावा एसओजी व सर्विलांस टीम को लगाया गया था। विवेचना से प्रकाश में आए हत्याभियुक्त बाबू सिंह यादव उर्फ मुलायम सिंह पुत्र रामचन्द्र यादव निवासी चौफेरवा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने उसकी निशानदेही पर घटनास्थल के पास से एक आलाकत्ल ईंट, मृतका का बैग, मृतका का मोबाइल, घटना में प्रयुक्त बाइक व एक मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए अभियुक्त ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि वह मृतका से बेपनाह मुहब्बत करता था। वह प्रेमिका को अपने साथ रखना चाहता था।

लेकिन प्रेमिका ने उसके साथ रहने से इंकार कर दिया था और किसी अन्य व्यक्ति के साथ रहने की बात कह रही थी, जिससे आवेश में आकर उसने अपनी प्रेमिका अंशु देवी को मौत के घाट उतार दिया था।

भाजपाईयों के साथ बदसलूकी के आरोप में एसआई व आरक्षी निलंबित

कानपुर देहात। जनपद के रूरा थाना क्षेत्र में आयोजित की जा रही रामलीला के रावण दहन में परिवार के साथ सम्मिलित होने जा रहे एसपी की गाडी को मिनी अण्डरपास से निर्बाध रूप से आयोजन स्थल पहुँचाने हेतु भाजपाईयों की गाडी को वापस करने में हुये विवाद में खाकी ने अपना आपा खो दिया। भाजपाईयों ने रूरा थाने में तैनात एसआई व आरक्षी पर मारपीट का आरोप लगाते हुये देर रात तक हँगामा काटा, एसपी ने मामले को सॅज्ञान में लेते हुये आरोपी उपनिरीक्षक व आरक्षी को निलम्बित कर उच्चस्तरीय जॉच के आदेश दिये है।

घटनाक्रम के अनुसार एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति शनिवार की रात्रि रूरा कस्बे के रामलीला मैदान में आयोजित रावण दहन के कार्यक्रम में अपने परिवार के साथ सम्मिलित होने जा रहे थे। रूरा कस्बे के दक्षिणी हिस्से से उत्तरी हिस्से की ओर जाने के लिये एकमात्र साधन मिनी अण्डरपास के अन्दर से एक समय में एक ही वाहन निकल सकता है, एसपी के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चत करने के लिये पुलिस बल ने उत्तरी दिशा से दक्षिणी हिस्से की ओर जाने वाले वाहनों को कुछ देर के लिये रोकने का फैसला लिया, इसी दौरान युवा भाजपा नेता अभिषेक दीक्षित बउआ, शिवम अवस्थी, लोकेन्द्र सिंह व मनीष अवस्थी की गाडी अण्डपास मार्ग पर प्रवेश कर चुकी थी, पुलिस बल ने भाजपाईयों को अपनी गाडी वापस करने का आग्रह किया, इसी बात पर पुलिस बल व भाजपाईयों के बीच गाली गलौज व कहासुनी हो गयी, पुलिस बल ने भाजपाईयों को थाने ले आयी। भाजपा नेताओं ने अपने साथ बदसलूकी, गाली गलौज व मारपीट का आरोप उपनिरीक्षक देवेन्द्र व आरक्षी सतीश पर लगाकर मामले की सूचना चैयरमैन रामजी गुप्ता, भाजपा नेता कमलेश पाण्डेय सहित अन्य नेताओं को दी।

क्षत्रित समाज सनानत धर्म का बने ध्वज वाहकः राठौर

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जनपद में विजयदशमी के अवसर पर आयोजित क्षत्रिय महासभा के कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने शस्त्र पूजन के साथ ही कार्यक्रम को संबोधित संबोधित करते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज को एकत्रित रहना होगा और एक छत्र की भांति हिंदू समाज की रक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज सनातन धर्म का ध्वज बाहक बने।

सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि आज का कार्यक्रम असत्य पर सत्य की विजय धर्म पर धर्म की विजय बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक पर्व है। उन्होंने सभी जनपद वासियों को विजय दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। तानाशाही सरकार के खिलाफ जयप्रकाश नारायण ने आंदोलन किया था, अखिलेश यादव कांग्रेस से गठबंधन तोड़ा।

बीते दिन जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर अखिलेश यादव द्वारा दिए गए बयान पर उत्तर प्रदेश सरकार में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने पलट बार करते हुए कहा कि जो तानाशाही सरकार थी। जिसके खिलाफ जयप्रकाश नारायण जीने आंदोलन किया था। इस विचारधारा और उसी कांग्रेस पार्टी की गोद में बैठकर दूध पीने का काम कर रहे हैं और तानाशाही सरकार बोलकर आलोचना कर रहे हैं। उनको सोचना चाहिए कि वह कर क्या रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने कहा कि अगर उनमें ;अखिलेश यादवद्ध दम है तो कांग्रेस पार्टी से गठबंधन तोड़कर जयप्रकाश नारायण जी के विचारों के साथ चले और जयप्रकाश नारायण जी के विचारों को आगे बढ़ने का काम केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है। अखिलेश यादव द्वारा पुलिस अधिकारी से हुई बातचीत का बयान सामने आने के सवाल पर उन्होंने कहा उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में भरोसा नहीं है और वह अपने को मुख्यमंत्री का फ्लां कार्यकाल लिखते हैं लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नहीं लिखते हैं।

अखिलेश यादव पर सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने चुटकी लेते हुए कहा कि एक बार तो है माननीय मुलायम सिंह यादव जी की कृपा से मुख्यमंत्री बन गए लेकिन आप भविष्य में अखिलेश यादव कभी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे।

सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि सहकारिता विभाग की जमीनों का चिन्नांकन किया जा रहा है। जो लोग सहकारिता विभाग की जमीनों पर कब्जा किए हैं। उनके उनके घरों को बुलडोजर से ढाया जाएगा। और जो जमीन कब्जा की है उसको भी बुलडोजर से ढाया जाएगा।

प्रदेश की 50 सहकारी बैंकों में से 40 बैंक के घाटे से बाहर आ गई हैं . सहकारिता मंत्री

सहकारिता मंत्री ने जेपीएस राठौर ने सहकारी बैंकों के घाटे में चलने के सवाल पर कहा कि फर्रुखाबाद की सहकारी बैंक मुनाफे में चल रही है। और प्रदेश की 50 बैंकों में से 40 बैंक के घाटे से बाहर आ गई है। और 16 बैंक के बंद थी उनको चालू कराया गया । 31 मार्च 2025 को सभी 50 की पचासों जिला सहकारी बैंक के मुनाफे में होगी।

मूर्ति स्थापना विवाद में 26 लोग शांति भांग के आरोप में किए गए पाबंद

मोहम्मदी खीरी। रात को मूर्ति स्थापना को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद को लेकर पुलिस ने नगर पालिका अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा सहित 26 लोगों के विरुद्ध शांति भंग की कार्रवाई कर तीन लोगों को हिरासत में लिया है,मुहल्ला बाजार खुर्द स्थित भूमि का इकरारनामा अरविंद कुमार ने रामनाथ भारद्वाज से करवाया था, पड़ोस में ही कश्यप समाज द्वारा हरदेव जी महाराज की पीपल नीचे काफी समय से पूजा की जा रही है, जिसे लेकर कश्यप समाज ने वहां कुछ भूमि पर तार लगाकर उसकी हदबंदी कर दी।

जिसे लेकर अरविंद कुमार ने इसका लेकर विरोध जताया तो कश्यप समाज के लोगों ने कहा कि यह जगह हरदेव जी महाराज की है और इस पर हमारा समाज वर्षों से पूजा कर रहा है तुम लोग इसकी बिक्री नही कर सकते। वहीं शनिवार की रात को कश्यप समाज द्वारा प्रशासन को बिना बताए दुर्गा मां की मूर्ति की स्थापना की जा रही थी। जिसकी जानकारी अरविंद कुमार को हो गई तो उन्हीं के साथ में आए पालिका अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा ने उन लोगों को वहां से हटाने के लिए आग्रह किया तो दोनों में काफी कहासुनी होने लगी। मामले की सूचना प्रशासन को की गई तो स्थानीय प्रशासन द्वारा रात में ही मूर्ति को अपने कब्जे में ले लिया गया और पुलिस ने नगर पालिका अध्यक्ष व अरविंद सहित 10 लोगों तथा दूसरे पक्ष के 16 लोगों सहित 26 लोगों के विरुद्ध शांति भंग की कार्रवाई कर रात मे ही तीन लोगों को हिरासत में ले लिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा का कहना है कि उन्होंने अरविंद के साथ साझेदारी में उक्त भूमि को खरीदा है। जहां पर वह अपनी हद की चहारदीवारी करवा रहे हैं। कश्यप समाज उनकी ही भूमि पर अवैध रूप से मूर्ति स्थापित कर विरोध कर रहा था। इसी बात को लेकर रात में विवाद हुआ है। वहीं कश्यप समाज से मिलकर वार्ता कर ली गई है और वहां पर दुर्गा मां का मंदिर का निर्माण कर सुंदरीकरण कराया जाएगा,तथा मंदिर निर्माण के लिए 5 लाख रुपये से मंदिर का सुंदरीकरण कराया जाएगा कस्बा इंचार्ज बाबूराम मौर्य ने बताया कि कश्यप समाज द्वारा बिना शासन की अनुमति के मूर्ति स्थापित की जा रही थी। जहां दोनों पक्षों में विवाद हो गया। पुलिस ने शांति भंग में नगर पालिका अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा सहित 10 व दूसरे पक्ष के कश्यप समाज के 16 लोगों के विरुद्ध शांति भंग की कार्रवाई कर तीन लोगों को हिरासत में लेकर मूर्ति को प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया है।

अंततः रावण वध के साथ हुआ बुराई का अंत, उमड़ी भारी भीड़

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

आदर्श रामलीला समिति के तत्वाधान मे प्रतिवर्ष की भांति दशहरा पर्व पर रावण बध रामलीला का मंचन मोहल्ला रामगंज स्थित रामलीला मैदान मे किया गया। समिति के संरक्षक पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि इन्द्र कुमार गुप्ता एवं अध्यक्ष उत्कर्ष गुप्ता ने भगवान राम का तिलक व पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राम रावण के बीच हुये युद्ध मे भयंकर बाणों की बर्षा हुई। बाण लगते ही जहॉ एक ओर लंकापति राजा रावण धराशायी हो गया। वही बुराई पर अच्छाई की जीत हुई। सैकड़ो की संख्या मे मौजूद दर्शको ने जय श्रीराम के जयकारे लगाये।

शनिवार की सुबह से ही रावण बध लीला मंचन की तैयारियां शुरू हो गई। दुकानदारों ने खेल खिलौनों, मिठाईयों, गुब्बारों, मूर्तियों आदि की दुकाने सजानी शुरू कर दी। वही दूसरी ओर इस मैदान मे आदर्श राम लीला समिति द्वारा विशाल रावण का पुतला खड़ा किया गया। शाम होते ही राम लीला का मंचन करने वाले पात्र मैदान मे पहुंच गये। जहां राम लीला मंचन के दौरान लक्ष्मण व मेघनाद के बीच भीषण युद्ध हुआ जिसमें मेघनाद के बाणो से लक्ष्मण मूर्छित होकर गिर पड़े। राम रावण के बीच भयंकर युद्ध हुआ। दोनो पक्षों से बाणों की वर्षा हुई। सबसे अन्त मे भगवान राम ने विभीषण की सलाह पर लंकापति रावण की नाभि मे तीर मारा। बाढ़ लगते ही दशानन धराशायी हो गया। जैसे ही दशानन के पुतले का दहन किया गया मौजूद हजारो की संख्या मे लोगो ने जय श्रीराम के जयकारे लगाये। वहीं मेले मे बच्चो ने खूब खरीददारी कर झूले आदि का लुत्फ उठाया। इससे पूर्व दोपहर में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आन्नद नें मेला स्थल का निरीक्षण कोतवाल आलोक कुमार द्विवेदी को सुरक्षा व्यवस्था के कडे इन्तजाम किये के निर्देश दिये।

शारदीय नवरात्र के समापन पर हुए कन्या भोज आयोजन

गुरसहायगंज, कन्नौज। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिवस पर घरों सहित नगर के विभिन्न मंदिरों में मां भगवती की नवीं शक्ति सिद्ध दात्री की एडीएम व उनकी धर्मपत्नी, पालिकाध्यक्षा व वरिष्ठ समाजसेवी सहित श्रद्धालुओं द्वारा आरती वंदना व हवन पूजन कर उपासना की गई। पूजा अर्चना के बाद कन्या भोज व प्रसाद वितरण के आयोजन किए गए। शनिवार की सुबह से ही नगर के जीटी रोड चौराहा स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर में एडीएम आशीष कुमार सिंह व उनकी धर्मपत्नी ने वहीं सर्विस रोड स्थित सती माता मंदिर में पालिकाध्यक्षा मुन्नी गुप्ता एवं वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता नें श्रद्धालुओं के साथ सर्वप्रथम मां दुर्गा की नवीं शक्ति सिद्धिदात्री की आरती वंदना की एवं विधि विधान से हवन पूजन कर कन्याभोज कराकर दान दक्षिणा भेंट की गई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

सड़क दुर्घटना में मृत चरवाहे के परिजनों ने शव रख लगाया जाम

सुमेरपुर। थानाक्षेत्र के टेढ़ा गांव में मार्ग दुर्घटना में चरवाहा व दो भैंसों की मौत के मामले में नाराज परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से बांदा मार्ग पर पचखुरा मोड़ के पास जाम लगा दिया। जिससे दोनों ओर रोडवेज बसों सहित अन्य वाहन फंस गए। ग्रामीणों की मांग थी कि पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए तथा डीसीएम का नंबर खोज कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। सदर एसडीएम व सीओ सदर मौके पर पहुंचकर समझा बुझाकर जाम खुलवाया। टेढ़ा निवासी हरीप्रसाद पाल शुक्रवार को भैंस चराकर खेतों से घर वापस आ रहा था। तभी शाम बांदा रोड पर पचखुरा मोड के निकट तेज रफ्तार डीसीएम ने उसे व उसकी भैंसों को जोरदार टक्कर मार दी थी। जिससे एक भैंस की मौके पर मौत हो गई थी। जबकि दूसरी की मौत रात में हो गई। चरवाहा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया था। जहां शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को गांव लाया गया। लेकिन घटना करने वाली डीसीएम का नंबर पता न चलने से नाराज परिजनों ने सुबह साढ़े सात बजे ग्रामीणों के सहयोग से बांदा मार्ग पर पचखुरा मोड़ के पास रखकर जाम लगा दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा किया गया विजयदशमी उत्सव का आयोजन

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के छह उत्सव में से एक विजयदशमी उत्सव का आयोजन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ खंड निघासन के द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर बेलराया में आयोजित किया गया कार्यक्रम में नगर के सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पारम्परिक शस्त्रों का पूजन भी किया गया। कार्यक्रम को सह जिला शारीरिक शिक्षण प्रमुख रामनिवास जी ने शस्त्र पूजन कर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि आज का दिन हिन्दू समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि शक्ति की आराधना करके हमें समाज को मजबूत बनाना है। शक्तिशाली का समाज में सम्मान होता है। शक्ति ग्रहण करने के बाद भी हम धर्म का संरक्षण करते हैं न कि किसी दूसरे पर आक्रमण करते हैं, यह भारत का इतिहास रहा है हिन्दू समाज सदैव सम्पूर्ण विश्व को साथ में लेकर चलना चाहता है और विश्वबन्धुत्व का भाव रखता है। हमारा उद्देश्य धर्म स्थापना है। जब अधर्म का प्रभाव बढ़ता है तो वे लोग कोई समाज हित का कार्य नहीं होने देते हैं। रावण को जलाने का तात्पर्य अधर्म को जलाने से और उससे सीख लेना है कि हमे धर्म के कार्य को आगे बढ़ाना है। द्वापर युग में मानवता का क्षरण हो गया था, तब भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना हेतु आततायी कंस का वध किया। आज के ही दिन भगवान श्रीराम ने आज के ही दिन अत्याचारी रावण का अन्त किया।

पूज्य डा साहब अपने देश को उन्नत शिखर पर पंहुचाने के लिए हिंदू समाज को संघठित करने के उद्देश्य से आज विजयदशमी के अवसर पर संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि संघ व्यक्ति केंद्रित नहीं विचार केंद्रित संगठन है संघ गांधी जी के विचारों को आगे लेकर चलने वाला संगठन है। कार्यक्रम में खंड संघचालक प्रेम जी सोनी, सुनील सत्यार्थ, जितेन्द्र कुमार ,हनुमत शरण,खंड प्रचारक आदर्श, प्रभाकर मिश्र,उत्कर्ष,नितिन, राजीव पाण्डेय,रजनीश,अभिषेक दीक्षित,अजीत सिंह, लवकुश शर्मा, राजीव तूफानी, विनीत तिवारी, पवन कुमार सिंह,अनिल मिश्रा,श्रवण गुप्ता,पीतेश मौर्य तरुण जी,अनिल तिवारी,धर्मेंद्र सहित प्रशिक्षत स्वयंसेवक एवम् विभिन्न संगठनों के गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

दशहरे पर जला रावण, बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

संडीला, हरदोई। शीतला मंदिर परिसर में चल रही रामलीला में दशहरा के दिन रावण वध और पुतला दहन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। पिछले दस दिन से शीतला मंदिर परिसर में चल रही रामलीला के दसवें दिन श्रीराम रावण युद्ध के मंचन के बाद रावण, मेंघनाथ और कुंभकर्ण के विशालकाय पुतलों को भगवान श्री राम के अग्निबाण ने आग को समर्पित कर दिया और देखते ही देखते रावण और दूसरे पुतले धू-धूकर आतिश्बाज़ी और पटाखों के साथ जलना शुरू हो गए। यह पुतले काफ़ी देर तक जलते रहे। इस दौरान परिसर में उपस्थित हज़ारों लोग जय श्री राम के नारे लगाते रहे। बुहत बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों की भी इस दौरान उपस्थिति रही।

नगर और आसपास के घरों का शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जो रावण दहन देखने के लिए परिसर में न पहुंचा हो। नगर में चलने वाली यह रामलीला काफ़ी प्राचीन है। नगर पालिका परिषद के चेयरमैन स्व0 नवाब सैयद ऐजाज़ रसूल साहब ने इस रामलीला के लिए एक स्थान निर्धारित कराया, जिसके बाद यह रामलीला यहां लगातार चलती रही। लगभग 50 वर्ष पूर्व इस रामलीला के कार्यक्रमों की घोषणा बाकायदा एक घण्टी बजाकर स्व0 बिहारी द्वारा की जाती थी०

पीडीए साइकिल यात्रा का संडीला में हुआ जोरदार स्वागत

संडीला, हरदोई। समाजवादी पार्टी के नेता अजीत यादव के नेतृत्व में चल रही साइकिल यात्रा का संडीला पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस पीडीए यात्रा के संडीला पहुंचने पर वरिष्ठ सपा नेता वारसी, अभिषेक दीक्षित एडवोकेट, मो0 आलम खां समेत तमाम स्थानीय सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने साइकिल यात्री अजीत यादव का ज़ोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर अजीत यादव ने सपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को आम जन तक ले जाएं और भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे तमाम प्रकार के झूठ का पर्दा फार्ष करने के साथ साथ लोगों के बीच लगातार बाटी जा रही सांप्रदायिक नफ़रत को कम करने और लोगों को भाजपाइयों की वास्तविकता से अवगत कराने का आह्वान किया। उन्होंनें कहा कि भाजपा केवल समाज के दलित, पिछड़ों को आगे लाने की खोथी बात करती है और जातिगत जनगणना की मांग करने पर चुप्पी साध लेती है। इसी अवसर पर अभिषेक दीक्षित एडवोकेट ने कहा कि सभी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकजुट हैं और समाज के पिछड़े दलित और अल्पसंख्यक समुदायों समेत समाज के सभी वर्गों के हित के लिए कार्य करने के लिए संकल्पित हैं। स्वागत समारोह के बाद यह साइकिल यात्री लखनऊ के लिए प्रस्थान कर गए।

बस अनियंत्रित होकर पलटी, आधा दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल

संडीला, हरदोई। संडीला से बेनीगंज जा रही एक प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलट गयी, जिससे उसमें सवार यात्री घायल हो गए जिनमें से 6 की दशा गंभीर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक प्राइवेट बस शनिवार की देर शाम संडीला से सवारी लेकर बेनीगंज जा रही थी। जब यह बस लालपुर मोड़ के पास पहुंची तो सामने से दो गोवंश आ गए। इनको बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर पलट गयी। बस के पलटते ही चीख पुकार मच गयी। तमाम राहगीर और आसपास के लोग दौड़ कर आ गए और बस के अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। इनमें से आधा दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 12 वर्षीय संध्या पुत्री रमेश निवासी ग्राम पलिया, 50 वर्षीय मनोज पुत्र भइनु सिंह निवासी मजगवां थाना बेनीगंज, 40 वर्षीय सर्वेश कुमार पुत्र रामेश्वर निवासी मजगवां, 50 वर्षीय राधा पत्नी शारदा सिंह निवासी गुड़संडा थाना तड़ियावां गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इन्हें पहले सीएचसी कोथावां ले जाया गया जहां से इनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज हरदोई भेजा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से यातायात को सामान्य कराया।

साइबर अपराधी को कूटरचित सिम बेचने वाला गिरफ्तार

फतेहपुर। कूटरचित तरीके से ग्राहक के नाम से अतिरिक्त सिम निर्गत कर आर्थिक लाभ के लिए सिम बेंचने वाले अभियुक्त को साइबर क्राइम पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम ने थाने पर पंजीकृत एक अभियोग की विवेचना से घटना में प्रयुक्त मोबाइल सिम के सत्यापन से मोबाइल सिम एजेंट द्वारा कूटरचित तरीके से ग्राहक के नाम अतिरिक्त सिम निर्गत कर स्वयं के आर्थिक लाभ हेतु साइबर अपराधी को विक्रय करने में संलिप्तता प्रमाणित होने पर अभियुक्त/एजेंट हरिकेश यादव निवासी ग्राम दंदौली थाना मानिकपुर प्रतापगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने उसके पास से दो मोबाइल, 21 जियो सिम, आठ वोडाफोन सिम, तेरह एयरअेल सिम, एक बीएसएनल सिम व एक फिंगर बायोमैट्रिक मशीन बरामद की है।

खंभे से टकराकर बाइक सवार पेट्रोल पंप कर्मी की मौत

सुमेरपुर। थानाक्षेत्र के टेढ़ा गांव के निकट बांदा मार्ग में पेट्रोल पंप कर्मी की बाइक खंभे से टकरा गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और रात भर वहीं पड़ा रहा। सुबह जब राहगीरों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे पीएचसी लेकर पहुंची। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। देवगांव निवासी दिनेश पाल 35 पुत्र स्वण्छोटेलाल बाइक से सुमेरपुर के स्टेशन रोड के प्रेट्रोल पंप में सेल्समैन था ।शनिवार को वह पंप के साथियों से दशहरा मिलने के बाद शाम करीब चार बजे अपनी नाराज पत्नी को मनाने के लिए ससुराल बांदा जनपद के खपटिहा गांव गया था। रात में वह बाइक से कस्बे की ओर आ रहा था तभी नरहे बाबा के पास उसकी बाइक खंभे से टकरा गई।

महाराष्ट्र की जनता परिवर्तन को उत्सुक: शरद पवार

भाषा। मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोग राजनीतिक बदलाव के लिए उत्सुक हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों में यह भावना प्रतिबिंबित होगी। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दल संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे का फॉर्मूला घोषित कर सकते हैं। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश करना विपक्षी गठबंधन की तत्काल प्राथमिकता नहीं है। पटोले का यह रुख शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग से अलग है। महा विकास आघाडी (एमवीए) के अन्य घटकों के नेताओं के साथ यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने दावा किया कि महायुति शासन के तहत राज्य प्रशासन का मनोबल गिर गया है जबकि महाराष्ट्र प्रशासन को देश में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था। उन्होंने कहा, हम लोगों को वर्तमान सरकार से मुक्ति दिलाना चाहते हैं और मुझे विश्वास है कि वे हमारा समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एमवीए लोकसभा चुनाव जैसा प्रदर्शन दोहराएगा। विपक्षी दलों ने कहा कि राकांपा नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या राज्य के लिए चौंकाने वाली और शर्मनाक है तथा दावा किया कि मुंबई में अराजकता की स्थिति है। महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजित पवार नीत राकांपा शामिल हैं। आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के लिए एमवीए के मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर एक सवाल के जवाब में ठाकरे ने कहा कि चुनाव में विपक्षी गठबंधन और सत्तारूढ़ महायुति के बीच मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, महायुति को अपना मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने दें, एमवीए भी उसका अनुसरण करेगा। पवार और पटोले ने कहा कि ठाकरे ने एमवीए की स्थिति स्पष्ट कर दी है। पटोले ने कहा, हमारा उद्देश्य सरकार को हराना है, न कि मुख्यमंत्री का चेहरा पेश करना। एमवीए ने राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार पर निशाना साधते हुए गद्दारांचा पंचनामा (गद्दारों का साक्ष्य रिकॉर्ड) नाम से दस्तावेज जारी किया। इसमें विपक्षी गठबंधन ने शिंदे सरकार पर महाराष्ट्र से विश्वासघात करने और पड़ोसी गुजरात के हित में काम करने का आरोप लगाया है। गठबंधन अकसर सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति पर गुजरात के पाले में जा रही बड़ी योजनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का आरोप लगाता रहा है। एमवीए नेताओं ने कहा कि गद्दारांचा पंचनामा में राज्य सरकार के विधायकों और पार्षदों की खरीद, सरकारी अधिकारियों के स्थानांतरण, सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए रेट कार्ड के साथ-साथ धारावी पुनर्विकास परियोजना, (मुंबई) सड़क के डामरीकरण और निविदाओं में घोटालों की सूची हैं। पंचनामा में आवश्यक वस्तुओं की कीमत में ऐतिहासिक मूल्य वृद्धि का भी उल्लेख है। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि हाल में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के वोट प्रतिशत में केवल 0.6 प्रतिशत का अंतर है, फिर भी भाजपा को अधिक सीट मिलीं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम पर चर्चा क्यों नहीं की जाती? अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, पार्टी (भाजपा) को वहां के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करनी चाहिए थी। पवार ने महाराष्ट्र में हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने बंजारा समुदाय के लिए कुछ नहीं किया।

एमवीए ने शिंदे सरकार का पंचनामा जारी किया

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र का विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने रविवार को राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार पर निशाना साधते हुए गद्दारांचा पंचनामा (गद्दारों का साक्ष्य रिकॉर्ड) नाम से दस्तावेज जारी किया। इसमें विपक्षी गठबंधन ने शिंदे सरकार पर महाराष्ट्र से विश्वासघात करने और पड़ोसी गुजरात के हित में काम करने का आरोप लगाया है। एमवीए में उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस शामिल है। गठबंधन अकसर सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति पर गुजरात के पाले में जा रही बड़ी योजनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का आरोप लगाता रहा है। एमवीए द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शिवसेना और राकांपा में हुए विभाजन का हवाला देते हुए

● घोटालों की सूची और भ्रष्टाचार रेट कार्ड शामिल

कहा, केवल मैं और शरद पवार ही नहीं हैं जिनके साथ गद्दारों ने विश्वासघात किया है बल्कि स्वयं महाराष्ट्र को विश्वासघात का सामना करना पड़ा है। यह महायुति का सबसे बड़ा पाप है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और उप मुख्यमंत्री अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल है। एमवीए नेताओं ने कहा कि गद्दारांचा पंचनामा में राज्य सरकार के विधायकों और पार्षदों की खरीद, सरकारी अधिकारियों के स्थानांतरण, सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए रेट कार्ड के साथ-साथ धारावी पुनर्विकास परियोजना, (मुंबई) सड़क के डामरीकरण और निविदाओं में घोटालों की सूची हैं। पंचनामा में आवश्यक वस्तुओं की कीमत में ऐतिहासिक मूल्य वृद्धि का भी उल्लेख है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पाटोले ने कहा कि यहां तक कि शिंदे सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने में भी भ्रष्टाचार किया जबकि महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं जो सत्तारूढ़ गठबंधन का सबसे गंभीर पाप है। पटोले ने कहा, भ्रष्टयुति ने महाराष्ट्र के उद्योगों को गुजरात भेज दिया। हमें सत्तारूढ़ गठबंधन को युवाओं से नौकरियों को छीनने के लिए सबक सीखाना होगा। बार-बार भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने और संविदा कर्मियों की भर्ती से राज्य के युवाओं की जिंदगी बर्बाद हो गई है। ठाकरे ने कहा कि एमवीए के सत्ता में आने के बाद हम नौकरी देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पटोले ने कहा कि शिंदे सरकार को सत्ता से बाहर करना होगा क्योंकि उसने घृणा फैलाई है और जातियों व समुदायों में द्वेष पैदा किया है।

विद्यारंभम: विजया दशमी पर केरल में छोटे बच्चों का अक्षरों की दुनिया में पदार्पण

तिरुवनंतपुरम। केरल में रविवार को विजया दशमी के अवसर पर मंदिरों में विद्यारंभम अनुष्ठान आयोजित कर छोटे बच्चों का परिचय अक्षरों से कराया गया। विद्यारंभम नौ-दिवसीय वार्षिक नवरात्र उत्सव के समापन का प्रतीक है। इस दक्षिणी राज्य में विजया दशमी को विद्यारंभम , अर्थात शिक्षा के प्रारंभ के दिन के रूप में मनाया जाता है।रीति-रिवाज के अनुसार, विद्वान, लेखक, शिक्षक, पुजारी और समाज के अन्य प्रमुख व्यक्ति राज्य भर के मंदिरों और सांस्कृतिक केंद्रों में बच्चों को, आमतौर पर दो से तीन वर्ष की आयु के बच्चों को, हरि श्री गणपतए नम: मंत्र के साथ उनका पहला अक्षर लिखवाते हैं।केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यहां राजभवन में कई बच्चों को अक्षर ज्ञान की शिक्षा दी, जहां समारोह के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। खान ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, दुनिया भर के केरलवासियों को विजया दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। उन सभी बच्चों को मेरी शुभकामनाएं जो विद्यारंभम- अक्षर और ज्ञान की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी अपने आवास पर बच्चों को अक्षर और ज्ञान की दुनिया से परिचित कराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और सीखने का माहौल बनाया जाना चाहिए, क्योंकि शिक्षा और ज्ञान सामाजिक प्रगति में योगदान देने वाले कुछ मुख्य कारक हैं। विधानसभा अध्यक्ष ए.एन. शमशीर और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने भी बच्चों को अक्षरों की दुनिया से परिचित कराया।

उत्तराखंड में भूमि जिहाद, थूक जिहाद नहीं चलेगा: धामी

भाषा। देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में धर्मांतरण, अतिक्रमण, भूमि जिहाद और थूक जिहाद नहीं चलेगा और इसे रोकने के लिए उन्होंने समाज के पढ़े-लिखे वर्ग से आगे आने का आह्वान किया।उधमसिंह नगर जिले के किच्छा में नागरिक अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है जहां सब मिलजुलकर रहते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन उत्तराखंड के अंदर धर्मांतरण नहीं चलेगा, अतिक्रमण नहीं चलेगा, लैंड (भूमि) जिहाद नहीं चलेगा। उत्तराखंड में कुछ लोग थूक जिहाद कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश के अंदर थूक जिहाद नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, समाज के अंदर खराब चीजों को रोकने के लिए पढ़ेलिखे लोगों को आगे आना चाहिए। जो गलत चीज है, वह बर्दाश्त नहीं होगी। उत्तराखंड में यह किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। हाल में पर्यटक नगरी मसूरी में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली के निवासी दो भाई नौशाद अली और हसन अली को चाय के बर्तन में थूकने और उस चाय को ग्राहकों को पिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार कठोर, लेकिन जरूरी निर्णय ले रही है। उन्होंने सख्त नकल विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून आदि का जिक्र किया तथा कहा कि जल्द ही प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी लागू होने जा रही है। उन्होंने कहा कि यूसीसी के लिए उत्तराखंड की जनता ने उनकी सरकार को जनादेश दिया था और स्वतंत्र भारत में यूसीसी लागू करने वाला यह पहला राज्य बनेगा।उन्होंने कहा कि सख्त नकल कानून लाने के बाद उनकी सरकार पिछले तीन साल में युवाओं को 17,000 से ज्यादा सरकारी नौकरियां दे चुकी है।धामी ने कहा कि अब उनकी सरकार सख्त भूमि कानून बनाने वाली है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह पहले ही साफ कर चुके हैं कि हम यहां उद्योग, पर्यटन और निवेश करने वालों को कोई दिक्कत नहीं होने देंगे जिनके यहां काम करने से लोगों को रोजगार मिलगा।हालांकि, उन्होंने कहा कि हम भूमाफिया और उन लोगों के खिलाफ कार्वाई करेंगे।

दुर्गा पूजा पंडालों की प्रतिमाओं को अपवित्र करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

गोलाघाट। असम के गोलाघाट जिले में दो दुर्गा पूजा पंडालों में प्रतिमाओं को अपवित्र करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक न होने का संदेह है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति पर शनिवार रात को आनुष्ठानिक समारोह समाप्त होने के बाद गोलाघाट पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत रोंगाजन और मोरोंगी क्षेत्रों में पूजा पंडालों में प्रतिमाओं को तोड़ने का संदेह है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति आदिवासी समुदाय से है।अधिकारी ने कहा, इस बात की जांच की जा रही है कि घटना में और लोग शामिल थे या नहीं। गिरफ्तार व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने का संदेह है।

हैदराबाद में अलाई बलाई कायक्रम में पांच राज्यों के राज्यपाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री शामिल हुए

हैदराबाद। दशहरा के अवसर पर रविवार को यहां आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम अलाई बलाई मे पांच राज्यों के राज्यपाल, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बी. संजय कुमार सहित कई नेताओ ने शिरकत की। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अलाई बलाई कार्यक्रम की संकल्पना की थी, जो विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगो को एक साझा मंच पर लाने के लिए एक गैर-राजनीतिक मंच है। यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से दशहरा उत्सव के अवसर पर आयोजित किया जाता रहा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि दत्तात्रेय पिछले 19 वर्षों से दशहरा उत्सव पर अलाई बलाई कार्यक्रम का आयोजन करते रहे है।उन्होंने कहा कि दत्तात्रेय अलाई बलाई के माध्यम से तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है। रेड्डी ने कहा कि अलाई बलाई कार्यक्रम ने तेलंगाना ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के गठन को प्रेरित किया, जब पृथक तेलंगाना राज्य के गठन में देरी हो रही थी और इसने तेलंगाना की संस्कृति के संरक्षण के महत्व का भी प्रचार किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान हर वर्ग को सक्रिय करने और आगे बढ़ाने मे अलाई बलाई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होने पहले ही सरकार और पार्टी नेतृत्व से अलाई बलाई में भाग लेने और तेलंगाना संस्कृति को संरक्षित करने की जिम्मेदारी लेने को कहा है। कार्यक्रम को संबोधित करने वालो मे दत्तात्रेय, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, मेघालय के राज्यपाल सीएच विजयशंकर, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊबागडे, जी किशन रेड्डी और तेलंगाना के कुछ मंत्री शामिल थे।तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़, बीआरएस नेता और विभिन्न संगठनों के नेता इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

एनसीपीसीआर के निर्देशों का केरल के मदरसों पर कोई फर्क नही पड़ेगा: मुस्लिम नेता

तिरुवनंतपुरम। मुस्लिम समुदाय के संगठनो और नेताओ ने रविवार को कहा कि मदरसों को सरकारी आर्थिक सहायता देने पर रोक लगाने की एनसीपीसीआर की अपील से केरल के मदरसों पर कोई फर्क नही पड़ेगा क्योंकि इन्हे राज्य में ऐसी कोई वित्तीय मदद नही मिलती। इस्लामी मामलो के जानकार और समस्त केरल जमीयत उल उलेमा के नेता अब्दुल समद पुक्कोट्टूर ने कहा कि केरल मे मुस्लिम समुदाय अपने खर्ज पर मदरसों का संचालन करता है और सरकारी धन स्वीकार नही करता। समस्त केरल जमीयत उल उलेमा को समस्त के नाम से भी जाना जाता है, यह सुन्नी विद्वानो का एक संघ है। मलप्पुरम मे पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सामान्य शिक्षा की तरह धार्मिक शिक्षा भी छात्रों का समान अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारत मे लोगों को अपने-अपने धर्मों का प्रचार करने, उनमें आस्था रखने और उनका पालन करने का अधिकार है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के निर्देश का केरल पर कोई प्रभाव नही पड़ेगा, क्योंकि यहां कोई भी मदरसा सरकार से कोई विशेष सहायता नही लेता। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई उत्तर भारतीय राज्यों मे ऐसे मदरसे और मदरसा बोर्ड जैसी संस्थाएं है, जिन्हें सरकारी सहायता मिलती है। उन्होने कहा, केरल मे मदरसे सरकार से कोई फंड नही मांगते। उन्हें सरकार से कोई विशेष सहायता नही मिलती। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और इंडियन नेशनल लीग (आईएनएल) जैसे राजनीतिक दलो ने भी एनसीपीसीआर के निर्देशो की आलोचना की है। इस बीच, सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में दूसरे सबसे बड़े गठबंधन सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कहा कि मदरसों की आर्थिक सहायता पर रोक लगाने का एनसीपीसीआर का प्रस्ताव देश मे मुस्लिम समुदाय को हाशिए पर डालने और अलग-थलग करने के संघ परिवार के एजेंडे का हिस्सा है।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त में महाप्रसाद वितरित करने की योजना

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर मे महाप्रसाद श्रद्धालुओं को मुफ्त मे वितरित करने की योजना बना रही है। राज्य के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने रविवार को यह जानकारी दी। हरिचंदन ने यहां संवाददाताओ से कहा कि जल्द ही इस योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होने कहा कि मुफ्त में महाप्रसाद वितरित करने के फैसले को लागू करने पर सरकार को सालाना 14 से 15 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हरिचंदन ने कहा, हम आर्थिक रूप से संपन्न कुछ श्रद्धालुओ को इस योजना से जोड़ने की कोशिश कर रहे है। कुछ पहले ही इस पहल में सहयोग को सहमत हो चुके है। मंत्री ने कहा कि इस पहल को पवित्र उड़िया महीने कार्तिक के बाद लागू किए जाने की संभावना है। उन्होने कहा कि इसी प्रकार, कार्तिक माह के दौरान विशिष्ट अनुष्ठान करने वाली महिलाओ हबिसयाली के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। हरिचंदन ने कहा, हमने सार्वजनिक दर्शन (जगन्नाथ मंदिर) को सुव्यवस्थित करने के लिए एक योजना बनानी शुरू की है। एक समर्पित प्रणाली स्थापित की जाएगी

बालाघाट में सड़क हादसे में सीआरपीएफ के एक जवान की मौत, चार घायल

भोपाल। मध्यप्रदेश के नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले में रविवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का गश्ती वाहन पेड़ से टकरा गया, जिससे एक जवान की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। बालाघाट के पुलिस अधीक्षक नागेंद्र सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इस दुर्घटना में पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के धमतरी के निवासी तारकेश्वर (22) की मौके पर ही मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों-- निरीक्षक उमेश (30), सहायक उपनिरीक्षक यदुनंदन पासवान (57), बिरजू दास (44) और जवान राकेश यादव का पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गोंडिया जिले के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। सिंह ने बताया कि ए सभी सीआरपीएफ की सातवीं डी कंपनी 4 से जुड़े थे और गश्त पर थे। उसी दौरान उनकी एसयूवी कार कुडान गांव के पास एक पेड़ से टकरा गई।

नासिक मंदिर के मुख्य पुजारी, अधिवक्ता वक्फ विधेयक पर संसदीय समिति के समक्ष अपने विचार साझा करेंगे

भाषा। नई दिल्ली

नासिक के एक मंदिर के मुख्य पुजारी, तीन अधिवक्ता और एक मुस्लिम संगठन के प्रतिनिधि उन लोगों में शामिल हैं, जो सोमवार को संसदीय समिति के समक्ष वक्फ विधेयक पर अपने विचार साझा करेंगे।वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति की सोमवार और मंगलवार को यहां बैठक होने वाली है, जिसमें वह जमीयत उलेमा-ए-हिंद, दिल्ली और गोवा की सनातन संस्था के प्रतिनिधियों का पक्ष सुनेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति नासिक के श्री कालाराम मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सुधीरदास महाराज का भी पक्ष सुनेगी। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय, विष्णु शंकर जैन और अमिता सचदेवा भी समिति के समक्ष विधेयक पर अपने विचार साझा करेंगे। सचदेवा हिंदू जनजागृति समिति, गोवा का प्रतिनिधित्व करते हैं। कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपदी को भी मसौदा कानून पर अपने विचार साझा करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। मसौदा कानून के संबंध में अपने-अपने दृष्टिकोण के लिए समर्थन जुटाने के लिए प्रतिद्वंद्वी समूहों द्वारा शुरू किए गए अभियानों के बीच दोनों सदनों की संयुक्त समिति को 1.2 करोड़ ईमेल प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। सूत्रों ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति को संबंधित विचारों का समर्थन करने वाले दस्तावेजों के साथ 75,000 प्रतिक्रियाएं भी मिली हैं, जिसके कारण समिति को लोकसभा सचिवालय से अतिरिक्त स्टाफ की मांग करनी पड़ी है। इन परामर्शों के माध्यम से, समिति वक्फ (संशोधन) विधेयक के प्रमुख पहलुओं की पड़ताल करेगी।

बाबा सिद्दीकी और बॉलीवुड के बीच था गहरा नाता

भाषा। नई दिल्ली

बाबा सिद्दीकी ने कभी एक दूसरे के कट्टर विरोधी रहे सुपरस्टार सलमान खान और शाहरुख खान के बीच सुलह कायम कराई थी, जो 2013 के सबसे वायरल क्षणों में से एक था। वह सिनेमा के दिग्गज सुनील दत्त के शिष्य, यहां तक कि उनके दूसरे बेटे के रूप में माने जाते थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी राजनीति और हिंदी फिल्मोद्योग के सहसंबंध के प्रतीक थे। शनिवार रात गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। उनकी इफ्तार पार्टी में बड़ी-बड़ी फिल्मी हस्तियां पहुंचती थीं जिनमें खान (सलमान खान,शाहरूख खान), फिल्मकार कबीर खान, सेलिब्रिटी डिजाइनर मनीष मल्होत्रा और अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर, कैटरीना कैफ, हुमा कुरैशी, सोनू सूद, सुशांत सिंह राजपूत, अंकिता लोखंडे, कियारा आडवाणी, आर माधवन और अदिति राव हैदरी आदि शामिल होते थे। सुनील दत्त की बेटी और कांग्रेस नेता प्रिया दत्त ने कहा है कि वह सिद्दीकी की हत्या से स्तब्ध हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, बाबा (सिद्दीकी) मात्र एक राजनीतिक सहयोगी नहीं थे बल्कि वह परिवार के सदस्य थे। मेरे पिता के लिए बाबा सिद्दीकी एक बेटे की तरह थे और मेरे लिए वह एक भाई एवं एक प्यारे दोस्त थे। बॉलीवुड की गलियारों में चर्चित हस्ती बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात मुंबई में बांद्रा ईस्ट इलाके के खेर नगर में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बाबा सिद्दीकी ने कोविड-19 महामारी के दौरान मरीजों को जीवन रक्षक दवाइयां उपलब्ध कराकर प्रशंसा पाई थीं। दिवंगत कांग्रेस सांसद सुनील दत्त ही बाबा सिद्दीकी को राजनीति में लेकर आए थे। सुनील दत्त ने लगातार पांच बार मुंबई उत्तरी सीट का प्रतिनिधित्व किया था। बाबा सिद्दीकी 1977 में किशोरवय अवस्था में कांग्रेस में शामिल हुए थे। जब वह फरवरी में अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा का हिस्सा बन गए तब भी उन्होंने अपने राजनीतिक करियर में सुनील दत्त की भूमिका स्वीकार की थी। प्रिया दत्त ने कहा कि बाबा सिद्दीकी अपने राजनीतिक करियर के दौरान उनके पिता के साथ खड़े रहे। उन्होंने लिखा, जब मैं राजनीति में आई, तो उन्होंने हर उतार-चढ़ाव के दौरान मेरा मार्गदर्शन किया, अपना अटूट समर्थन दिया। उनका जाना परिवार के किसी सदस्य के चले जाने जैसा है। भाभी, जीशान और आर्शिया के लिए मेरा दिल दुखता है। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर लिखा, भगवान उन्हें इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

पेज 1 का शेष

अब चल...

पर उनकी आलोचना करते हुए कहा, मुझे लगता है कि उन्हें (शरद पवार) केवल सत्ता चाहिए। इतनी गंभीर घटना के बाद भी, उनकी आंखों में सत्ता की लालसा है, जबकि हमें केवल महाराष्ट्र की चिंता है। हम महाराष्ट्र को प्रगति देखना चाहते हैं। हम महाराष्ट्र का विकास करना और उसे सुरक्षित रखना चाहते हैं। वे केवल सत्ता को देखना चाहते हैं और बात करना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपनी पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा, बाबा सिद्दीकी की दुखद मौत से एनसीपी पूरी तरह टूट गई है, वह एक ऐसे नेता थे जिन्हें बहुत से लोग प्यार करते थे और व्यक्तिगत रूप से मैंने एक ऐसा प्रिय मित्र खो दिया है जिसे मैं वर्षों से जानता था। अजित पवार ने विपक्षी दलों से हत्या का राजनीतिकरण करने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, मैं सभी से इस भयावह घटना का राजनीतिकरण करने के लोभ का विरोध करने का दृढ़ता से आग्रह करता हूं। अजित पवार ने कहा, यह विभाजन का समय नहीं है या राजनीतिक लाभ के लिए दूसरों की तकलीफ में मौका तलाशने का समय नहीं है। अभी हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि न्याय मिले। हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक जिम्मेदार लोगों को सजा नहीं मिल जाती।

नवरात्र....

दिया कि कार्रवाई की जाएगी, हालांकि, रविवार तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि, इस शहर में एक अकेली कामकाजी महिला के रूप में, जिसका काम से देरी से वापस आना और रात में बाहर जाना है, कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि शिकायत दर्ज कराने से कितनी सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा होती हैं। ऐसे में क्या होगा अगर वे मुझे अकेला पाएँ और मुझ पर हमला करें, उन्होंने मेरा चेहरा देखा होगा, जबकि मैं उनकी पहचान से अनजान हूं। यह सवाल एक महिला के जेहन में कौंधता है, ऐसे देश में जहां सामूहिक बलात्कार और हत्याएं रोज़मर्रा की बात हो गई हैं और आरोपी बेखौफ़ रहते हैं। ऐसे में मुझे बचाने वाला मेरा मित्र जो एक राजनीतिक सलाहकार है, वह तब से डर के साये में है। उन्होंने कहा, यह एक डरावना पल था, मैं देख सकता था कि अगर मैं पर्याप्त रूप से तत्पर नहीं होता तो कोई गंभीर दुर्घटना घट सकती थी। लेकिन यह सब खत्म होने के बाद, मैं बस यही सोच रहा था कि मैं इन सब से कैसे बचूं। यह एक धार्मिक उत्सव की रात थी, जहां लोग नशे में धुत होकर सड़कों पर हंगामा करने के साथ दूसरों को बर्बाद करने का एक कार्यक्रम बना लिया है। 25 वर्षीय युवक ने कहा, सुरक्षा एक मौलिक प्रवृत्ति है, इस तरह की चीजों ने मेरे जैसे कट्टर देशभक्त को भी यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या मुझे पहले अवसर पर ही इस देश को छोड़ देना चाहिए और किसी सुरक्षित स्थान पर बस जाना चाहिए। इस तरह के शराबियों द्वारा त्योहारों को बर्बाद करते देखना भी मेरे लिए निराशाजनक है। धार्मिक लोगों को आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है, जबकि धर्म के प्रति उत्साह बढ़ता जा रहा है, धार्मिकता धीरे-धीरे खत्म हो रही है। घटना के समय मौजूद एक व्यक्ति ने कहा, ऐसा होता रहता है, लोग अब सड़कों पर खुलेआम शराब पी रहे हैं, ऐसा लगता है कि कानून का कोई डर नहीं है। वही लोग फिर महिलाओं से छेड़छाड़ करते हैं, लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं और कुल मिलाकर सड़कों पर अराजकता फैलाते हैं।

वक्फ ..

समर्थन जुटाने के लिए प्रतिद्वंद्वी समूहों द्वारा शुरू किए गए अभियानों के बीच दोनों सदनों की संयुक्त समिति को 1.2 करोड़ ईमेल प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। संसदीय सूत्रों ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त समिति को संबंधित विचारों का समर्थन करने वाले दस्तावेजों के साथ 75,000 प्रतिक्रियाएं भी मिली हैं, जिसके कारण पैनल को लोकसभा सचिवालय से अतिरिक्त स्टाफ की मांग करनी पड़ी है। इन परामर्शों के माध्यम से, पैनल वक्फ (संशोधन) विधेयक के प्रमुख पहलुओं की जांच करेगा, जिसमें अभिलेखों का डिजिटलीकरण, अधिक कठोर लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं, अतिक्रमण से निपटने के लिए बेहतर कानूनी उपाय और वक्फ प्रबंधन का विकेंद्रीकरण शामिल है।

पुरानी बसों...

पर यातायात प्रभावित हुआ। दूसरी घटना में, राज नगर फ्लाईओवर पर एक ट्रक के खराब होने की वजह से एम्स से मोती बाग की ओर जाने वाले मार्ग पर एमजीएम (रिंग रोड) पर यातायात प्रभावित हुआ है। तीसरी घटना एमजीएम (रिंग रोड) पर आईजी स्टेडियम के पास राजघाट से सराय काले खां की ओर जाने वाले मार्ग पर आईपी फ्लाईओवर पर एक एमजीवी के खराब होने की वजह से प्रभावित हुई है। चौथी घटना में, आली गांव बस स्टैंड के पास एक ट्रक के खराब होने के चलते मथुरा रोड पर सरिता विहार से बदरपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है। पांचवीं घटना में, मूलचंद अंडरपास पर एक माल ढोने वाले वाहन के खराब होने की वजह से आश्रम चौक से मूलचंद अंडरपास की ओर जाने वाले मार्ग पर रिंग रोड पर यातायात प्रभावित हुआ है। रिंग रोड का यह हिस्सा दिल्ली के सबसे व्यस्त हिस्सों में से एक माना जाता है। इसी तरह, बृहस्पतिवार को ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया पोस्ट पर वाहनों के खराब होने की चार घटनाएं दर्ज की गईं। नारायणा फ्लाईओवर पर एक माल ढोने वाले वाहन के खराब होने के कारण राजा गार्डन से दिल्ली कैंट मेट्रो स्टेशन की ओर जाने वाले कैरिजवे में रिंग रोड पर यातायात प्रभावित रहा। सीआरआरआई रेड लाइट के पास एक माल ढोने वाहन के खराब होने के कारण ओखला से सीआरआरआई की ओर जाने वाले कैरिजवे में मथुरा रोड पर यातायात प्रभावित रहा। अक्षरधाम फ्लाईओवर से उतरते समय स्ट्रॉ ट्रॉली के पलट जाने के कारण अक्षरधाम से चिल्ला बॉर्डर की ओर जाने वाले कैरिजवे में नोएडा लिंक रोड पर यातायात प्रभावित है। यह दिल्ली की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है जो दिल्ली और उत्तर प्रदेश को जोड़ती है। ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, पिछले शुक्रवार से यातायात बाधित करने वाली 50 ब्रेकडाउन में से यह भी शामिल थी। बसों के खराब होने की दर्जनों घटनाएं हुईं, जिनकी सूचना परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने नहीं दी। ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, बस के खराब होने से उत्पन्न स्थिति को ठीक करने में आमतौर पर लगभग एक घंटे का समय लगता है। कुछ मामलों में, समाधान का समय दो-तीन घंटे से अधिक हो जाता है। बस को हटाना एक कठिन काम है क्योंकि उनमें हाइड्रोलिक ब्रेक सेटअप है जिसे केवल विशेषज्ञ मैकेनिक ही खोल सकते हैं। चूंकि बसें लंबे रूटों पर चलती हैं, इसलिए डिपो आमतौर पर ब्रेकडाउन स्पॉट से कुछ दूरी पर होते हैं और आवश्यक मैकेनिकल कर्मियों के आने में भी समय लगता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक्स हैंडल के मुताबिक, सोमवार को ही आठ ब्रेकडाउन ने ट्रैफिक को बाधित किया। मंगलवार को चार की सूचना मिली। बुधवार को तीन की सूचना मिली। दिल्ली परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि बार-बार ब्रेकडाउन का एक प्रमुख कारण सीएनजी से चलने वाली बसों की मियाद पूरी हो चुकी है। अधिकांश बसों की उम्र 15 साल होती है। वास्तव में वे विस्तारित जीवन पर हैं और इसका मतलब अक्सर अधिक ब्रेकडाउन होता है।

गुजरात में पांच हजार करोड़ रुपए मूल्य की कोकीन बरामद, पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (भाषा)। गुजरात के अंकलेश्वर में दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में 5,000 करोड़ रुपए मूल्य की करीब 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि यह नई बरामदगी दिल्ली में इस माह की शुरुआत में जब्त की गई 700 किलो कोकीन के मामले से संबद्ध है। इसके साथ ही अब तक 1,289 किलो कोकीन और 40 किग्रा हाइड्रोपोनिक थाईलैंड मारिजुआना बरामद की जा चुकी हैं जिसकी कीमत 13,000 करोड़ से अधिक आंकी गई है। इस संबंध में 12 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। यह देश में किसी भी एजेंसी द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी जब्ती मानी जा रही है। पुलिस के अनुसार, 700 किलोग्राम कोकीन की जब्ती के मामले की जांच के दौरान विशेष प्रकोष्ठ को पता चला कि मादक पदार्थ अंकलेश्वर स्थित अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से लाए गए थे।

परिवर्तनकारी पहल का उद्देश्य भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाना

नई दिल्ली। भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है जिसका उद्देश्य भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाना है और यह सभी क्षेत्रों में तेज और अधिक कुशल विकास को बढ़ावा दे रहा है। मोदी ने पीएमजीएस-एनएमपी की तीसरी वर्षगांठ पर यहां भारत मंडपम स्थित पीएम गतिशक्ति अनुभूति केंद्र का औचक दौरा भी किया।अनुभूति केंद्र पीएमजीएस-एनएमपी की प्रमुख विशेषताओं, उपलब्धियों और मील के पत्थरों को प्रदर्शित करता है और इसे विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए 13 अक्टूबर, 2021 को शुरू किया गया था। पीएम गतिशक्ति आर्थिक वृद्धि और सतत विकास के लिए एक परिवर्तनकारी पहल है जो सात इंजनों - रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाईअड्डे, बड़े पैमाने पर परिवहन और साजोसामान बुनियादी ढांचे द्वारा संचालित है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तेज और अधिक प्रभावी विकास हुआ है।उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के निर्बाध एकीकरण से लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा मिला है, विलंब कम हुआ है और कई लोगों के लिए नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, गतिशक्ति के कारण भारत विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। मोदी ने एक्स पर पोस्ट में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को भी टैग किया। गोयल ने इस पहल के तीन साल पूरे होने पर इसकी सराहना की। गोयल ने कहा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान शुरू किए तीन साल पूरे हो गए हैं। लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाकर, यह अग्रणी पहल तेजी से और अधिक कुशल परियोजना कार्यान्वयन सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि यह एक आधुनिक, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे के नेटवर्क को विकसित करने, विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

खरगे के बेटे ने नागरिक सुविधा केंद्र के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटन का अनुरोध वापस लिया

बेंगलुरु। (भाषा) सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष राहुल एम. खरगे ने बहु-कौशल विकास केंद्र, प्रशिक्षण संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए बेंगलुरु में पांच एकड़ जमीन के आवंटन के अपने अनुरोध को वापस ले लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे राहुल खरगे का यह कदम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती द्वारा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण को 14 भूखंड वापस लौटाने के बाद आया है। लोकायुक्त पुलिस ने इस मामले को लेकर सिद्धरमैया, उनकी पत्नी और एक रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया था। भाजपा के आईटी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में भूखंड आवंटन पर सवाल उठाया और इसे सत्ता का दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद और हितों का टकराव करार दिया। भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया ने भी एक्स पर एक पोस्ट में फैसले पर सवाल उठाते हुए, कहा, खरगे परिवार कब से एयरोस्पेस उद्यमी बन गया कि केआईएडीबी की जमीन के लिए पात्र हो गया? क्या यह सत्ता के दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद और हितों के टकराव का मामला नहीं है? मल्लिकार्जुन खरगे के छोटे बेटे एवं कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने अपने एक्स हैंडल पर एक पत्र की प्रति साझा कर बताया कि भूखंड आवंटन का अनुरोध वापस ले लिया गया है। बीस सितंबर को कर्नाटक औद्योगिक विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को लिखे पत्र में राहुल खरगे ने लिखा कि बहु-कौशल विकास केंद्र, प्रशिक्षण संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए भूखंड आवंटन के हमारे अनुरोध को वापस ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का उद्देश्य छात्रों और बेरोजगार युवाओं के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अधिक अवसर पैदा करना है। राहुल खरगे ने कहा कि ट्रस्ट ने केआईएडीबी औद्योगिक क्षेत्र के भीतर एक भूखंड को प्राथमिकता दी क्योंकि यह उच्च विकास वाले उद्योगों के निकट है और इससे युवाओं के लिए बेहतर अवसर सृजित होते।उन्होंने बताया, सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट एक सार्वजनिक शैक्षिक, सांस्कृतिक और धर्मार्थ ट्रस्ट है, न कि एक निजी व्यक्ति या परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट। इसके तत्वावधान में स्थापित सभी संस्थान गैर-लाभकारी हैं।

पंजाब में धान खरीद में देरी के विरोध में किसानों ने सड़कें जाम की, रेल पटरियों पर धरना दिया

लुधियाना, अमृतसर। पंजाब के किसानों ने चालू खरीफ विपणन सत्र में धान की कथित धीमी खरीद के खिलाफ रविवार को राज्य में कई स्थानों पर सड़कें जाम कर दीं और रेल पटरियों पर धरना दिया। संयुक्त किसान मोर्चा ने जहां दोपहर 12 से तीन बजे तक राज्यव्यापी सड़क नाकेबंदी का आह्वान किया, वहीं भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहां) ने भी तीन घंटे के लिए रेल रोको का आह्वान किया। किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्गों सहित कई स्थानों पर सड़कें जाम कर दीं, जिससे आने जाने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि पुलिस ने सड़क यातायात को वैकल्पिक मार्गों से मोड़ दिया। भाकियू (एकता उग्राहां) के महासचिव सुखदेव सिंह कोकरीकलां ने कहा कि उन्होंने बटाला, शाहकोट (जालंधर), बठिंडा, अजीतवाल (मोगा), बल्ला फाटक (अमृतसर), पट्टी (तरनतारन), मलोट (मुक्तसर), जलालाबाद (फाजिल्का), कोटकपुरा (फरीदकोट), मानसा, धबलान (पटियाला), सुनाम (संगरूर), मलेरकोटला, किला रायपुर (लुधियाना) लालरू(मोहाली), तलवंडी भाई (फिरोजपुर) और मंडियाला (होशियारपुर) सहित 17 स्थानों पर रेल रोको विरोध प्रदर्शन किया। लुधियाना मे किसानो ने समराला, कोहरा, खन्ना, रायकोट, दोराहा, पायल और जगराओ सहित कई स्थानों पर सड़क यातायात बाधित किया। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धान की सुचारू खरीद के आश्वासन के बावजूद किसानों को अनाज मंडियों में समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है। होशियारपुर मे किसानो ने बिजली घर चौक, एसडीएम चौक और अड्डा भंगाला के पास सड़क यातायात अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकारी होशियारपुर-जालंधर रेल खंड पर मंडियाला गांव में रेलवे पटरियों पर भी बैठ गए। प्रदर्शनकारी किसानों ने राज्य मे धान की खरीद और उठान में देरी का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए और उन पर सरकारी मंडियों मे धान की खरीद और उठान कार्य शुरू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने खरीद कार्य तत्काल शुरू करने की मांग की तथा चेतावनी दी कि ऐसा नही होने पर उनका आंदोलन और तेज हो जाएगा। भाकियू (दोआबा) ने फगवाड़ा में शुगर मिल क्रॉसिंग पर सड़क जाम कर दिया। भाकियू (डी) के महासचिव सतनाम सिंह साहनी ने आरोप लगाया कि मंडियों से धान का उठान धीमा है या लगभग नही हो रहा है, जिससे खेतों में धान की कटाई में देरी हो रही है और साथ ही गेहूं के फसल की बुवाई की तैयारी में भी देरी हो रही है। अमृतसर में धान की फसल की धीमी खरीद के विरोध में प्रदर्शनकारी किसान वल्हा रेलवे क्रॉसिंग पर बैठ गए। भारतीय किसान यूनियन के नेता परमिंदर सिंह उग्राहां ने कहा कि किसानों ने अमृतसर-पठानकोट रेल पटरी को अवरुद्ध कर दिया है। किसानो ने अटारी, अजनाला शहर के पास कुक्रवाल गांव समेत कई स्थानो पर सड़कें अवरुद्ध कर दी है। संगरूर में किसान सुनाम रेलवे स्टेशन पर रेल पटरी पर बैठ गए। मोगा में किसानों ने दुनेके के पास फिरोजपुर-लुधियाना राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। राज्य के चावल मिल मालिक और कमीशन एजेंट भी किसानो के विरोध प्रदर्शन का समर्थन कर रहे है।

भागवत के बयान और सरकार के काम में बड़ा अंतरः कपिल सिब्बल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के विजयादशमी पर संबोधन के एक दिन बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि भागवत के बयान और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार के जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों में बड़ा अंतर है। आरएसएस प्रमुख ने शनिवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत अधिक मजबूत हुआ है तथा विश्व स्तर पर उसकी साख बढ़ी है, लेकिन कई तरह के षड्यंत्र देश के संकल्प की परीक्षा ले रहे है। भागवत के संबोधन का जिक्र करते हुए सिब्बल ने कहा, मोहन भागवत ने विजयादशमी पर अच्छा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस देश में देवता बंटे हुए है, ऐसा नही होना चाहिए, संत बंटे हुए है, ऐसा नही होना चाहिए। यह विभिन्न धर्मों और भाषाओं का देश है। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, महर्षि वाल्मीकि ने रामायण लिखी थी, इसलिए सभी हिंदुओं को वाल्मीकि दिवस मनाना चाहिए। ऐसा क्यों नही हो रहा है? उन्होंने कहा कि जब तक सद्भाव कायम रहेगा, यह कायम रहेगा। मै उनके बयान का स्वागत करता हूं। लेकिन मैं कुछ सवाल पूछना चाहता हूं, आरएसएस उस सरकार का समर्थन करता है, जो आपके बयान के खिलाफ काम करती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद समाज में कई विभाजन हुए है और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया तथा उन पर बुलडोजर चलाए गए। सिब्बल ने कहा कि लव जिहाद और फ्लड जिहाद की अवधारणाओं पर बात हो रही है। सांसद ने कहा, मैं आरएसएस से पूछना चाहता हूं कि जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो वह सवाल क्यों नही उठाता? लोग दूसरो की नागरिकता पर संदेह करते है। कई विवादास्पद बयान दिए जाते है, आरएसएस सवाल क्यों नही उठाता।

राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना पर फिर उठाए सवाल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नासिक मे प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीरों की मौत के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से पूछा कि एक सैनिक की जिंदगी दूसरे सैनिक की तुलना में अधिक मूल्यवान क्यों है। उन्होंने यह भी पूछा कि अग्निवीर के रूप मे शहीद हुए दो सैनिकों के परिवारो को अन्य शहीद सैनिकों के समान पेंशन और लाभ क्यों नही मिलेंगे? उन्होने कहा कि वह इस अन्याय के खिलाफ लड़ते रहेंगे। गांधी ने कहा, नासिक में प्रशिक्षण के दौरान दो अग्निवीर गोहिल विश्वराजसिंह और सैफ्त शित की मौत एक दर्दनाक घटना है। उनके परिवारो के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में पूछा, यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने मे भाजपा सरकार असफल रही है। क्या गोहिल और सैफ्त के परिवारो को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो? उन्होने पूछा, अग्निवीरो के परिवारो को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओ का लाभ क्यों नही मिलेगा? जब दोनो ही सैनिकों की जिम्मेदारियां और बलिदान समान है, तो उनकी शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों? गांधी ने कहा कि अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और वीर जवानो की शहादत का अपमान है।

दाखिल किया डीआरएचपीःवाराणसी। संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार कंपनी 31 मार्चए 2024 तक स्थापित क्षमता के मामले में भारत में इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड स्टील पाइप और स्ट्रक्चरल ट्यूब ;होलो सेक्शनद्ध के प्रमुख निर्माताओं में से एक है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से इक्विटी शेयरों की पेशकश के माध्यम से 5ए400 मिलियन तक के फंड जुटाने की योजना बनाई है।

आरजी कर मामलाः जूनियर चिकित्सकों की भूख हड़ताल नौंवे दिन भी रही जारी

कोलकाता। (भाषा) स्थानीय आरजी कर अस्पताल की घटना के बाद अपनी मांगों को लेकर पश्चिम बंगाल के जूनियर चिकित्सकों का आमरण अनशन रविवार को नौवें दिन भी जारी है। इस बीच, राज्य के विभिन्न हिस्सों में लोग अनशनकारियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए सांकेतिक उपवास कर रहे हैं।कोलकाता और राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित सिलीगुड़ी शहर में आमरण अनशन कर रहे जूनियर चिकित्सकों में से अब तक तीन को हालत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टर्स फोरम के एक नेता ने कहा, उनकी (अनशनकारियों की) स्थिति खराब होती जा रही है, लेकिन राज्य प्रशासन बेपरवाह बना हुआ है।

इस बीच, आरजी कर अस्पताल के पूर्व छात्रों का एक समूह आमरण अनशन पर बैठे छात्रों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए 12 घंटे के प्रतीकात्मक उपवास के लिए अस्पताल पहुंच गया है। उन्हें, हालांकि अदालत के आदेश के बाद अस्पताल में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व छात्रों ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे अपने प्रस्तावित प्रतीकात्मक अनशन कार्यक्रम को जारी रखेंगे। इनमें से अधिकांश वरिष्ठ नागरिक हैं।मालदा और मुर्शिदाबाद जिले में कई लोग दिन में प्रतीकात्मक अनशन भी रख रहे हैं। आंदोलनकारी चिकित्सकों ने लोगों से उनके मुद्दे के प्रति एकजुटता और समर्थन दिखाने के लिए रविवार को खाना न पकाने का आग्रह किया है। पिछले कुछ दिनों में जब दुर्गा पूजा उत्सव चल रहा था, बड़ी संख्या में आम लोग अनशन स्थल पर आए। कनिष्ठ चिकित्सक आरजी कर अस्पताल में बलात्कार एवं हत्याकांड की शिकार सहकर्मी के लिए न्याय, स्वास्थ्य सचिव एन.एस. निगम को तत्काल हटाने, कार्यस्थल पर सुरक्षा और अन्य उपायों की मांग कर रहे हैं।

उनकी अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए एक केंद्रीकृत रेफरल प्रणाली की स्थापना करने, बिस्तर रिक्ति निगरानी प्रणाली का कार्यान्वयन और कार्यस्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, ऑन-कॉल रूम और शौचालय के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित करने के वास्ते टास्क फोर्स के गठन की मांग शामिल भी है।पांच अक्टूबर से शुरू हुआ आमरण अनशन दो चरणों में करीब 50 दिनों तक चले काम बंद के बाद शुरू हुई है। उनका आंदोलन सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अंदर ड्यूटी पर तैनात एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ नौ अगस्त को कथित तौर पर बलात्कार और हत्या के बाद शुरू हुआ था। कोलकाता पुलिस ने हालांकि अगले दिन एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर अब सीबीआई मामले की जांच कर रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से स्थिति बिगड़ने से पहले हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। निजी अस्पतालों के चिकित्सकों ने आमरण अनशन कर रहे आंदोलनकारी जूनियर चिकित्सकों के साथ एकजुटता दिखाते हुए, राज्य के चिकित्सा प्रतिष्ठानों में 14 अक्टूबर से 48 घंटे के आंशिक कार्य बंद का आह्वान किया है।निजी अस्पतालों के स्वास्थ्य पेशेवरों के बैनर तले चिकित्सकों ने, हालांकि कहा कि सभी चिकित्सा सुविधाओं में आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी।

आगरा एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में दो विदेशी महिलाओं समेत तीन की मौत

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर एक ट्रक से टक्कर होने पर कार में सवार दो विदेशी महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार वर्मा ने बताया कि ऊसराहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक्सप्रेस वे पर शनिवार रात लखनऊ से दिल्ली आ रही एक कार अपने आगे चल रहे ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वाहन में सवार लोगों को निकालने के लिए पुलिस के मशक्कत करनी पड़ी। अधिकारी ने बताया कि कार में सवार अफगानिस्तान की रहने वाली 30 वर्षीय नाज और उसकी रूसी मित्र 20 वर्षीय कैथरीन तथा दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन के रहने वाले कार चालक संजीव (40) की मौके पर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इनके अलावा कार में सवार नाज की बहन अतिफा (25), क्रिस्टीन (20) और दिल्ली के अंबेडकर नगर का रहने वाला राहुल (38) गंभीर रूप से घायल हो गए।वर्मा ने बताया कि घायलों को सैफई मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए भर्ती कराया गया।उन्होंने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ईडी अधिकारी बनकर जालसाजों ने एएमयू की सेवानिवृत्त प्रोफेसर से ठगे 75 लाख रुपए

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में साइबर जालसाजो ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बनकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की एक सेवानिवृत्त महिला प्रोफेसर से 75 लाख रुपए से अधिक की ठगी को अंजाम दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट में अकेली रहने वाली प्रोफेसर कमर जहां ने इस मामले में 11 अक्टूबर को साइबर अपराध थाने में मुकदमा दर्ज कराया।उन्होंने बताया कि पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत संबंधित बैंकों को अलर्ट जारी किया और तफ्तीश मे पता चला कि धोखाधड़ी की पूरी रकम 21 अलग-अलग बैंक खातो के माध्यम से भेजी गई हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप के कारण 13 लाख रुपए का लेन-देन रोक दिया गया।मामले की जांच कर रहे साइबर थाने के निरीक्षक वीडी पांडेय ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पीड़िता के अनुसार जालसाजो ने उन्हे 10 दिनो से अधिक समय तक डिजिटल अरेस्ट में रखा और इस दौरान उन्होंने धन शोधन के मामलो में शामिल होने की बात कहकर गिरफ्तारी से बचने के लिए रकम देने के लिए दबाव बनाया। उन्होंने बताया कि 28 सितंबर को कमर जहां को फोन करने वाले ने खुद को ईडी का अधिकारी बताया और कहा कि उन्होंने धन शोधन से जुड़े कुछ संदिग्ध बैंक लेनदेन किए है और अगर उन्हें गिरफ्तारी से बचना है तो तुरंत बताए गए बैंक खातो में एक निश्चित धनराशि जमा करनी होगी।पांडेय ने बताया कि कमर जहां को इस लेनदेन के लिए कुछ बैंक खातो के नंबर दिए गए थे।

कांग्रेस अपनी मोहब्बत की दुकान पर नफरत बेच रही है : नकवी ने खरगे की टिप्पणी पर कहा

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भाजपा को आतंकवादियों की पार्टी कहने वाली टिप्पणी की आलोचना करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी मोहब्बत की दुकान में नफरत बेच रही है। नकवी ने कहा कि विपक्षी पार्टी राष्ट्रवादियों को आतंकवादी और राष्ट्र विरोधियों को राष्ट्रवादी बताने वाले प्रमाणपत्र बांटने का बहुराष्ट्रीय वितरण केंद्र बन गई है। खरगे ने कांग्रेस को अर्बन नक्सल गिरोह द्वारा चलाए जाने संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया टिप्पणी को लेकर शनिवार को उन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा आतंकवादियों की पार्टी है। खरगे ने आरोप लगाया कि वे (भाजपा) लिंचिंग करते है और लोगो को पीटते है तथा अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति (एससीएसटी) समुदायो के लोगो पर अत्याचार करते है। नकवी ने यहां संवाददाताओ से बातचीत में कहा कि हार के अवसाद में कांग्रेस के मन में निराशा घर कर गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वंशवाद के लिए राजनीतिक खतरे को लोकतंत्र के लिए खतरे के रूप मे चित्रित करने की कोशिश कर रही है, जो उसकी बुद्धिमत्ता को नही, बल्कि अहंकार को दर्शाता है। नकवी ने कहा कि आत्मनिरीक्षण करने के बजाय कांग्रेस अभी भी आत्मसंतुष्टि में लगी हुई है और अपनी अंदरूनी कलह के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोषी ठहरा रही है।

कानपुर में हाल की ट्रेन दुर्घटनाओं में कोई आतंकवादी पहलू सामने नहीं आया

कानपुर। (भाषा) उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में साबरमती एक्सप्रेस के पटरी से उतरने और कालिंदी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की कोशिश समेत हाल में हुए ट्रेन संबंधी हादसों में पुलिस की जांच में किसी आतंकवादी मंशा या वारदात की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच से पता चला है कि ट्रेन के पटरी से उतरने और अन्य रेलगाड़ियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें दरअसल शरारती हरकतें थीं, लेकिन अधिकारियों ने इसे गंभीर प्रकृति के मामले माना है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) राजेश कुमार सिंह ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि गत 17 अगस्त को साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने और आठ सितंबर को ट्रेन के सामने रसोई गैस सिलेंडर रखे जाने के मामले की जांच में किसी आतंकवादी घटना की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हाल में रेल की पटरियों पर खंभा, गैस सिलेंडर और अग्निशामक यंत्र समेत कई खतरनाक वस्तुएं रखे जाने की घटनाएं सामने आई हैं लेकिन अभी तक हुई जांच में उनके पीछे कोई आतंकी मंशा सामने नहीं आई है। गत 17 अगस्त को अहमदाबाद गत 17 अगस्त को अहमदाबाद जाने वाली साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन कानपुर के गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के पास पटरी पर रखी किसी चीज से टकरा गया था। उसके बाद ट्रेन के 20 डिब्बे पटरी से उतर गए थे, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था। इसके बाद आठ सितंबर को कानपुर के शिवराजपुर इलाके में प्रयागराज से भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस का इंजन पटरी पर रखे रसोई गैस सिलेंडर से टकरा गया था।

डयूटी से लौट रहे दरोगा की हादसे में मौत

एटा। एटा जिले में बरेली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ड्यूटी से लौट रहे बाइक सवार उपनिरीक्षक (दरोगा) को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि पुलिसकर्मी की अलीगढ़ में उपचार के दौरान मौत हो गई।मिरहची थानाध्यक्ष केके लोधी ने बताया कि शनिवार रात को हुए इस हादसे मे दरोगा नरेश पाल सिंह (करीब 60 वर्षीय) को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।उन्होने बताया कि गंभीर रूप से घायल सिंह को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हालांकि हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अलीगढ़ स्थानांतरित किया गया लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।अधिकारी ने बताया कि सिंह लगभग डेढ़ वर्ष से मिरहची थाने में तैनात थे। लोधी ने बताया कि सिंह की सेवानिवृत्ति दो माह बाद होनी थी। उन्होंने बताया कि दरोगा के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया और उनके अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है।

ओरल हैल्थ में सुधार लाने की पहल

वाराणसी। हाउस ऑफहेलिऑन ने देश में एक इनोवेटिव डिजिटल कैंपेन शुरू किया है जिसमें एआई का उपयोग करके पूरे देश में डेंटिस्ट्स के वीडियो बनाए गए हैं। इन वीडियो में ओरल हैल्थ में सुधार लाने और लोगों के दैनिक अनुभव खुशनुमा बनाने में उनकी भूमिका प्रदर्शित की गई है। इस अभियान के लिए एआई की मदद से डेंटिस्ट्स के 4000 कस्टमाईज़्ड वीडियो बनाए गए हैंए जो उन्हें ष्डॉक्टर्स ऑफजॉयष् के रूप में सम्मानित करते हैं। ये व्यक्तिगत वीडियो लोगों की ओरल हैल्थ की समस्याओं को ठीक करके उन्हें खुशी के क्षण प्रदान करने और खुशी फैलाने में डेंटिस्ट की भूमिका के लिए उनका आभार प्रकट करते हैं। ये वीडियो विभिन्न शहरों में साझा किए जा रहे हैंए जिनका उद्देश्य लोगों के जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करना है।

राजनीतिक परिवारों के कम से कम 13 सदस्य विधायक चुने गए

जम्मू-कश्मीर चुनाव

श्रीनगर। (भाषा) जम्मू-कश्मीर में कम से कम 13 नवनिर्वाचित विधायक ऐसे राजनीतिक परिवारों से आते हैं जिनके सदस्य पहले भी चुनाव जीत या चुनाव लड़ चुके हैं। ऐसे विधायकों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक सबसे ज्यादा हैं। विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है।पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था। मुख्यमंत्री पद के लिए नामित उमर अब्दुल्ला अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी के विधायक हैं। उनके पिता फारूक अब्दुल्ला और दादा शेख मुहम्मद अब्दुल्ला दोनों ही विधायक तथा जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा श्रीनगर के एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। हालांकि उनके दादा गुलाम मोहिउद्दीन कर्रा कभी विधायक नहीं रहे, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस में उनका काफी प्रभाव था। उन्होंने 1954 में शेख मुहम्मद अब्दुल्ला से अलग होकर अपनी पार्टी - पॉलिटिकल कॉन्फ्रेंस बना ली थी। जेकेपीसीसी प्रमुख पहले विधायक रह चुके हैं। वह 2014 में श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य बने थे, लेकिन घाटी में 2016 में अशांति के दौरान स्थानीय निवासियों की हत्याओं के विरोध में उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, दूसरी पीढ़ी के राजनेताओं में जिस व्यक्ति का राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल होने की उम्मीद है, वह हैं सलमान सागर, जो हजरतबल सीट से चुनाव जीते हैं।सलमान सागर के पिता अली मोहम्मद सागर विधानसभा में सत्ता पक्ष की अगली पंक्ति में बैठेंगे, जिन्होंने लगातार सातवीं बार विधायक के रूप में जीत दर्ज की है। वह दो बार पूर्ववर्ती बटमालू सीट से और पांच बार खानयार क्षेत्र से चुनाव जीत चुके हैं। कश्मीर की जनजातीय राजनीति में अहम नेता मियां अल्ताफ अहमद (67)फिलहाल अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य हैं। कंगन क्षेत्र से उनके बेटे मियां मेहर अली चुनाव जीते हैं। मियां अल्ताफ अहमद के एक और रिश्तेदार इस बार विधानसभा चुनाव जीते हैं। उनके साले जफर अली खटाना कोकरनाग विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए हैं, जिसे 2022 में परिसीमन के बाद अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिया गया है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद अकबर लोन के बेटे हिलाल अकबर लोन सोनावारी सीट से चुनाव जीते हैं। मोहम्मद अकबर लोन 2002 से 2018 तक तीन बार सोनावारी सीट से विधायक रहे हैं। पूर्व विधायक सादिक अली के पुत्र व नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक जदीबल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते हैं जबकि उरी से पार्टी के विधायक चुने गए सज्जाद शफी पूर्व शिक्षा मंत्री मोहम्मद शफी उरी के पुत्र हैं।सोपोर विधानसभा क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस के टिकट पर जीत हासिल करने वाले इरशाद रसूल कर कांग्रेस के दिग्गज नेता और जेकेपीसीसी के प्रमुख गुलाम रसूल कर के बेटे हैं।श्रीगुफवारा-बिजबेहरा से विधायक बशीर अहमद वीरी पूर्व मंत्री अब्दुल गनी शाह वीरी के बेटे हैं जबकि लाल चौक से विधायक शेख अहसान अहमद पूर्व विधान परिषद सदस्य शेख गुलाम कादिर परदेसी के बेटे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी)-कांग्रेस गठबंधन के अलावा, त्राल विधानसभा क्षेत्र से जीतने वाले पीडीपी के विधायक रफीक अहमद नाइक पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता अली मोहम्मद नाइक के बेटे हैं और लंगेट के विधायक खुर्शीद अहमद शेख बारामूला से लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद के भाई हैं।

गाजा में इजराइली हमले में एक ही परिवार के आठ सदस्यों की मौत

● लेबनान में एक सदी पुराना बाजार ध्वस्त

भाषा। (गाजा पट्टी)।

मध्य गाजा पट्टी में इजराइल के हमले में एक ही परिवार के आठ सदस्यों की मौत हो गई। फलस्तीन के चिकित्सा अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस बीच, हिजबुल्ला को निशाना बनाकर किए गए इजराइल के हवाई हमलों में लेबनान में एक सदी पुराना बाजार नष्ट हो गया। दीर अल-बला स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल ने बताया कि गाजा में शनिवार देर रात को नुसरत शरणार्थी शिविर में एक मकान पर हमला किया गया जिसमें माता-पिता और आठ से 23 साल की उम्र के उनके छह बच्चों की मौत हो गई। शवों को इसी अस्पताल में लाया गया था। हमास के साथ युद्ध को एक साल से अधिक समय होने पर भी इजराइल के हमले जारी हैं और वह गाजा में लगभग हर दिन आतंकवादी ठिकानों को निशाना बना रहा है। इजराइली सेना का कहना है कि वह हमलों में आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने की कोशिश करती है तथा उनकी मौतों के लिए घनी आबादी वाले क्षेत्रों से काम करने वाले हमास एवं अन्य सशस्त्र समूहों को दोषी ठहराती है। इजराइल अब गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्ला के साथ युद्ध कर रहा है और इस महीने की शुरुआत में हुए मिसाइल हमले के प्रतिशोध में उसके ईरान पर हमला करने की आशंका है लेकिन उसने यह नहीं बताया है कि वह कैसे या कब हमला करेगा। ईरान इन दोनों चरमपंथी समूहों का समर्थन करता है और उसने कहा है कि वह इजराइली हमले का जवाब देगा। उत्तरी गाजा में इजराइल के हवाई और जमीनी बल जबालिया पर हमले कर रहे हैं।

इजराइल को थाड तोपखाना, अपने सैनिक भेजेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने रविवार को कहा कि वह इजराइल को एक एंटी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थाड) और सैनिक भेजेगा, जबकि ईरान ने वाशिंगटन को अमेरिकी सैन्य बलों को इजराइल से बाहर रखने की चेतावनी दी है। पेंटागन के प्रवक्ता मेजर जनरल पैट राइडर ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने राष्ट्रपति जो बाइडन के निर्देश पर थाड तोपखाने की तैनाती को मंजूरी दी है। राइडर ने कहा कि यह वायु रक्षा प्रणाली अप्रैल और अक्टूबर में इजराइल पर किए गए ईरान के मिसाइल हमलों के बाद, इजराइल की हवाई रक्षा को मजबूत करने में मदद करेगी।

उत्तरी गाजा को सहायता बंद करने की योजना पर विचार कर रहे नेतन्याहू

यरूशलम। बेंजामिन नेतन्याहू हमास आतंकवादियों को भूख से मारने के प्रयास के तहत उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता बंद करने की सेवानिवृत्त जनरलों के एक समूह की योजना की समीक्षा कर रहे है। यदि इस योजना को लागू कर दिया गया तो वे लाखों फलस्तीनी भोजन या पानी की आपूर्ति के अभाव के बीच उत्तरी गाजा में फंस सकते हैं जो अपने घर छोड़कर नहीं जाना चाहते या जो ऐसा करने में सक्षम नहीं है। इजराइल ने साल भर से जारी युद्ध के दौरान उत्तरी क्षेत्र को खाली करने के संबंध में असैन्य आबादी के लिए कई आदेश जारी किए है, जिनमें से सबसे ताजा आदेश रविवार को जारी किया गया। सेवानिवृत्त जनरलों के एक समूह द्वारा नेतन्याहू और इजराइली संसद के समक्ष प्रस्तावित ताजा योजना के तहत फलस्तीनियों को गाजा शहर समेत गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से को छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा।

यूक्रेन के मानवाधिकार समूह ने रूस पर यूक्रेनी युद्धबंदियों की हत्या का आरोप लगाया

कीव। यूक्रेन के मानवाधिकार लोकपाल ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय संगठनों से इस दावे पर प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया कि रूस के उस कुर्स्क क्षेत्र में कई यूक्रेनी युद्धबंदियों को मार दिया गया, जहां कीव ने अगस्त में आक्रामक सैन्य कार्वाई शुरू की थी।यूक्रेनी युद्धक्षेत्र विश्लेषण साइट डीपस्टेट ने कहा कि रूसी सैनिकों ने 10 अक्टूबर को आत्मसमर्पण करने के बाद नौ यूक्रेनी ड्रोन संचालकों और ठेकेदारों को गोली मारकर मार डाला। दिमित्रो लुबिनेट्स ने कहा कि उन्होंने इस दावे के बारे में संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति को पत्र भेजे हैं, और इसे रूसियों द्वारा किया गया एक और अपराध बताया है। इस महीने की शुरुआत में, यूक्रेन के अभियोजक जनरल के कार्यालय ने कहा था कि रूसी सैनिकों ने आंशिक रूप से कब्जे वाले दोनेत्स्क क्षेत्र में पकड़े गए 16 यूक्रेनी सैनिकों को मार डाला था।

नेतन्याहू ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताया, उन्हें भारत का महान सपूत बताया

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच मित्रता का समर्थक बताया। टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष का बुधवार शाम 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। नेतन्याहू ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में इजराइल-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में रतन टाटा के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शनिवार को एक पोस्ट में लिखा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी। मैं और इजराइल के असंख्य लोग भारत के महान सपूत और दोनों देशों के बीच मित्रता के हिमायती रतन नवल टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी से रतन टाटा के शोकाकुल परिवार के प्रति उनकी संवेदना व्यक्त करने को कहा। उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, (शोकाकुल परिवार के प्रति) संवेदनाओं के साथ, बेंजामिन नेतन्याहू। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी बृहस्पतिवार को रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपने देश का सच्चा मित्र बताया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया था तथा नवाचार और विनिर्माण में उनके योगदान की प्रशंसा की थी तथा भारत एवं फ्रांस में उद्योगों को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया था।

रोशन सेठी की ए नाइस इंडियन बॉय लंदन फिल्म महोत्सव में होगी प्रदर्शित

लंदन। भारतीय मूल के डॉक्टर-फिल्म निर्माता रोशन सेठी की फिल्म का प्रदर्शन अगले हफ्ते बीएफआई लंदन फिल्म महोत्सव (एलएफएफ) में होगा। इस फिल्म को कनाडा के वैंकूवर में 18 दिनों में शूट किया गया।रोशन सेठी की ए नाइस इंडियन बॉय नवीन गावस्कर और जय कुरुंदकर की कहानी है, जिन्हें प्रवासी भारतीय माता-पिता द्वारा गोद लिया जाता है और महाराष्ट्रीयन परिवेश में उनका लालन-पालन होता है। गावस्कर की भूमिका भारतीय अमेरिकी अभिनेता करण सोनी ने निभाई है जबकि कुरुंदकर का किरदार अमेरिकी अभिनेता जोनाथन ग्रॉफ ने निभाया है।सेठी ने मंगलवार और बृहस्पतिवार को होने वाली एलएफएफ स्क्रीनिंग से पहले पीटीआई-भाषा से कहा, मैं लंदन फिल्म महोत्सव के दर्शकों को इसे देखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि कम से कम अमेरिका में विविध परिवेश के कलाकारों के साथ स्वतंत्र फिल्म बनाना बहुत मुश्किल है। सेठी फिल्म निर्माता है, जो वर्ष के कुछ समय डॉक्टर के रूप में भी काम करते है। सेठी ने कहा, मुझे लगता है कि हॉलीवुड अमेरिका में सबसे अधिक नस्लवादी उद्योगों में से एक है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि इस तरह की कहानियों को यथासंभव व्यापक रूप से देखा जाएगा।

ऑस्कर विजेता प्रोडक्शन हाउस अमेजन पर छाएगा

हालीवुड। अब इंतजार हुआ खत्म! प्रशंसक अब खुशी मना सकते हैं क्योंकि बहुप्रतीक्षित गुटर गु सीजन 2 अब अमेज़न एमएक्स प्लेयर अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा पर लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। अपने पहले सीजन की शानदार सफलता के बादए यह फैन.फेवरेट टीन रोमांस ड्रामा अब अनूज और ऋतु की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी के अगले अध्याय के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में उनके रोमांस का एक नया पहलू सामने आता है क्योंकि उनकी प्रेम कहानी को लंबी दूरी के रूप में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है। साकिब पंडोर द्वारा निर्मित और निर्देशित तथा गुनीत मोंगा कपूर के ऑस्कर विजेता प्रोडक्शन हाउस सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित गुटर गु सीजन 2 में प्रिय मुख्य कलाकारों की वापसी हो रही है, जिसमें विशेश बंसल और अशलेशा ठाकुर अपने अनूज और ऋतु के किरदारों को फिर से निभा रहे हैं। गुटर गु सीजन 2 अब विशेष रूप से अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहा है जो अमेज़न की शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियोए फायर टीवी, स्मार्ट टीवी और प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। नए सीजन पर अपने विचार साझा करते हुए अमेज़न मिनीटीवी के हेड ऑफ कंटेंट अमोघ दुसाद ने कहाए श्पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद हम गुटर गु सीजन 2 के साथ वापस आकर बेहद उत्साहित हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने अपने शब्दकोश में जोड़ी भारत की 13वीं भाषा

यूके। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की शास्त्रीय भाषाओं की सूची को बढ़ाकर पिछले हफ्ते 11 कर दिया है, जिसमें मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली के साथ तमिलए संस्कृत, तेलुगू,कन्नड़, मलयालम और ओडिया भी शामिल हैं। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने कई कदम उठाए थेए जिसकी वजह से 2005 में इसे शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला। आज ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने ऑक्सफोर्ड संस्कृत-हिंदी-इंग्लिश डिक्शनरी लॉन्च की। जिसका मकसद संस्कृत का संरक्षण और इसे दुनियाभर के लोगों के लिए सुलभ बनाना है। इसके साथ हीए ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी की द्विभाषी शब्दकोशों की सूची में अब 13 भाषाएं जिनमें 9 शास्त्रीय भाषा हैं, कवर की जा रही हैं। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी अब संस्कृत, बंगाली, असमिया, कन्नड, मलयालम, ओडिय, तमिल, तेलुगू, मराठी, गुजराती,पंजाबी, उर्दू और हिंदी में उपलब्ध है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया के प्रबंध निदेशकसुमंता दत्ता ने कहा कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस भाषाओं के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। तीन भाषाओं की यह डिक्शनरी न सिर्फभाषा सीखने में मदद करेगीए बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी बढ़ावा देगी।

कपूर बहनों नेटफ्लिक्स पर परिवार और लव लाइफ के बारे में खुलकर बात की

ग्लोबल। पहली बार फैंस को एक मजेदार अनुभव मिलने वाला है क्योंकि मशहूर बहनें करिश्मा कपूर और करीना कपूर खान नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में एक साथ नज़र आने वाली है। अपने सबसे बेबाक अंदाज़ मेंए कपूर बहनें मनोरंजन से भरे और अनजाने किस्से शेयर करके दर्शकों को खूब हंसाएंगे। कपिल शर्माए दोनों बहनें एक.दूसरे को कितनी अच्छी तरह से जानती हैं उनके फेमस कपूर परिवार और उनका बॉलीवुड का सफरए उनके बचपन की यादें और फिल्म के सेट के बारे में बात करने वाले है। ऐसी ही एक बातचीत के दौरानए करिश्मा ने करीना और सैफअली खान के रिलेशनशिप के बारे में पता चलने के बाद मजाकिया अंदाज में अपने रिएक्शन के बारे में बताया। करिश्मा ने कहा कि मुझे याद हैए मैं लंदन में थी और तभी मुझे करीना का फ़ोन आया। मैंने पूछा क्या हुआ है करीना ने कहा मैं तुम्हें कुछ बताना चाहती हूं लेकिन इससे पहले कि मैं कुछ बताऊंए मुझे लगता है कि तुम्हें कहीं शांत जगह बैठ जाना चाहिए। करिश्मा ने बताया किए उस वक्त मैं एक दुकान में थी वहाँ एक सोफ़ा था और मैं सोफे पर बैठ गई। फिर उसने कहा देखो बात यह है कि मैं सैफसे प्यार करती हूँ।

अमेजन बिजनेस ने दर्ज की 134 प्रतिशत की वृद्धि

अमेजन। भारत में फेस्टिव सीजन व्यवसायों के लिए अपने चैनल भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने और सह.कर्मियों के साथ जश्न मनाने का एक बहुत महत्वपूर्ण समय होता है। इस महत्वपूर्ण कॉरपोरेट जरूरत को पूरा करने के लिएए भारत के प्रमुख बी2बी ऑनलाइन मार्केटप्लेसए अमजेन बिजनेस ने एक समर्पित कॉरपोरेट गिफ्टिंग स्टोर की शुरुआत की है। जहां उपहार विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ 8,500 से अधिक जीएसटी,सक्षम उत्पाद शामिल हैं। जो पूरे भारत के व्यवसायों के साथ मजबूती से जुड़ गया है। यहां मिक्सर ग्राइंडर और जूसर सबसे अधिक उपहार में दिए जाने वाले आइटम के रूप में उभरे हैं। इसमें पिछले साल की तुलना में 5.5 गुना वृद्धि देखने को मिली है। वहीं इसके बाद कुकर जैसे अन्य रसोई के सामान आते हैं जहां 3 गुना ग्रोथ देखने को मिली है। सुचित सुभाष डायरेक्टर अमेजन बिजनेस कि ने कहा इस त्योहारी सीजन में हमारे कॉरपोरेट गिफ्टिंग स्टोर की उल्ले खनीय वृद्धि पूरे भारत में ई.खरीद को तेजी से अपनाने को उजागर करती है। यह वृद्धि ऑनलाइन गिफ्टिंग की सुविधा और मॉडर्न बिजनेसेस की बढ़ती जरूरतों दोनों को दर्शाती है। न केवल भौगोलिक बाधाओं को दूर किया हैए बल्कि पूरे देश में विक्रेताओं को खरीदारों के साथ जोड़ा है और देश के 100 प्रतिशत पिन कोड पर अपनी सेवा पहुंचाई हैए इसके साथ ही भारत के गतिशील व्यापार परिदृश्य में निर्बाध लेनदेन को भी सक्षम बनाया है।

दक्षिण चीन सागर विवाद के बावजूद चीन के प्रीमियर ने वियतनाम के साथ व्यापार वार्ता जारी

बैंकॉक। चीन ने वियतनाम का सीमापार रेल विकास के लिए सहयोग करने और पड़ोसी देश से कृषि आयात बढ़ाने के लिए कदम उठाने पर रविवार को सहमति जताई। वियतनाम सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग वियतनाम की आधिकारिक यात्रा पर है। उन्होंने संकल्प लिया गया कि चीन उच्च गुणवत्ता वाले फलों, समुद्री खाद्य उत्पादों और अन्य वियतनामी उत्पादों के लिए अपने बाजार को खोलेगा। चीन वियतनाम का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है और अमेरिका के बाद दूसरा सबसे निर्यात बाजार है। दोनों देशों के बीच 2023 में 172 अरब अमेरिकी डालर का व्यापार हुआ था। वियतनाम के शीर्ष नेता टो लैम ने पिछले साल पद ग्रहण करने के बाद सबसे पहली विदेश यात्रा पर चीन का दौरा किया था और उन्होंने दोनों देशों के संबंधों को रेखांकित किया था। ली पड़ोसी लाओस की यात्रा करने के बाद वियतनाम आए है।

फिर ड्रोन दिखने पर सेना की अग्रिम इकाइयां दक्षिण कोरिया पर हमले के लिए तैयार: उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया ने रविवार को कहा कि उसने दक्षिण कोरिया पर हमला करने के लिए अपनी सेना की अग्रिम इकाइयों को तैयार रहने के लिए कहा है। उसने अपने इस बयान से दक्षिण कोरिया पर दबाव बढ़ा दिया है। उत्तर कोरिया का कहना है कि दक्षिण कोरिया ने उसकी राजधानी प्योंगयांग पर ड्रोन उड़ाए। दक्षिण कोरिया ने इस बात की पुष्टि करने से इनकार किया है कि उसने ड्रोन भेजे थे या नहीं। लेकिन उसने चेतावनी दी कि यदि उसके नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है तो वह उत्तर कोरिया को दंडित करेगा। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया पर आरोप लगाया था कि उसने प्रचार संबंधी पर्चे गिराने के लिए उसकी राजधानी पर ड्रोन उड़ाए। उसने धमकी दी कि यदि ऐसी घटना फिर हुई तो वह जबरदस्त कार्रवाई करेगा।

मिस्र में ट्रेन दुर्घटना में एक की मौत, 20 से अधिक घायल

काहिरा। मिस्र में रविवार को एक ट्रेन के इंजन ने काहिरा आने वाली यात्री ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी, जिसकी वजह से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तरी अफ्रीकी देश मिस्र में एक महीने के अंदर हुई यह दूसरी ट्रेन दुर्घटना है। रेलवे अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना दक्षिण काहिरा से लगभग 270 किलोमीटर दूर मिनया प्रांत में हुई। बयान में कहा गया है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कम से कम 21 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से 19 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

श्रीलंका की नई सरकार ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों की पुनः जांच के आदेश दिए

कोलंबो। श्रीलंका की नई सरकार ने पुलिस को कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों की फिर से जांच करने का आदेश दिया है, जिसमें 2019 के ईस्टर संडे आतंकवादी हमले और 2005 में एक तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल है। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने उन पिछले मामलों की फिर से जांच करने का वादा किया था, जिनका समाधान नहीं हो पाया था। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने यह निर्णय इसलिए लिया है, ताकि जांच में किसी भी तरह की चूक की पहचान की जा सके। पुलिस प्रवक्ता निहाल थलुवा ने शनिवार को कहा, मंत्रालय ने कार्यवाहक पुलिस प्रमुख से कहा है कि इन मामलों की पुनः जांच की जानी चाहिए। जिन मामलों की फिर से जांच की जानी है, उनमें 2015 में सेंट्रल बैंक बॉण्ड जारी करने में कथित घोटाला शामिल है।

दो समूहों के बीच गोलीबारी में एक की मौत, नौ लोग घायल

नैशविले (अमेरिका)। अमेरिका के नैशविले स्थित टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी के पास शनिवार शाम हुई गोलीबारी की घटना में 24-वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मेट्रो नैशविले पुलिस के प्रवक्ता डॉन एरॉन ने बताया कि टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी में आयोजित हुए एक कार्यक्रम के बाद शाम करीब पांच बजे दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि कारतूसों के खोखे से पता चलता है कि विश्वविद्यालय परिसर के पास सड़क पर दोनों समूहों के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस की ओर से सोशल मीडिया पर साझा बयान में बताया गया है कि गोलीबारी की घटना में 24-वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

स्पेसएक्स ने लैंडिंग पैड पर स्टारशिप रॉकेट के बूस्टर को उतारा

बोका चिका (अमेरिका)। स्पेसएक्स ने रविवार को अपने स्टारशिप रॉकेट को अब तक की सबसे साहसिक परीक्षण उड़ान के तहत प्रक्षेपित किया और यांत्रिक भुजाओं (आर्म) के सहयोग से लौट रहे बूस्टर को पैड पर वापस उतारा गया। लगभग 400 फुट (121 मीटर) लंबे स्टारशिप को सूर्योदय के समय मैक्सिको की सीमा के निकट टेक्सास के दक्षिणी सिरे से प्रक्षेपित किया गया।

भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमलों की निंदा करने संबंधी बयान का समर्थन किया

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में योगदान देने वाले देशों के उस संयुक्त बयान का समर्थन किया है जिसमें लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना पर हाल के हमलों की कड़ी निंदा की गई है तथा कहा गया है कि ऐसी कार्वाइयां तत्काल रोकी जानी चाहिए। शुरुआत में संयुक्त बयान पर 34 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। हाल के दिनों में यूएनआईएफआईएल के कम से कम पांच शांति सैनिकों के घायल होने के

बाद यह बयान आया है। इजराइली सैनिकों ने हाल में हिजबुल्ला के खिलाफ अभियान के तहत दक्षिणी लेबनान में हमले शुरू किए थे। संयुक्त राष्ट्र में पोलैंड के मिशन द्वारा शनिवार को एक्स पर पोस्ट किए गए संयुक्त बयान में कहा गया, हम क्षेत्र में बढ़ती स्थिति के मद्देनजर यूएनआईएफआईएल की भूमिका को विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानते हैं। इसलिए हम यूएनआईएफआईएल शांति सैनिकों पर हाल में हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। ऐसी कार्वाइयों को तुरंत रोका जाना चाहिए और उनकी समुचित ढंग से जांच की जानी चाहिए। भारत, जिसका उल्लेख शुरू में सह-हस्ताक्षरकर्ताओं में नहीं था, ने शनिवार को कहा कि वह संयुक्त बयान से पूरी तरह सहमत है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने सभी धर्मों के लोगों से देश के विकास के लिए काम करने का आग्रह किया

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रविवार को सभी धर्मों के लोगों से देश को आगे ले जाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। हिंदू त्योहार दुर्गा पूजा देशभर में देवी दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। देश को आगे ले जाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि धार्मिक मूल्यों का उपयोग राष्ट्र के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। समाचार पत्र द डेली स्टार की खबर के अनुसार दुर्गा पूजा समारोह के मौके पर बंगभवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान शहाबुद्दीन ने जाति या धर्म से परे सभी नागरिकों से एकजुट होकर एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। हिंदू समुदाय के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, हम सभी बांग्लादेशी हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमारे देश में बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक के बीच भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा कि बदलती परिस्थितियों में बांग्लादेश को विकसित, समृद्ध और भेदभाव रहित देश बनाने के लिए पूर्ण सहिष्णुता, आपसी विश्वास और सहयोग के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

कनाडा के सांसद ने खालिस्तानी आतंकवाद पर रिपोर्टिंग के लिए हमलों को लेकर चिंता जताई

ओटावा। कनाडा में भारतीय मूल के एक सांसद ने खालिस्तानी आतंकवाद पर रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों पर हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की है और अधिकारियों से ऐसे मामलों से सख्ती से निपटने को कहा है। हाउस ऑफ कॉमन्स में नेपियन से सांसद चंद्र आर्य ने शुक्रवार को संसद को संबोधित करते हुए कहा, मैं कनाडा में खालिस्तानी आतंकवाद पर रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों पर हमलों से बहुत चिंतित हूं। कुछ दिनों पहले रेड एफएम कैलगरी के ऋषि नागर पर हुए हमलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र और पूरे कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों द्वारा कई और हमले किए गए हैं। उन्होंने कहा, मैं कानून लागू करने वाली एजेंसियों से अपील करता हूं कि वे खालिस्तानी आतंकवाद को पूरी गंभीरता से लें। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, इससे सख्ती से निपटना होगा। सांसद ने याद दिलाया कि मार्च 2023 में रेडियो एएम600 के समीर कौशल पर खालिस्तान विरोध प्रदर्शन को कवर करने के लिए हमला किया गया था। उन्होंने कहा कि फरवरी 2022 में ब्रैम्पटन रेडियो के होस्ट दीपक पुंज पर खालिस्तान से संबंधित हिंसा की आलोचना करने के लिए उनके स्टूडियो में हमला किया गया था। आर्य ने कहा कि आतंकवादी मामलों पर खोजी पत्रकार मोचा बेजिर्गन को खालिस्तानी आतंकवाद पर उनकी निर्भीक रिपोर्टिंग के लिए जान से मारने की धमकी मिली है। पिछले वर्ष सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संभावित संलिप्तता के आरोप लगाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया था।

ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद सैन्य मामले में व्यापक बदलाव की योजना

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना है कि यदि वह इस साल नवंबर में होने वाले चुनाव में जीत हासिल करते हैं तो यूरोप और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बावजूद सैन्य प्राथमिकताओं में व्यापक बदलाव कर सैन्यबलों को अन्य देशों से बुलाकर अमेरिकी धरती पर तैनात करेंगे। ट्रंप को यदि दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति चुना जाता है तो रिपब्लिकन पार्टी और उनके सहयोगी अन्य देशों में तैनात अमेरिकी सैन्यबलों को बुलाकर उन्हें अमेरिका के नीतिगत लक्ष्यों के लिए इस्तेमाल करने की योजना तैयार करेंगे। ट्रंप ने विदेशों से हजारों अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने और उन्हें मेक्सिको से लगी अमेरिकी सीमा पर तैनात करने का संकल्प लिया है। उन्होंने निर्वासन और अशांति से निपटने जैसी घरेलू नीतिगत प्राथमिकताओं के लिए सैनिकों के इस्तेमाल पर विचार किया है। उन्होंने उन सैन्य अधिकारियों को हटाने की बात की है जो वैचारिक रूप से उनके विरोधी हैं। ट्रंप का दृष्टिकोण अमेरिकी समाज में सेना की भूमिका में संभवतः नाटकीय बदलाव की बात करता है। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के खिलाफ ट्रंप का प्रचार अभियान अपने अंतिम चरण में है, ऐसे में वह उन प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्वाई का वादा कर रहे हैं जिनके पास स्थाई कानूनी दर्जा नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एवं उनके सलाहकार सेना की प्राथमिकताओं और संसाधनों को ऐसे समय में बदलने की योजनाएं बना रहे हैं, जब यूरोप और पश्चिम एशिया में युद्ध जारी है। एजेंडा 47 के नाम से

जाने जाने वाले ट्रंप के घोषणा पत्र में सर्वोच्च प्राथमिकता वर्तमान में विदेशों में तैनात हजारों सैनिकों को अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर तैनात करना है। उन्होंने गिरोहों के खिलाफ युद्ध की घोषणा करने और नौसेना को पोतों की जांच में तैनात करने का वादा किया है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह उन लाखों प्रवासियों को निर्वासित करने के अभियान के तहत नेशनल गार्ड और संभवतः सेना का उपयोग करेंगे, जिनके पास स्थाई कानूनी नागरिक का दर्जा नहीं है।ट्रंप के प्रचार अभियान ने यह बताने से इनकार कर दिया कि वह कितने सैनिकों को विदेशों से बुलाकर सीमा पर भेजेंगे, लेकिन उनके सहयोगी इस योजना को एक व्यापक मिशन के रूप में पेश कर रहे हैं जिसके तहत संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों का नए और नाटकीय तरीकों से उपयोग किया जाएगा। राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के कार्यकाल में आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन के कार्यवाहक निदेशक के रूप में काम कर चुके रॉन विटिएलो ने कहा, इस योजना के तहत विधि विभाग, गृह विभाग और रक्षा विभाग का गठबंधन हो सकता है। इन तीनों विभागों को इस तरह से समन्वित किया जाएगा जैसा शायद पहले कभी नहीं किया गया है। वित्त पोषण और अन्य प्राधिकरणों के माध्यम से सैन्य बल के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने की शक्ति रखने वाली संसद में रिपब्लिकन नेता ट्रंप की योजनाओं से बड़े पैमाने पर सहमत हैं। प्रतिनिधि सभा की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्य जो विल्सन ने कहा, मैं डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन इसलिए करता हूं क्योंकि वह पहले दिन से ही सीमा की सुरक्षा करेंगे। अब इसे तानाशाही समझा जा सकता है जो गलत है। उन्हें सीमा की सुरक्षा करनी होगी बहरहाल, मानवाधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता के पक्षधर ट्रंप की इन योजनाओं से चिंतित हैं। आव्रजन की पैरोकारी करने वाले संगठन एफडब्ल्यूडीडॉटयूएस के अध्यक्ष टॉड शुल्टे ने कहा, वे अमेरिकी परिवारों पर बड़े पैमाने पर छापे मारने के लिए सेना का उपयोग करने का वादा कर रहे हैं, जो हमारे देश द्वारा किए गए कुछ सबसे बुरे कामों की याद दिलाता है।

एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पाकिस्तान पहुंचे विदेशी प्रतिनिधिमंडल, इस्लामाबाद में सुरक्षा बढ़ाई गई

इस्लामाबाद। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने रविवार को पाकिस्तान पहुंचना शुरू कर दिया और कार्यक्रम के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय राजधानी इस्लामाबाद में सेना की तैनाती के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जियो न्यूज ने हवाई अड्डा सूत्रों के हवाले से बताया कि रूस का 76 सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल और एससीओ के सात प्रतिनिधि पाकिस्तान पहुंचे हैं। इसके अलावा भारत का चार सदस्ईय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भी पाकिस्तान पहुंच गया है। चीन से 15 सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल, किर्गिस्तान से चार सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल और ईरान से दो सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल भी इस्लामाबाद पहुंचा है।एससीओ के सदस्य देशों के शासनाध्यक्षों की 23वीं बैठक 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होगी जिसके लिए अधिकारियों ने कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हैं। इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) नासिर अली रिजवी ने एक बयान में कहा कि संघीय राजधानी में होने वाले महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन से पहले एक व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कर्मियों को होटलों और उन स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां विदेशी प्रतिनिधिमंडल ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे विदेशी नेताओं, प्रतिनिधिमंडलों और मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। रिजवी ने बताया कि तलाशी और सूचना-आधारित अभियान चलाए जा रहे हैं और पाकिस्तानी सेना, खुफिया एजेंसियां, फ्रंटियर कोर (एफसी) एवं रेंजर्स के कर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस प्रमुख ने बताया कि सुरक्षा के लिए पुलिस बल के 9,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है और नागरिकों की सुविधा के लिए एक एकीकृत यातायात योजना भी जारी की गई है। सरकार ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए राजधानी में पहले ही सेना को तैनात कर दिया है और इस्लामाबाद, पड़ोसी रावलपिंडी और कुछ अन्य शहरों में हर प्रकार के विरोध प्रदर्शनों और रैलियों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

चीन ने प्रधानमंत्री ली के पाकिस्तान में आयोजित एससीओ बैठक में भाग लेने की पुष्टि की

बीजिंग। चीन ने रविवार को पुष्टि की कि प्रधानमंत्री ली क्विंग इस सप्ताह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने के लिए इस्लामाबाद की यात्रा करेंगे और दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए द्विपक्षीय दौरा भी करेंगे। कराची में आत्मघाती हमले में दो चीनी श्रमिकों की मौत और विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा जेल में बंद अपने नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए जारी आंदोलन के मद्देनजर एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ली के शामिल होने के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं, जिसके बाद चीन ने यह पुष्टि की है।

ब्राजील के साओ पाउलो में आए शक्तिशाली तूफान में सात लोगों की मौत, 14 लाख घरों की बिजली गुल

भाषा। साओ पाउलो

ब्राजील के साओ पाउलो में आए एक संक्षिप्त लेकिन शक्तिशाली तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दक्षिण अमेरिका के इस सबसे बड़े महानगर में शनिवार को लगभग 14 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। साओ पाउलो के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात 67 मील (108 किलोमीटर) प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान के कारण बिजली पारेषण लाइन प्रभावित हुईं और बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, जिसके कारण कुछ हिस्सों में गंभीर क्षति हुई। राज्य सरकार के अनुसार, तूफान के कारण कई हवाई अड्डों को भी बंद करना पड़ा और कई क्षेत्रों में पेयजल सेवा भी बाधित हुई। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत उस वक्त हुई जब एक पेड़ उखड़कर एक दुकान पर गिर गया। उन्होंने बताया कि इस तूफान के कारण साओ पाउलो के आसपास के क्षेत्रों में कम से कम छह अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों को उम्मीद थी कि वे तूफान समाप्त होने के बाद के कुछ घंटों के भीतर बिजली पारेषण बहाल कर लेंगे, लेकिन लोग शनिवार को भी अंधेरे का दंश झेलते रहे, इतना ही नहीं संबंधित अधिकारी स्थानीय निवासियों से पानी की सीमित खपत का आग्रह करते भी नजर आए। इस महानगरीय क्षेत्र में कम से कम दो करोड़ 10 लाख रहते हैं।

भारतीय गेंदबाजों की सधी गेंदबाजी

महिला विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को जीत के लिए दिया 152 रन का लक्ष्य

भाषा। शारजाह

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में भारत के खिलाफ आठ विकेट पर 151 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंचे जिसमें सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस 40 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। कार्यवाहक कप्तान तहलिया मैकग्रा और एलिस पैरी ने 32-32 रन बनाए भारत के लिए रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा ने दो दो विकेट झटके जबकि पूजा वस्त्राकर, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव को एक एक विकेट मिला। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को तीसरे ही ओवर में दो झटके मिले। भारतीय गेंदबाज रेणुका सिंह ने तीसरे ओवर की चौथी और पांचवीं गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट झटककर अच्छी शुरुआत कराई। रेणुका की लेंथ गेंद को बैकफुट से खेलने के प्रयास में बेथ मूनी (02) आउट हुईं। आल राउंडर राधा यादव ने शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए बैकवर्ड प्वांइट पर कमाल का कैच लपका। अगली गेंद पर रेणुका ने जॉर्जिया वारेहैम को पगबाधा आउट कर खाता भी नहीं खोलने दिया। इस तरह तीसरे ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 17 रन था। पर इसके बाद मैकग्रा और सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 62 रन की भागीदारी निभाई। हैरिस और मैकग्रा ने संभलकर खेलते हुए रन गति बढ़ाई। दोनों ने 54 गेंद में अर्धशतकीय साझेदारी की। राधा यादव की गेंद पर मैकग्रा स्टंप आउट हुई जिन्होंने चार चौके से 26 गेंद में 32 रन बनाए। कुछ ही देर में दीप्ति शर्मा ने हैरिस की पारी का भी अंत किया और ऑस्ट्रेलिया ने 92 रन पर अपना चौथा विकेट गंवाया। ऑस्ट्रेलिया ने रनों का शतक पूरा ही किया था कि एशले गार्डनर (06) पूजा वस्त्राकर की शॉर्ट गेंद पर राधा को कैच दे बैठीं।

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल की संभावना मजबूत की

शारजाह। इंग्लैंड की महिला टीम ने रविवार को यहां महिला टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को 10 विकेट से रौंद दिया और अपने ग्रुप में शीर्ष पर पहुंचकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की संभावनाओं को मजबूत किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 109 रन ही बना सकी। इसके जवाब में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज माइया बाउचियर और डैनी वाट हॉज ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों ने महज 10 ओवर में लक्ष्य हासिल कर कर टीम का नेट रन रेट भी बढ़ा दिया। बाउचियर ने पारी की शुरुआत में कई बाउंड्री लगाई और शुरुआत में ही उन्हें जीवनदान भी मिला। वह 34 गेंद पर 62 रन बनाकर नाबाद रहीं जबकि वाट हॉज 26 गेंद में 51 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टोन (चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट) दिन की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। स्कॉटलैंड के लिए सास ब्रायस (31 गेंद में 27 रन) और कैथरीन ब्रायस (28 गेंद में 33 रन) ने भी अच्छा योगदान दिया।

भारत ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में तीन पदक जीते

अस्ताना (कजाकिस्तान)। भारत ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में रविवार को यहां अपना अभियान तीन पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें महिला युगल में ऐतिहासिक कांस्य पदक भी शामिल है। पिछले साल एशियाई खेलों में चीन की मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी को हराकर कांस्य पदक जीतने वाली अयहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी की विश्व में 15वें नंबर की भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जापान की मिवा हरिमोतो और मियु किहारा से 30 मिनट से भी कम समय में 4-11, 9-11, 8-11 से हार गई। भारतीय जोड़ी को इस तरह से कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन यह पहला अवसर है जबकि भारत ने महिला युगल में पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की किम नायॉन्ग और ली यून्हे को हराकर पदक पक्का किया था। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले टीम स्पर्धा में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। बत्रा, अयहिका और सुतीर्था की भारतीय टीम सेमीफाइनल में जापान से 1-3 से हार गईं थी।

एचआईएल नीलामी: सूरमा हॉकी क्लब ने कप्तान हरमनप्रीत को 78 लाख में खरीदा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन रविवार को भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए जबकि सूरमा हॉकी क्लब ने इस स्टार ड्रैग फ्लिकर को 78 लाख रुपए में खरीदा। सभी आठ फ्रेंचाइजी ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य खिलाड़ियों की सेवाएं हासिल करने के लिए मोटी रकम खर्च की। अभिषेक दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने जिन्हें श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपए में खरीदा जबकि हार्दिक सिंह के लिए यूपी रुद्रास ने 70 लाख रुपए खर्च किए। अमित रोहिदास के लिए तमिलनाडु ड्रैगन्स ने सबसे अधिक 48 लाख रुपए की बोली लगाई जबकि जुगराज सिंह को भी बंगाल टाइगर्स ने इसी राशि में खरीदा। हैदराबाद तूफान्स ने सुमित को 46 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा। विदेशी गोलकीपर में आयरलैंड के डेविड हार्टे सबसे अधिक राशि में बिके। उन्हें तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 32 लाख रुपए में खरीदा। जर्मनी के जीन-पॉल डैनबर्ग (हैदराबाद तूफान्स, 27 लाख रुपए), नीदरलैंड के पिरमिन ब्लैक (बंगाल टाइगर्स, 25 लाख रुपए) और बेल्जियम के विन्सेंट वानाश (सूरमा हॉकी क्लब, 23 लाख रुपए में) पर भी टीमों ने मोटी रकम खर्च की। भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा और पवन को टीम गोनासिका और दिल्ली एसजी पाइपर्स ने क्रमश: 22 लाख रुपए और 15 लाख रुपए में खरीदा।

पहले दिन पहले हाफ में बिकने वाले खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है: 1. गुरजंत सिंह - सूरमा हॉकी क्लब - 19 लाख रुपए ,2. मनदीप सिंह - टीम गोनासिका - 25 लाख रुपए , 3. मनप्रीत सिंह - टीम गोनासिका - 42 लाख रुपए , 4. सुखजीत सिंह - श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स - 42 लाख रुपए , 5. अमित रोहिदास - तमिलनाडु ड्रैगन्स - 48 लाख रुपए, 6. नीलकंत शर्मा - हैदराबाद तूफान्स - 34 लाख रुपए , 7. संजय - कलिंगा लांसर्स - 38 लाख रुपए , 8. ललित कुमार उपाध्याय - यूपी रुद्रास - 28 लाख रुपए , 9. विवेक सागर प्रसाद - सूरमा हॉकी क्लब - 40 लाख रुपए , 10. हार्दिक सिंह - यूपी रुद्रास - 70 लाख रुपए , 11. हरमनप्रीत सिंह - सूरमा हॉकी क्लब - 78 लाख रुपए, 12. सुमित - हैदराबाद तूफान्स - 46 लाख रुपए , 13. अभिषेक - श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स - 72 लाख रुपए , 14. जुगराज सिंह - श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स - 48 लाख रुपए , 15. कृष्ण बी पाठक - कलिंगा लांसर्स - 32 लाख रुपए , 16. शमशेर सिंह - दिल्ली एसजी पाइपर्स - 42 लाख रुपए , 17. जरमनप्रीत सिंह - दिल्ली एसजी पाइपर्स - 40 लाख रुपए , 18. राजकुमार पाल - दिल्ली एसजी पाइपर्स - 40 लाख रुपए, 19. डेविड हार्टे- तमिलनाडु ड्रेगन्स - 32 लाख रुपए , 20. जीन-पॉल डैनबर्ग- हैदराबाद तूफान्स - 27 लाख रुपए , 21. ओलिवर पेन- टीम गोनासिका - 15 लाख रुप, 22. पिरमिन ब्लैक- श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स - 25 लाख रुपए , 23. टॉमस सेंटियागो- दिल्ली एसजी पाइपर्स - 10 लाख रुपए , 24. विन्सेंट वानाश- सूरमा हॉकी क्लब - 23 लाख रुपए , 25. सूरज करकेरा - टीम गोनासिका - 22 लाख रुपए , 26. पवन - दिल्ली एसजी पाइपर्स - 15 लाख रुपए।

भारत ने दो पदक जीते , तालिका में शीर्ष पर

बेंगलुरु। भारतीय घुड़सवार सूर्या आदित्य और अविक भाटिया ने रविवार को यहां एईएफ कप सीएसआईवाई-बी प्रतियोगिता में क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए जबकि ईरान के यजदान मोल्लाफजल ने पहला स्थान हासिल किया। शनिवार को पहले दौर मे रजत पदक जीतने वाले सूर्या ने अपनी फॉर्म जारी रखते हुए प्रतियोगिता मे समग्र रजत हासिल किया। वही 16 वर्षीय अविक ने पहले दौर मे आठवें स्थान पर रहने के बाद दूसरे दौर में रजत जीतकर शानदार वापसी की जबकि दूसरे दौर में प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हे समग्र तालिका मे कांस्य हासिल करने में मदद मिली।

फिडे रेटिंग ओपन शतरंज: श्रद्धा ने कीर्ति को हराया

मुंबई। श्रद्धा पाडवेकर (तीन अंक) ने रविवार को यहां अखिल भारतीय फिडे रेटिंग ओपन शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में महिला कैंडिडेट मास्टर कीर्ति पटेल (दो अंक) को हराया। श्रद्धा (1588 रेटिंग) ने छठे बोर्ड पर कीर्ति (1829) के खिलाफ 63 चाल में जीत दर्ज की। दिल्ली के एरेना अंतरराष्ट्रीय मास्टर सेकत नाथ (दो अंक) ने मुंबई के अंतरराष्ट्रीय मास्टर विक्रमादित्य कुलकर्णी (दो अंक) को हराया।

महिला फुटबॉल में दिल्ली, महाराष्ट्र जीते

जयपुर। दिल्ली और महाराष्ट्र ने रविवार को यहां सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के ग्रुप डी के मुकाबलों में एकतरफा जीत दर्ज की। दिल्ली ने अंडमान एवं निकोबार को 21-0 से हराया। दिल्ली की ओर से दीपिका पाल ने (सातवे मिनट, 10वे मिनट, 11वे मिनट, 13वे मिनट, 54वे मिनट, 59वे मिनट, 64वे मिनट और 66वे मिनट) आठ गोल दागे जबकि फ्रेग्रोसी रिवान (चौथे मिनट, नौवे मिनट, 28वे मिनट, 45तीसरे मिनट और 52वे मिनट ने पांच गोल किए।

जेसी ऐनी ने आईटीएफ मैसुरू ओपन जीता

मैसुरू। दूसरी वरीय अमेरिका की जेसी ऐनी ने रविवार को यहां फाइनल में शीर्ष वरीय श्रीवल्ली रश्मिका भामिदिपति को हराकर आईटीएफ मैसुरू ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल का खिताब जीत लिया।शनिवार को युगल खिताब जीतने वाली ऐनी ने रश्मिका को दो घंटे और 33 मिनट चले मुकाबले में 3-6, 6-3, 7-6 से हराकर दोहरी सफलता हासिल की।ऐनी ने कहा, यह काफी कड़ा मुकाबला था लेकिन मुझे खुशी है कि मैने टाईब्रेक में अच्छा प्रदर्शन करके जीत दर्ज की।

पाक की टीम में बाबर को जगह नहीं, शाहीन,नसीम हटे

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को रविवार को इंग्लैड के खिलाफ बाकी बचे दो टेस्ट मैच की टीम से बाहर कर दिया गया जबकि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह ने इन मुकाबलो से हटने का फैसला किया। यह पहली बार है जब बाबर को उनके 54 टेस्ट मैच के करियर मे टीम से आराम दिया गया है।

जयवर्धने फिर मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच

मुंबई। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने मेगा नीलामी से पहले बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। जयवर्धने 2017-2022 तक मुंबई इंडियंस के साथ इसी भूमिका मे जुड़े हुए थे। फ्रेंचाइजी ने 2017, 2019 और 2020-21 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता था।

अभिमन्यु और चटर्जी ने बंगाल को बढ़त दिलाई

रणजी ट्रॉफी : उत्तर प्रदेश को मिली बड़ी चुनौती

लखनऊ। सुदीप चटर्जी के लगातार 50 रन से ज्यादा स्कोर और अभिमन्यु ईश्वरन ने नाबाद अर्धशतक से बंगाल ने रविवार को यहां उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मुकाबले के तीसरे दिन पहली पारी में अहम बढ़त हासिल की। मुकेश कुमार (43 रन देकर) और शाहबाज अहमद (96 रन देकर) ने इससे पहले घरेलू टीम को 292 रन पर आउट कर बंगाल को पहली पारी में 19 रन की बढ़त दिलाई। इसके बाद सलामी जोड़ी ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद की। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल समाप्त होने तक बंगाल ने 36 ओवर में बिना किसी नुकसान के 141 रन बना लिए थे। उसकी कुल बढ़त 160 रन की हो गई। बंगाल की पहली पारी में मात्र पांच रन बनाने वाले अभिमन्यु अपनी दूसरी पारी में अलग तरह के खिलाड़ी दिखे। दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में लगातार तीन शतक लगाकर शानदार फॉर्म में चल रहे इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज 107 गेंद में 78 रन बनाकर नाबाद रहे जिसमें सात चौके शामिल थे। अभिमन्यु ने 32 रन पर मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और एकाना की सपाट पिच पर अच्छा खेल दिखाया। वहीं पहली पारी में शतक जड़ने वाले चटर्जी ने नाबाद 59 रन बनाए। इससे पहले दिन में उत्तर प्रदेश ने तीन विकेट पर 206 रन से खेलना शुरू किया। आर्यन जुयाल अपने रात के 90 रन में दो रन ही जोड़ पाए। बंगाल के भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के शानदार स्पैल से टीम ने 94 रन पर सात विकेट खो दिए। इंदौर में मध्य प्रदेश ने शुभम शर्मा के नाबाद 143 रन, हरप्रीत सिंह के 91 रन और सारांश जैन के 51 रन की बदौलत कर्नाटक के खिलाफ आठ विकेट पर 425 रन बना लिए। थुम्बा में पंजाब के पहली पारी के 194 रन के जवाब में केरल की टीम 179 रन पर सिमट गई। मयंक मारकंडे ने 59 रन देकर छह और गुरनूर बरार ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके।

हिमाचल ने उत्तराखंड को 299 रन पर समेटा, फॉलोऑन दिया

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां उत्तराखंड को पहली पारी में 299 रन पर ढेर करने के बाद 364 रन की विशाल बढ़त हासिल की और मेहमान टीम को फॉलोआन के लिए मजबूर किया। मैच के शुरुआती दो दिन की तरह तीसरा दिन भी मेजबान टीम के नाम रहा। चार बल्लेबाजो के शतक की मदद से हिमाचल ने पहली पारी छह विकेट पर 663 रन बनाकर घोषित की थी। त्तराखंड ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 50 रन से की। अवनीश सुधा ने उत्तराखंड के लिए 95 रन बनाए लेकिन शतक से चूक गए। उन्होंने 171 गेंद की अपनी पारी मे 12 चौके मारे। अवनीश की पारी के बावजूद मेहमान टीम 299 रन पर सिमट गई।उत्तराखंड ने दूसरी पारी मे ओवर में सिर्फ एक ओवर खेला और अभी खाता नही खोला है। टीम को मैच ड्रॉ कराने के लिए कल पूरे दिन बल्लेबाजी करनी होगी। अवनीश के अलावा वैभव भट्ट (46) और कुणाल चंदेला (56) ने भी उम्दा पारियां खेली।

वाशिंगटन ने पंड्या और रियान को पीछे छोड़कर इम्पैक्ट फील्डर पुरस्कार जीता

हैदराबाद। भारत के युवा ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 श्रृंखला में शानदार क्षेत्ररक्षण करने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का इम्पैक्ट फील्डर पुरस्कार हासिल किया। वाशिंगटन ने इस पुरस्कार की दौड़ में हार्दिक पंड्या और रियान पराग को पीछे छोड़ा। भारत के क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने वाशिंगटन के क्षेत्ररक्षण में उत्कृष्ट सुधार की सराहना की और कहा कि वह क्षेत्ररक्षण करते समय एक अलग तरह के खिलाड़ी नजर आए। भारत ने संजू सैमसन के बेहतरीन शतक की मदद से बांग्लादेश को शनिवार को यहां खेले गए तीसरे मैच में 133 रन से हराकर टी20 श्रृंखला 3-0 से जीती।

कोटियान के पांच विकेट से मुंबई दहाड़ा

रणजी: बड़ौदा को दूसरी पारी में 185 रन पर समेटा

वडोदरा। ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान के पांच विकेट की बदौलत गत चैंपियन मुंबई ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन रविवार को यहां बड़ौदा को दूसरी पारी में 185 रन पर समेटकर मैच में वापसी की कोशिश की। पच्चीस साल के कोटियान ने 61 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे शनिवार को पहली पारी के आधार पर 76 रन की बढ़त लेने वाली बड़ौदा की टीम दूसरी पारी में बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही।ऑफ स्पिनर हिमांशु सिंह ने भी मुंबई के लिए 50 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे बदौड़ा की टीम 60.3 ओवर में आउट हो गई।मुंबई ने 262 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 42 रन बना लिए हैं। टीम को अब भी जीत के लिए 220 रन की दरकार है।दिन का खेल खत्म होने पर सलामी बल्लेबाज आयुष महात्रे 19 जबकि कप्तान अजिंक्य रहाणे चार रन बनाकर खेल रहे थे।

श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर की टीम महाराष्ट्र पर पहली पारी में बढ़त लेने के करीब पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी नौ विकेट पर 519 रन बनाकर घोषित की थी जिसके जवाब में महाराष्ट्र ने 312 रन तक छह विकेट गंवा दिए हैं। मेहमान टीम की ओर से सिद्धेश वीर (127) ने शतक जड़ा जबकि रुतुराज गायकवाड़ ने 86 रन की उम्दा पारी खेली। महाराष्ट्र की टीम अब भी 207 रन से पीछे है जबकि उसके सिर्फ चार विकेट शेष हैं।

तमिलनाडु ने सौराष्ट्र पर शिकंजा कसा

कोयंबटूर। चेतेश्वर पुजारा केवल छह गेंद खेलने के बाद शून्य पर आउट हो गए जिससे सौराष्ट्र की टीम रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में दूसरी पारी में पांच विकेट पर 35 रन गंवाकर जूझते हुए तमिलाडु से 129 रन से पिछड़ रही है। सत्र के पहले मैच के तीसरे दिन तमिलनाडु के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने सौराष्ट्र के खिलाफ तूफानी गेंदबाजी करते हुए नौ ओवर में पांच मेडन से सात रन देकर चार विकेट झटक लिए जिससे मेहमान टीम स्टंप तक जूझ रही थी। तमिलनाडु ने सौराष्ट्र के पहली पारी में 203 रन के जवाब में 367 रन बनाकर 164 रन की बढ़त हासिल की। तमिलनाडु ने तीन विकेट पर 278 रन से आगे खेलना शुरू किया। जयदेव उनादकट ने 24 ओवर में 61 रन देकर छह विकेट चटकाए। गुरजपनीत ने पुजारा को शिकार बनाया जिन्होंने पहली पारी में 16 रन बनाए थे। अर्पित वासवडा 15 और शेल्डन जैक्सन पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

सिनर ने शंघाई ओपन जीता

सबालेंका वुहान ओपन चैम्पियन बनीं

नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हारे

भाषा। शंघाई

शीर्ष रैंकिंग पर काबिज यानिक सिनर ने रविवार को यहां 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इटली के इस खिलाड़ी ने आठ ऐस और 22 विनर लगाकर जोकोविच को 7-6 (4), 6-3 से शिकस्त दी। जोकोविच ने चार ऐस और 12 विनर लगाए जबकि सिनर ने एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। जोकोविच यहां टूर स्तर के अपने 100वें खिताब की कोशिश में जुटे थे। जिमी कोनोर्स और रोजर फेडरर ही पुरुष टेनिस में शतक के खिताबी आंकड़े को पार कर पाए हैं। कोनोर्स ने 109 जबकि फेडरर ने 103 टूर स्तर के खिताब जीते हैं। वहीं दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेका ने सातवीं रैंकिंग पर काबिज झेंग किनवेन को फाइनल में 6-3, 7-5, 6-3 से हराकर लगातार तीसरे साल वुहान ओपन खिताब जीत लिया। यह सबालेंका इस सत्र में चौथा खिताब है जिसमें उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन और अमेरिकी ओपन ग्रैंडस्लैम भी जीते हैं। बेलारूस की इस खिलाड़ी का टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 17-0 हो गया है।

रासफिल ने जीती अंतर विद्यालयी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

लखनऊ। रासफिल अकादमी ने मोंटफोर्ट कॉलेज महानगर में आयोजित अंतर विद्यालयी ;अंडर .14द्ध टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में सेंट कैलेयर्स को 8 विकेट से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ लखनऊ टीबीसीएएलद्ध के तत्वाधान में12 अक्टूबर को हुए फाइनल में सेंट कैलेयर्स पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 36 रन ही बना सका। जवाब में रासफिल अकादमी ने 4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर यह लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ आनंद किशोर पांडेय निदेशक स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया व विशेष अतिथि ब्रदर टीटी मैथ्यू उप प्रधानाचार्य मोंटफोर्ट कॉलेज व एहसान ज़ैदी चेयरमैन टीबीसीएएल ने पुरस्कार बांटे। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज प्रिंस, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अस्तित्व व सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक कामरान चुने गए। इस अवसर पर टीबीसीएएल के अध्यक्ष आजम खान, सचिव मुशाहिद खान, आयोजन सचिव संदीप वर्मा व संयुक्त सचिव विजय श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

टाइगर व पीएमसी फाइनल में

लखनऊ। वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में टाइगर क्लब और पीएमसी ने सेमीफाइनल में जीत के साथ फाइनल में प्रवेश करते हुए खिताबी भिड़ंत सुनिश्चित की। केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर पहले सेमीफाइनल में टाइगर क्लब ने मैन ऑफद मैच मोंटी 2 विकेट 43 रन के ऑलराउंड खेल से एनएचबी को सात विकेट से हराया। एनएचबी ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 14 ओवर में नौ विकेट पर 101 रन बनाए। अमन ने 26 गेंदों पर चार चौके व पांच छक्के से 51 रन जोड़े। टाइगर क्लब से मुकुल को चारए दिशान को तीन और मोंटी को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में टाइगर क्लब ने 8.1 ओवर में 3 विकेट पर 106 रन बनाकर मैच जीत लिया। दूसरे सेमीफाइनल में पीएमसी पेपर मिल कालोनी ने एमएमबी सीतापुर को 35 रन से हराया। पीएमसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रितिक के 18 व गौरव के 14 रन से नौ विकेट पर 110 रन बनाए। जवाब में एमएमबी सीतापुर 13 ओवर में 75 रन ही बना सका। पीएमसी से राज वाल्मीकि को तीन विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार पीएमसी के गौरव को मिला। आज लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अजय कुमार सेठी ने फाइनल में पहुंचने वाली टीमों टाइगर क्लब और पीएमसी को खिताबी मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए आर्शीवाद दिया।

भारत को अगले साल आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की मेजबानी मिली

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने रविवार को भारत को अगले साल होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया। महासंघ के अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने कहा कि अगर भारत निकट भविष्य में और अधिक बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी करने का इच्छुक है तो खेल की वैश्विक संचालन संस्था उसका समर्थन करेगी। रॉसी आईएसएसएफ के सत्रांत विश्व कप फाइनल के लिए यहां आए हुए हैं।रॉसी ने मीडिया से कहा, मैं हाल ही में पेरू में संपन्न जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारत को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि आईएसएसएफ में हम 2025 में जूनियर विश्व कप की मेजबानी के भारत के आवेदन और एनआरएआई द्वारा संपर्क किए जाने पर भविष्य की अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी का भी समर्थन करेंगे। आईएसएसएफ प्रमुख ने कहा, भारत ना केवल अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ बल्कि खेल के बुनियादी ढांचे और पहुंच का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से भी निशानेबाजी की दुनिया में एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है।

क्विक न्यूज

दौरा करने वाली टीमों के लिए मुश्किल बनाता है भारत के क्रिकेट का स्तर : स्टीड

बेंगलुरु। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने रविवार को यहां कहा कि भारत के मुख्य खिलाड़ियों के चोटिल होने का उनकी टीम पर कोई असर नही पड़ता है और अपने घरेलू मैदानो पर वे जिस तरह का क्रिकेट खेलते है उससे मेहमान टीम के लिए दौरा काफी मुश्किल बन जाता है। न्यूजीलैंड की टीम भारत से तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी जिसमें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का नही खेलना तय है। श्रृंखला का पहला मैच बुधवार को यहां शुरू होगा। स्टीड ने कहा कि भारतीय क्रिकेट मे प्रतिभा की गहराई सुनिश्चित करती है कि खिलाड़ियों की अनुपलब्धता से राष्ट्रीय टीम प्रभावित नही हो। अगर भारतीय टीम में किसी को चोट लगती है तो यह उन्हे अन्य टीमों की तुलना में प्रभावित नही करता है। क्योंकि उनके पास कोई और ऐसा ही खिलाड़ी होता है जो उसकी तरह ही कुशल होता है। उनके पास बहुत सारे खिलाड़ी है जिन्हे वे बुला सकते है और वे भी उतने ही कुशल है। उनके पास बहुत सारे टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों की अनुभवी टीम है।

मैंने दबाव से निपटना सीख लिया है: संजू सैमसन

हैदराबाद। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हे विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नही रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच मे खाता भी नही खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच मे भी उनका प्रदर्शन अच्छा नही रहा था। सैमसन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, श्रीलंका के खिलाफ दो मैच मे खाता नही खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला मे मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाई रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।

टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे तेंदुलकर

ह्यूस्टन (अमेरिका)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास मे राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक मे युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे।यह क्रिकेट क्लीनिक डलास मे टेक्सास विश्वविद्यालय मे आयोजित किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है।तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है। उन्होंने कहा, मै इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हे यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

रॉस ब्रांच नए फिम वर्ल्ड रैली.रेड चैंपियन बने

मुंबई। हीरो मोटोकॉर्प की मोटरस्पोर्ट्स टीम हीरो मोटरस्पोर्ट्स टीम रैली ने रैली डु मैरॉक 2024 की अंतिम फिनिश लाईन को पार कर लिया और इसके साथ ही रॉस ब्रांच नए फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियन बन गए। यह फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप 2024 का पाँचवाँ और अंतिम राउंड था। सबसे ज्यादा चैंपियनशिप पॉईंट्स के साथ कलाहारी फरारी नाम से मशहूर हीरो राईडर, रॉस ने 2024 के सीज़न की शुरुआत से ही अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। रैली डु मैरॉक के 25वें संस्करण में टीम हीरो का प्रतिनिधित्व तीन राईडर्स रॉस ब्रांच नाचो कॉर्नेजो और सेबेस्टियन बुह्लर द्वारा किया गया। मैराकेच में एक सरल शुरुआत के बाद रैली में बारिश और बाढ़ जैसी अप्रत्याशित चुनौतियों के साथ रोमांचक मोड़ आ गया। रास्ते बाढ़ में बह गए और ज्यादा बीहड़ हो गएए जिससे दुर्घटनाओं एवं चोट लगने के कारण कई प्रतियोगियों ने रैली बीच में ही छोड़ दी। हीरो राईडर सेबेस्टियन बुह्लर एक टक्कर के बाद स्टेज 2 में बाहर हुए और ब्रांच एवं कॉर्नेजो ने रैली को आगे बढ़ाया। ग्रैंड सहारा में 2500 किलोमीटर लंबी इस 6 दिवसीय रैली का समापन अल्जीरिया की सीमा के पास मेंगूब बुअर्फा में हुआ। इस एक सप्ताह की रैली में हीरो कैंप में सच्ची टीम भावना और भाईचारा देखने को मिले। वोल्फगैंग फिशर टीम मैनेजर, हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम रैली ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व का क्षण है जो खेल के इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो गया है।

टोयोटा नवाचार व रफ्तार को देगा जोर

ट्रांबे। नवाचार और ग्राहक केंद्रित रुख की अपनी विरासत को मजबूत करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर टीकेएम ने अर्बन क्रूजर हाइराडर के फेस्टिवल लिमिटेड एडिशनश की शुरुआत की घोषणा की। इसमें एक्सक्लूसिव टोयोटा जेनुइन एक्सेसरीज-टीजीए पैकेज शामिल है। अर्बन क्रूजर हाइराडर लाइन पमें यह नवीनतम उत्पाद 13 विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए टीजीए के साथ आता है, जो गतिशील और प्रीमियम ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाता है। अर्बनक्रूजर हाइडर फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन में टीजीए पैकेज के साथ कईमियम सुविधाएं दी जाएंगीए जिन्हें वाहन की खूबसूरती और सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 13 एक्सेसरीज़ वाला यह पैकेज खास तौर पर वाहन के बाहरी और आंतरिक हिस्से को एक बेहतरीन प्रीमियम लुक देने के लिए चुना गया है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स.सर्विस.यूज्डकार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा 2022 में लॉन्च होने के बाद से ही अर्बनक्रूजर हाइडर टिकाऊ गतिशीलता प्रदान करने के लिए टीकेएम की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहाहै और इसने उच्च ग्राहक संतुष्टि के साथ अपार लोकप्रियता हासिल की है।

रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जीत में फिर दागा गोल

बार्सिलोना। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपना रिकार्ड 133वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड पर 3-। से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई जबकि एक अन्य मैच मे स्पेन ने डेनमार्क को।-0 से हराया। रोनाल्डो ने 37वे मिनट मे राफेल लेओ के शॉट के पोस्ट से टकराने के बाद रिबाउंड पर गोल किया। इससे पहले बर्नार्डो सिल्वा ने 26वे मिनट मे पुर्तगाल की तरफ से पहला गोल किया था। रोनाल्डो इस साल के शुरू मे यूरोपीय चैंपियनशिप मे पुर्तगाल की तरफ से पांच मैचो मे एक भी गोल नही कर पाए थे लेकिन नेशंस लीग मे उन्होंने अभी तक जो तीन मैच खेले है उन सभी मे वह गोल करने मे सफल रहे। इनमे क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था।

स्वदेश में लय बरकरार रखने उतरेगा भारत

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के पदक विजेताओ की अनुपस्थिति के बावजूद भारत मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सत्रांत आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल मे भाग लेगा तो मेजबान की 23 सदस्ईय टीम मे शामिल रिदम सांगवान जैसे खिलाड़ियो से पदक की उम्मीद होगी। कांस्य पदक जीतने वाले मनु भाकर, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने डॉ. कर्णी सिंह रेंज मे होने वाले इस टूर्नामेंट मे भाग नही लेने का विकल्प चुना है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001